THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 129 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.11 2083 रविवार, 9 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये


## अब अगले साल बाबा बर्फानी देंगे दर्शन

श्रीनगर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा 2026 को ट्रैक की मरम्मत और आवश्यक रखरखाव के चलते 9 अगस्त से स्थगित कर दिया गया। यात्रा मार्ग को श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। इस वर्ष 3 जुलाई से शुरू हुई 57 दिवसीय पवित्र श्री अमरनाथ जी यात्रा का समापन 28 अगस्त 2026 को पवित्र 'छड़ी मुबारक' के पूजन और आगमन के साथ होगा। यह यात्रा अनंतनाग जिले के चंदनवाड़ी मार्ग और गांदरबल जिले के बालटाल मार्ग से एक साथ शुरू हुई थी। इस साल 3 जुलाई से शुरू हुई 57 दिवसीय अमरनाथ यात्रा अब अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ रही है। यात्रा का औपचारिक समापन 28 अगस्त 2026 को पवित्र छड़ी मुबारक के पूजन और आगमन के साथ होगा।

# 'सिर्फ सवाल मत पूछिए, समाधान भी खोजें'

✻ अगले 35 साल आप जो करेंगे, वह विकसित भारत का आधार होगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को कई सीख दीं। उन्होंने कहा, 'हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां और जिम्मेदारियां होती हैं।

इस पीढ़ी के लिए आने वाला समय और बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसलिए यह समझें कि अगले 35 साल में आपका काम विकसित भारत का आधार होगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने आईआईटी के कई पूर्व छात्रों की सफलता देखी है। उन्होंने ऐसी समस्याओं को पहचाना, जिन पर किसी ने ध्यान नहीं दिया था। इसलिए हमेशा सीखते रहें, सिर्फ सवाल न पूछें और उनके समाधान भी खोजें।'

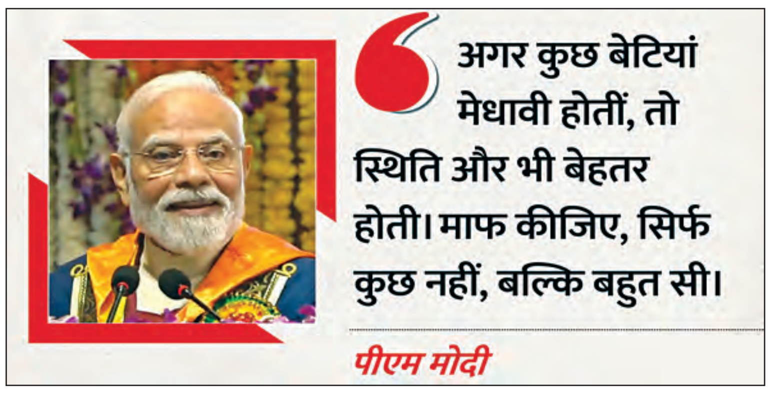


**पीएम बोले-मैं बाबा बागेश्वर नहीं**

पीएम ने छात्रों की मनोदशा पर हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मैं बाबा बागेश्वर नहीं हू, लेकिन कुछ तो आपके मन में चलता होगा।' इसके बाद सभी लोग हंसने लगे। हर स्टूडेंट आने वाले कल के लिए कोई न कोई सपना देख रहा होगा। कोई अपनी पहली सैलरी का इंतजार कर रहा होगा, कोई स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहा होगा, तो कोई नई प्रतियोगिता की तैयारी कर रहा होगा। सभी के अपने सपने हैं। छात्र ऐसे समय में संस्थान से निकल रहे हैं, जब दुनिया तेजी से बदल रही है। शिक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में लगातार बदलाव हो रहा है। टेक्नोलॉजी की रफ्तार इतनी तेज है कि यह कहना मुश्किल है कि अगले 20-30 साल में दुनिया कैसी होगी। जब भी बदलाव आता है, उसके साथ चुनौतियां और अवसर दोनों आते हैं। इंडस्ट्री और प्रोफेशन का स्वरूप बदलता रहेगा। इसलिए खुद को तैयार रखें, हर चुनौती का सामना करें। कैंपस लाइफ और असल जिंदगी में बहुत अंतर होता है। आईआईटी में सिलेबस होता है और पता होता है कि कौन-सी परीक्षा देनी है। कौन-सा कोर्स पढ़ना है। उधर, असली जिंदगी में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। वहां यह भी खुद पहचानना पड़ता है कि असली सवाल क्या है। हर पीढ़ी के सामने अलग चुनौतियां और दायित्व होते हैं। देश ने गुलामी का दौर देखा। उस समय की पीढ़ी के सामने आजादी हासिल करना सबसे बड़ा लक्ष्य था। इसके लिए लोगों ने लंबा संघर्ष किया और त्याग व बलिदान दिए। आज की पीढ़ी की चुनौतियां और जिम्मेदारियां अलग हैं। अगले 35 साल में आप जो करेंगे, वह देश की कौन-सी जरूरत पूरी करेगा, यह आपको तय करना है।

**पीएम ने 'परम प्रज्ञा' सुपरकंप्यूटर का उद्घाटन किया**

पीएम ने छात्रों को डिग्री दी और मेडल पहनाए। दीक्षांत समारोह में 3,000 से ज्यादा छात्र शामिल हुए। इनमें पीएचडी कर रहे 587 स्टूडेंट भी शामिल हैं। मोदी ने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत कैंपस में स्थापित 'परम प्रज्ञा'नामक एआई बेस्ड हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटर का रिमोट से उद्घाटन किया।इस सुपरकंप्यूटर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा साइंस, एडवांस्ड कंप्यूटिंग और रिसर्च में मदद मिलेगी। भारत में नेशनल सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत अब तक 37 सुपरकंप्यूटर स्थापित किए जा चुके हैं और ये सभी चालू हैं।

# 'विश्वगुरु बनना है तो हाशिए के लोगों को मुख्यधारा में लाना होगा'

बुलढाणा, 8 अगस्त (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि देश को सही मायने में 'विश्वगुरु' बनाने के लिए समाज के हाशिए पर रह रहे लोगों को मुख्यधारा में लाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने से ही देश आगे बढ़ सकता है।

भागवत महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के खामगांव में पारधी समुदाय के आवासीय विद्यालय में तीन खेल मैदानों के उद्घाटन के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस समुदाय को आज विमुक्त या 'भटके-विमुक्त' कहा जाता है, वह कभी ज्ञान देने वाला समुदाय हुआ करता था।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इस समुदाय के लोग निस्वार्थ भाव से अपना ज्ञान बांटने के लिए बाहर निकलते थे, लेकिन समय के साथ वे समाज के हाशिए पर चले गए। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के कारण पूरे पारधी समुदाय को 'क्रिमिनल ट्राइब' यानी अपराधी जनजाति के रूप में चिन्हित कर दिया गया। भागवत के मुताबिक, इसका समुदाय के विकास पर गहरा असर पड़ा और वह विकास की दौड़ में काफी पीछे रह गया। मोहन भागवत ने कहा कि एक समय भारतीय समाज पूरी तरह संगठित था, लेकिन विदेशी आक्रमणकारियों की गुलामी के कारण समाज में बिखराव पैदा हुआ। उन्होंने कहा, 'इसके परिणामस्वरूप समाज में हाशिए पर रहने वाले समूहों की संख्या बढ़ती गई। इसके बावजूद इन समुदायों ने कभी अधीनता स्वीकार नहीं की और वे आजादी के लिए संघर्ष करते रहे।' आरएसएस प्रमुख ने कहा कि संघ कई वर्षों से पारधी समुदाय के विकास के लिए काम कर रहा है। उन्होंने समाज के वंचित और हाशिए पर रह गए वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया।

### अमित शाह का आरबीआई और सहकारी बैंकों को संदेश

## आपसी भरोसे से मजबूत होगा सेक्टर

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल के वर्षों में शहरी सहकारी बैंकों के प्रति सहयोगात्मक रवैया अपनाया है।

उन्होंने दोनों पक्षों से एक-दूसरे के प्रति लंबे समय से बनी धारणाओं से आगे बढ़कर इस क्षेत्र को मजबूत बनाने की अपील की। मुंबई में नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के नए कार्यालय भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि शहरी सहकारी बैंक और आरबीआई को अधिक विश्वास और भरोसे के साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी सरकार और सहकारी बैंकिंग क्षेत्र ने सकारात्मक तरीके से आरबीआई से संपर्क किया, तब केंद्रीय बैंक ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। अमित शाह ने आरबीआई द्वारा उठाए गए कई कदमों का उल्लेख किया। इनमें शाखाओं के विस्तार संबंधी नियमों में ढील देना, घर-घर बैंकिंग सेवाओं की अनुमति देना, यूसीबी को डिमांड ड्राफ्ट और जीवन प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति देना तथा इस क्षेत्र के लिए एक समर्पित नोडल अधिकारी की नियुक्ति शामिल है।

## परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण कानून पर अकाली दल का केंद्र को समर्थन

चंडीगढ़, 8 अगस्त (एजेंसियां)। शिरोमणि अकाली दल (बादल) ने शनिवार को केंद्र सरकार के द्वारा लाए गए परिसीमन और महिला आरक्षण कानून का समर्थन किया है।

अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बताया कि इस संबंध में शनिवार को चंडीगढ़ में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल की ओर से यह घोषणा पीएम मोदी से मुलाकात के बाद एक दिन बाद की गई है।

# महिला आरक्षण लागू क्यों नही किया : राहुल

> इसे परिसीमन से क्यों जोड़ रहे > केंद्र लोकसभा सीटें बढ़ाकर इसे लागू करना चाह रहा

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की उस चुनौती का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस से 'महिला आरक्षण विधेयक को बिना शर्त समर्थन' देने को कहा था।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि आखिर इस कानून को लागू करने की प्रक्रिया को लोकसभा में परिसीमन की प्रक्रिया से क्यों जोड़ा जा रहा है। कांग्रेस का रुख दोहराते हुए राहुल गांधी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की। गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा,' रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर आपसे बेहतर कौन जानता है कि महिला आरक्षण विधेयक, 2023 पहले ही कांग्रेस के पूरे समर्थन से सर्वसम्मति से पारित हो चुका है। सवाल यह है कि तीन साल बाद भी इसे लागू क्यों नहीं किया गया है और अब आप इसे बेवजह परिसीमन से क्यों जोड़ना चाहते हैं? 2023 का कानून लागू करें।

बिना किसी शर्त के।' इससे पहले शनिवार को राहुल गांधी द्वारा महिलाओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात किए जाने के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस को महिला आरक्षण विधेयक का बिना शर्त समर्थन करने की चुनौती दी थी।

## जेपीएससी विवाद पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

**जनहित याचिका में सीबीआई जांच और परीक्षा रद्द करने की मांग**

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी पेपर लीक को लेकर चल रहा विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। दरअसल, एक सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन ने सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दाखिल की है। इस याचिका में 19 अप्रैल को हुई जेपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा को रद्द करने की मांग की गई है और साथ ही पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग की गई है।

इस याचिका में मांग की गई है कि परीक्षा में कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच कराई जाए और परीक्षा को रद्द करके उसे दोबारा आयोजित किया जाएगा। याचिकाकर्ता ने जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) या रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र समिति बनाने की मांग की है। इस याचिका में कहा गया है कि अगर जांच के लिए समिति बनाई जाती है तो उसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज या झारखंड के बाहर के किसी हाई कोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस को दी जाए।

# कोर्ट फीस के बिना वक्फ मुकदमों को खारिज करने का मामला अदालत पहुंचा

> गुजरात एचसी के आदेश को चुनौती

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई है, जिसमें कोर्ट फीस जमा नहीं करने के कारण वक्फ से जुड़े मुकदमों को खारिज करने के फैसले को बरकरार रखा गया था। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए छह सप्ताह में जवाब मांगा है। यह मामला अहमदाबाद सुन्नी मुस्लिम वक्फ कमेटी की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है। याचिका पर सुनवाई जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने की। पीठ ने 7 अगस्त को आदेश देते हुए कहा, 'नोटिस जारी किया जाए, छह सप्ताह में जवाब दिया जाए'।

वक्फ संस्थाओं से जुड़े कुछ मामलों में गुजरात राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल ने पर्याप्त कोर्ट फीस जमा नहीं होने के आधार पर कार्यवाही स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। इसके खिलाफ वक्फ संस्थाओं ने गुजरात हाईकोर्ट का रुख किया था। गुजरात हाईकोर्ट ने दिसंबर 2025 में इन याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि वक्फ संस्थाओं को वक्फ अधिनियम की धारा 83 के तहत राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल में मामला दायर करने के लिए कोर्ट फीस से पूरी तरह छूट नहीं मिली हुई है। इसके बाद जनवरी 2026 में हाईकोर्ट ने इसी आधार पर एक अन्य मामले में वक्फ मुकदमों को खारिज करने के फैसले को बरकरार रखा। अब इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।

अहमदाबाद सुन्नी मुस्लिम वक्फ कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा है कि गुजरात हाईकोर्ट ने वक्फ अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों की सही तरीके से व्याख्या नहीं की। कमेटी की ओर से अधिवक्ता एजाज मकबूल ने याचिका दाखिल की है। इसमें कहा गया है कि वक्फ अधिनियम या उसके नियमों में कोर्ट फीस के भुगतान का कोई प्रावधान नहीं है। याचिका के मुताबिक, जब कानून और नियम कोर्ट फीस लेने का प्रावधान ही नहीं करते हैं, तो वक्फ संस्थाओं से कोर्ट फीस की मांग नहीं की जा सकती।

# 'एक ऐसी सुबह जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा'

**राघव चड्ढा ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की**

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने इस मुलाकात को विस्तृत और ज्ञानवर्धनक बातचीत बताते हुए कहा कि यह एक ऐसी सुबह थी जिसे वह हमेशा याद रखेंगे। बीजेपी सांसद राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, यह एक ऐसी सुबह है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। मुझे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह एक विस्तृत और ज्ञानवर्धक संवाद था।

उनके बहुमूल्य समय और उनके विचारों और मार्गदर्शन से लाभ उठाने के अवसर के लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं। पंजाब में राजनीतिक निष्ठाओं में एक बड़े बदलाव के तहत चड्ढा और आम आदमी पार्टी के सात अन्य पूर्व राज्यसभा सदस्य हाल ही में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी ने बीजेपी में शामिल हुए आम आदमी पार्टी के पूर्व सांसदों समेत 37 राज्यसभा सदस्यों से ब्रेक फास्ट पर मुलाकात की।

# आरएसएस का इतिहास क्यों खंगाल रही कर्नाटक सरकार?

> प्रियांक खरगे ने किया खुलासा

बंगलूरू, 8 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने शनिवार को कहा कि सरकार कानूनी दायरे में रहते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ कार्रवाई करेगी। उन्होंने संकेत दिया कि सरकार अगला कदम उठाने से पहले संगठन और उसके इतिहास का अध्ययन कर रही है।

बंगलूरू में पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा कि वह आरएसएस को कानूनी दायरे में लाएंगे। पत्रकारों ने जब पूछा कि क्या आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को संगठन के पंजीकरण समेत कई मुद्दों पर लिखे उनके पत्र का कोई जवाब मिला है, तो खरगे हंस पड़े। उन्होंने कहा कि उन्हें जवाब मिलने की उम्मीद ही नहीं थी। प्रियांक खरगे ने कहा, मैंने आपसे कहा था कि जवाब नहीं आएगा, है ना? मैंने यह भी कहा था कि हम इससे उचित तरीके से निपटेंगे। हम जो भी करेंगे, वह कानूनी दायरे में रहकर ही करेंगे। खरगे ने कहा, वे (आरएसएस) कानूनी दायरे से बाहर हैं। मैं उन्हें इसके दायरे में लाऊंगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को उठाए हुए करीब डेढ़ महीने हो चुके हैं। सरकार को आगे बढ़ने से पहले आरएसएस और उसके इतिहास का अध्ययन करने के लिए समय चाहिए। खरगे ने कहा, हमें उनके 100 साल के इतिहास का अध्ययन और उसे समझने की जरूरत है। उन्हें खुद अपने इतिहास की जानकारी नहीं है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा, अब, ऐसा लगता है कि उन्होंने हाल ही में कुछ जेन जी के लोगों से मुलाकात की है। क्या यह उन्हें पीटने के बाद उनका समर्थन करने के लिए है?

### नौकरी मिली नियुक्ति नहीं

# केरल में 34 दिन से सड़क पर एलपीएसटी रैंक होल्डर्स, घास खाकर जताया विरोध

तिरुवनंतपुरम, 8 अगस्त (एजेंसियां)। केरल सचिवालय के बाहर लोअर प्राइमरी स्कूल टीचर रैंक होल्डर्स का नियुक्ति आदेश जारी करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन 34वें दिन भी जारी रहा। शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने प्रतीकात्मक रूप से घास खाकर सरकार के प्रति नाराजगी जताई।

उनका आरोप है कि पीएससी की रैंक लिस्ट में जगह बनाने के बावजूद उन्हें नियुक्ति नहीं दी जा रही है। वहीं, पीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए सरकार ने क्राइम ब्रांच को जिम्मेदारी सौंपी है और आईजीपी एस. अजीता बेगम की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की गई है। प्रदर्शन के समर्थन में सचिवालय मार्च कर रहे बीजेवाईएम कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। यह विरोध प्रदर्शन उन उम्मीदवारों की बढ़ती निराशा को सामने लाता है, जिन्होंने केरल लोक सेवा आयोग (पीएससी) की रैंक लिस्ट में स्थान हासिल किया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि रैंक लिस्ट में आने के बावजूद उन्हें औपचारिक नियुक्ति आदेश के लिए अनिश्चितकाल तक इंतजार करना पड़ रहा है। एक प्रदर्शनकारी ने सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर गहरा दुख जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई तरह के विरोध प्रदर्शन करने के बावजूद सरकार ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है और पूरे मामले को लेकर बेपरवाह बनी हुई है। हम एलपीएसटी रैंक होल्डर हैं। हम 34 दिनों से विरोध कर रहे हैं। सरकार की ओर से कोई अच्छी खबर नहीं है। उन्होंने दो महीने का समय मांगा था। मुझे नहीं पता कि उन्हें दो महीने क्यों चाहिए। हम अलग-अलग तरह से विरोध कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। सरकार हमारे मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही है और हमें टालने की कोशिश कर रही है।

**आखिर नियुक्ति का मामला किस विवाद से जुड़ा है?**

यह मामला राज्य योजना बोर्ड में मुख्य-स्तर के पदों के लिए आयोजित केरल लोक सेवा आयोग (पीएससी) की परीक्षा के मूल्यांकन में कथित अनियमितताओं से भी जुड़ा है। इससे पहले जुलाई में केरल पुलिस ने कहा था कि मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाएगा। इस एसआईटी की कमान पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) एस. अजीता बेगम को सौंपी गई है। केरल गृह विभाग ने जांच की जिम्मेदारी क्राइम ब्रांच को सौंपने का आदेश भी जारी किया था।

### सिद्धिविनायक चढ़ावा मामला

## फडणवीस का अधिकारियों को आदेश पांच साल के रिकॉर्ड की जांच करें

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में चढ़ावे की राशि में कथित गड़बड़ी की पूरी जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मंदिर के पिछले पांच साल के सभी दस्तावेजों की जांच करने का निर्देश दिया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह आदेश महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के आरोपों के बाद आया है। राज ठाकरे ने आरोप लगाया था कि मंदिर के चढ़ावे से हर साल करीब 18 करोड़ रुपये का गबन किया जा रहा है।

इसके बाद मंदिर के नौ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया था। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी इस मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की थी। अधिकारियों के अनुसार, सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की थी। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को वर्ष 2023 से 2026 के बीच मंदिर में चढ़ावे की राशि का पूरा ब्योरा दिया था। इसके बाद फडणवीस ने जांच के आदेश दिए। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जांच रिपोर्ट जल्द से जल्द देने को कहा है। पिछले महीने शिंदे ने भी मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की थी। उन्होंने अधिकारियों को जांच की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया था। यह विवाद तब सामने आया, जब राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि मंदिर में आने वाले चढ़ावे में से हर साल करीब 18 करोड़ रुपये की राशि का गबन किया जा रहा है। इसके बाद सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता सदा सरवणकर ने कहा था कि कथित चोरी के मामले में मंदिर के नौ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है।

## खबरें जरा हटके

### 75 की उम्र में भी नहीं रुकीं दादी, हरिद्वार से आनंद विहार तक पैदल चल ला रही कांवड़

**जज्बा देख लोग हुए नतमस्तक**

सावन का महीना आते ही देशभर में भगवान शिव के भक्त कांवड़ यात्रा पर निकल पड़ते हैं. कोई लंबी दूरी पैदल तय करता है तो कोई कई किलोमीटर की कठिन यात्रा के बाद गंगाजल लेकर भोलेनाथ के मंदिर पहुंचता है. इसी बीच सोशल मीडिया पर एक बुजुर्ग महिला का वीडियो लोगों का ध्यान खींच रहा है, जिनका भक्ति के प्रति जज्बा देखकर युवा भी हैरान हैं. वायरल वीडियो के मुताबिक, करीब 75 साल की दादी हरिद्वार से आनंद विहार, दिल्ली की ओर पैदल कांवड़ यात्रा करती नजर आ रही हैं. उम्र के इस पड़ाव पर जहां कई लोगों के लिए थोड़ी दूरी तक चलना भी मुश्किल हो जाता है, वहीं दादी पूरे उत्साह के साथ अपनी धार्मिक यात्रा पूरी करती दिखाई दे रही हैं.

बताया जा रहा है कि यह उनका कांवड़ यात्रा से जुड़ा पहला अनुभव नहीं है. वीडियो में दावा किया गया है कि दादी पिछले 20 वर्षों से कांवड़ यात्रा कर रही हैं. यानी उम्र बढ़ने के साथ उनका भोलेनाथ के प्रति विश्वास और आस्था कम नहीं हुई, बल्कि उनका जज्बा लगातार कायम है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रही क्लिप में दादी सड़क पर आगे बढ़ती दिखाई देती हैं. उनके चेहरे पर थकान के बजाय आत्मविश्वास और भक्ति का भाव नजर आता है. यही वजह है कि वीडियो देखने वाले लोग उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं. कई यूजर्स का कहना है कि दादी का हौसला आज की युवा पीढ़ी के लिए भी प्रेरणा देने वाला है. कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालु हरिद्वार और दूसरे गंगा घाटों से पवित्र जल लेकर अपने-अपने शहरों और गांवों की ओर रवाना होते हैं. इस दौरान कई भक्त लंबी दूरी पैदल तय करते हैं. रास्ते में उन्हें गर्मी, भीड़ और थकान जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन आस्था के आगे ये मुश्किलें छोटी लगती हैं.

### डीएनए टेस्ट ने मिलाया 23 साल से बिछड़ा परिवार मां-बेटी की मुलाकात ने सबको किया भावुक

कभी-कभी जिंदगी की कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जिन्हें सुनकर शब्द कम पड़ जाते हैं. स्वीडन में पली-बढ़ी 23 वर्षीय लीसा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है. जन्म के कुछ समय बाद अपने परिवार से बिछड़ी लीसा ने करीब ढाई दशक बाद चीन लौटकर अपने असली माता-पिता को खोज लिया. जब वह अपने जन्मस्थान अनहुई पहुंची और पहली बार अपनी मां के सामने खड़ी हुई, तो वहां मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो गया. रिपोर्ट्स के मुताबिक, लीसा का जन्म साल 2003 में चीन में हुआ था. चीन में उन्हें गाओ जियानक्वान के नाम से जाना जाता था. जन्म के कुछ समय बाद उनके माता-पिता ने आर्थिक परेशानियों के चलते उन्हें एक दाई की देखरेख में सौंप दिया था. कुछ दिनों बाद बच्ची को एक खेल स्टेडियम के पास छोड़ दिया गया, जहां से स्थानीय अधिकारियों ने उसे बरामद किया. अधिकारियों को पता चला कि बच्ची को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी भी थी. इसके बाद उसे एक बाल कल्याण केंद्र में पहुंचाया गया. वहीं उसका नाम गाओ जियानक्वान रखा गया. करीब एक साल की उम्र में उसे स्वीडन के एक कपल ने कानूनी रूप से गोद ले लिया. इसके बाद लीसा ने अपना बचपन और युवावस्था स्वीडन में बिताई. हालांकि, अपने जन्म और परिवार से जुड़े सवाल हमेशा उनके मन में रहे. उनके स्वीडिश माता-पिता ने भी उनकी जड़ों को जानने की इच्छा का सम्मान किया और इस खोज में उनका पूरा साथ दिया. मार्च 2026 में लीसा ने 'बेबी कम होम' नाम की चीनी संस्था से संपर्क किया, जो बिछड़े परिवारों को दोबारा मिलाने में मदद करती है. डीएनए जांच के जरिए आखिरकार उनके जैविक परिवार की पहचान हो गई. इसके बाद लीसा अपने स्वीडिश माता-पिता के साथ चीन के अनहुई प्रांत पहुंचीं.

### 69 साल के बुजुर्ग का लग्जरी अंदाज, शॉपिंग के लिए हेलिकॉप्टर से पहुंचा स्टोर

**वजह जान छूट गई लोगों की हंसी!**

आज के समय में लोग ट्रैफिक से बचने के लिए बाइक, मेट्रो या कैब का सहारा लेते हैं. कई लोग समय बचाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी किसी को सिर्फ खरीदारी करने के लिए अपना निजी हेलीकॉप्टर उड़ाकर दुकान तक जाते देखा है? सुनने में यह किसी फिल्म का सीन लग सकता है, लेकिन अमेरिका में ऐसा सचमुच हुआ है. एक 69 साल के शख्स ने लंबी ड्राइव से बचने के लिए अपनी कार की जगह हेलीकॉप्टर चुना और सीधे दुकान की पार्किंग में उतर गया. इस अनोखी घटना का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य में रहने वाले 69 साल के व्यक्ति ने अपने प्राइवेट हेलीकॉप्टर से स्थानीय आउटडोर सामान बेचने वाली मशहूर दुकान कैबेला तक उड़ान भरी. बताया गया कि वह रोसेंडेल गांव से हेलीकॉप्टर लेकर निकला और सीधे रिचफील्ड स्थित स्टोर की पार्किंग में उतर गया. जब लोगों ने पार्किंग में हेलीकॉप्टर उतरते देखा तो हर कोई हैरान रह गया. कई लोग रुककर उसे देखने लगे, जबकि कुछ ने मोबाइल निकालकर वीडियो बनाना शुरू कर दिया. किसी ने इस घटना की सूचना वहां के अधिकारियों को भी दे दी. सूचना मिलने के बाद वॉशिंगटन काउंटी शेरिफ कार्यालय का एक डिप्टी मौके पर पहुंचा और हेलीकॉप्टर के पायलट से बातचीत की. पूछताछ में उस व्यक्ति ने बेहद सामान्य अंदाज में कहा कि उसने हेलीकॉप्टर इसलिए उड़ाया क्योंकि "कार से जाने में बहुत ज्यादा समय लग जाता." अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर के सभी दस्तावेज और पायलट का लाइसेंस जांचा. जांच में पता चला कि वह पूरी तरह लाइसेंसधारी पायलट है और उसने हेलीकॉप्टर की लैंडिंग से जुड़े सभी अमेरिकी विमानन नियमों का पालन किया था. इसलिए उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई.

## विदेश में नौकरी का सपना दिखाकर लाखों की ठगी

**तीन लोगों के बैंक खातों में पहुंची रकम; जांच शुरू**

जम्मू, 8 अगस्त (एजेंसियां)। विदेश में नौकरी और वीजा दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी के मामले में क्राइम ब्रांच जम्मू की स्पेशल क्राइम विंग (एससीडब्ल्यू) ने कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मामला डोडा जिले के कुछ निवासियों की संयुक्त शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि किश्तवाड़ के दच्छन इलाके का रहने वाला बिलाल अहमद जो फिलहाल दुबई में रह रहा है, उसने दुबई में नौकरी और वीजा दिलाने का भरोसा दिया। आरोप है कि उसकी बातों पर विश्वास करके शिकायतकर्ताओं ने उसके निर्देश पर अलग-अलग बैंक खातों में बड़ी रकम जमा कराई।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ताओं से ली गई रकम यासिर अरफात, आशिक हुसैन और मोइन खान के बैंक खातों में भेजी गई थी। क्राइम ब्रांच के अनुसार, प्रथम दृष्टया इन लोगों की मुख्य आरोपी के साथ मिलीभगत की आशंका सामने आई है। एससीडब्ल्यू के प्रवक्ता ने बताया कि प्रारंभिक जांच में विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर नौकरी के इच्छुक लोगों को ठगने की एक सुनियोजित साजिश के संकेत मिले हैं। इसी आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब जांच में पैसों के लेन-देन और पूरे मनी ट्रेल को खंगाला जाएगा। साथ ही प्रत्येक आरोपी की भूमिका का पता लगाने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आगे की कार्रवाई की जाएगी। क्राइम ब्रांच ने लोगों से विदेश में नौकरी या वीजा दिलाने का दावा करने वाले व्यक्तियों और एजेंसियों से सावधान रहने की अपील की है।

## कलकत्ता हाईकोर्ट से नहीं मिली विदेश जाने की इजाजत

> अभिषेक बनर्जी पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

कोलकाता, 8 अगस्त (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति नहीं देने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने उनकी याचिका यह कहते हुए खारिज की थी कि वह एसएसकेएम अस्पताल के मेडिकल बोर्ड के सामने अपनी मेडिकल स्थिति की जांच कराने के लिए तैयार नहीं थे। अदालत का कहना था कि मेडिकल बोर्ड की विशेषज्ञ राय के आधार पर ही विदेश जाकर इलाज कराने की जरूरत का आकलन किया जा सकता है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को उनकी याचिका पर एक सप्ताह के भीतर सुनवाई करने को कहा था। यह पूरा मामला बनर्जी के खिलाफ दर्ज एफआईआर और जांच के दौरान विदेश यात्रा की अनुमति से जुड़ी शर्तों के बीच चल रहा है।

**हाईकोर्ट ने क्यों खारिज की अनुमति?**

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा था कि डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी अपनी मेडिकल स्थिति की जांच के लिए अगले दिन कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में गठित मेडिकल बोर्ड के सामने पेश होने को तैयार नहीं थे। याचिका खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने कहा, 'आवेदक (बनर्जी) की ओर से दी गई दलील को देखते हुए कि वे कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में मेडिकल बोर्ड के सामने पेश नहीं होंगे, यह कोर्ट मानती है कि इस याचिका के जरिए उठाया गया मुद्दा अब और लंबित नहीं रखा जाना चाहिए।' हाईकोर्ट ने कहा कि अगर अभिषेक बनर्जी मेडिकल बोर्ड के सामने पेश होते, तो मेडिकल विशेषज्ञों की राय के आधार पर अदालत यह जांच कर सकती थी कि उन्हें आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की वास्तव में जरूरत है या नहीं।

**सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले हाई कोर्ट से क्या कहा था?**

3 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट से कहा था कि वह आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगने वाली अभिषेक बनर्जी की याचिका पर एक सप्ताह के भीतर सुनवाई करे। उस समय बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि याचिका में हाई कोर्ट के आदेश में बदलाव की मांग की गई है, ताकि टीएमसी सांसद को मेडिकल इलाज के लिए विदेश यात्रा की अनुमति मिल सके। कलकत्ता हाईकोर्ट ने इससे पहले अभिषेक बनर्जी को जबरन कार्रवाई से मिली अंतरिम सुरक्षा 6 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी। यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले 27 अप्रैल को एक जनसभा के दौरान विरोधी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित टिप्पणियों से जुड़ा था।

## रक्षा मंत्रालय ने छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान कार्यक्रम से जुड़ने की कोशिशें शुरू कीं : संसदीय समिति

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। संसद की एक समिति ने कहा है कि रक्षा मंत्रालय ने फ्रांसीसी सरकार के नेतृत्व वाले छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकास कार्यक्रम 'फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम' (एफसीएएस) से जुड़ने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं, और उसने मंत्रालय से ऐसे विमानों को शामिल करने का रोडमैप मांगा है।

वायुसेना की क्षमता बढ़ाने पर जोर

रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति की शुक्रवार को संसद में प्रस्तुत रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि मंत्रालय आज की हवाई-केंद्रित आधुनिक लड़ाई में भारत की हवाई क्षमताओं को बढ़ाने के लिए छठी पीढ़ी के विमानों के विकास और खरीद की दिशा तय करें तथा योजना बनाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाए।

दो अंतरराष्ट्रीय समूह कर रहे काम

रिपोर्ट में कहा गया कि समिति को बताया गया है कि छठी पीढ़ी के विमान पर दो समूह (कंसोर्टियम) काम कर रहे हैं। एक समूह में ब्रिटेन, इटली और जापान शामिल हैं और दूसरे में फ्रांस और जर्मनी; दोनों ही विमान बना रहे हैं।

**आधुनिक तकनीक में पीछे न रहने की तैयारी**

समिति ने कहा कि उन्हें अवगत कराया गया है कि भारतीय वायुसेना इनमें से किसी एक समूह के साथ जुड़ने की कोशिश करेगी और छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान हासिल करने पर तुरंत विचार करेगी, ताकि यह पक्का किया जा सके कि आधुनिक विमान का लक्ष्य हासिल करने में वह पीछे न रह जाए।

**फ्रांस के एफसीएएस से जुड़ने की भारत की तैयारी**

रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्रालय ने समिति को बताया है कि उसने फ्रांसीसी सरकार के नेतृत्व में छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकास कार्यक्रम यानी 'फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम' से जुड़ने के लिए गंभीर प्रयास शुरू कर दिए हैं।

## शहजाद से शंकर और रजिया से सावित्री बने दंपती ने उठाई कांवड़, शिवरात्रि पर करेंगे जलाभिषेक

हरिद्वार, 8 अगस्त (एजेंसियां)। श्रावण मास के पावन अवसर पर आज हरिद्वार के चंडीघाट स्थित ब्रह्मकुंड से शहजाद से शंकर और रजिया से सावित्री बने दंपती ने वैदिक मंत्रोच्चार व पूरे विधि-विधान के साथ दूसरी बार कांवड़ जल उठाया। यह दंपती अपनी जन्मभूमि बहेड़ी गुर्जर में शिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए रवाना हो गया है।

कांवड़ यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व दोनों ने तीर्थाचार्य संत राम विशाल दास जी महाराज का आशीर्वाद लिया। उनके मार्गदर्शन में पंडितों ने वैदिक रीति से जल पूजन कराया गया। इस अवसर पर हितेश दास महाराज, महातार शास्त्री जी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। इसके उपरांत दोनों ने परमपूज्य बाबा हठयोगी महाराज का आशीर्वाद लिया।

संत राम विशाल दास महाराज ने कहा कि सनातन धर्म किसी पर बलपूर्वक मत परिवर्तन का समर्थन नहीं करता। जो व्यक्ति अपनी श्रद्धा, स्वतंत्र इच्छा और अपने पूर्वजों की संस्कृति के प्रति आस्था के आधार पर सनातन मार्ग अपनाता है, उसका सम्मानपूर्वक स्वागत किया जाता है। श्रावण मास में शिवभक्ति के साथ यह दंपती अपनी जन्मभूमि में जलाभिषेक करने जा रहा है, यह उनके धार्मिक संकल्प और सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रतीक है। शंकर (पूर्व नाम शहजाद) ने कहा कि सनातन धर्म में हमें पूजा, परंपरा और जीवन जीने की स्वतंत्रता व संस्कारों का अनुभव हुआ है। श्रावण मास में दूसरी बार कांवड़ जल उठाना हमारे लिए अत्यंत भावनात्मक और आध्यात्मिक अनुभव है। हमारा मानना है कि हम सबके पूर्वज इस भूमि और इसकी सनातन परंपराओं से जुड़े हुए थे, इसलिए लोगों को अपनी जड़ों को समझने और सत्य को जानने का प्रयास करना चाहिए।

## चैरिटी और शिक्षा के नाम पर बढ़े संगठन : क्या इनकी आड़ में हो रही आतंकी फंडिंग-खुफिया एजेंसियों ने क्या कहा?

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। धर्मार्थ (चैरिटी), शिक्षा, धर्म और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संगठनों की संख्या पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। भारतीय एजेंसियों ने पाया कि इनमें से सभी संगठन उस काम के लिए नहीं बनाए गए हैं, जिसका वे दावा करते हैं। असल में, इनमें से कई संगठन केवल दिखावे के लिए बनाए गए हैं। इनका इस्तेमाल गलत तरीके से हासिल किए गए पैसे को जमा करने के लिए किया जाता है। बाद में इसी पैसे का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने या देश के अलग-अलग हिस्सों में मुश्किल पैदा करने के लिए किया जाता है।

**अधिकारी ने क्या कहा?**

एक अधिकारी ने बताया कि देश के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाया रहा है। इसी वजह से ऐसे दिखावटी संगठनों की संख्या अचानक बढ़ती दिख रही है। अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान जैसे देश इसमें सबसे आगे हैं। पाकिस्तान की नीति भारत को धीरे-धीरे कमजोर करने और अलग-अलग जगहों पर परेशानी पैदा करने की रही है। अधिकारी ने बताया कि इस काम की जिम्मेदारी संभाल रहे पाकिस्तानी लोग अपने देश के संसाधनों का इस्तेमाल नहीं करते। वे विदेश में काम कर रहे अपने एजेंटों से संपर्क करते हैं। इन एजेंटों को भारत में मौजूद अपने साथियों से संपर्क करने और ऐसे दिखावटी संगठन बनाने के लिए कहा जाता है।

**पैसे का पता लगाना क्यों मुश्किल?**

खुफिया ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि ये संगठन आसानी से शक के दायरे में नहीं आते, क्योंकि वे खुले तौर पर कुछ ऐसा नहीं करते, जिससे उन पर शक हो। उन्होंने बताया कि बाद में उनकी गतिविधियों का पता लगाया जा सकता है। लेकिन असली परेशानी उनके पैसे का पता लगाने में होती है। उन्होंने बताया कि पैसा भारत में बैंकिंग व्यवस्था जैसे वैध रास्तों के जरिये लाया जाता है। अधिकारी ने बताया कि आमतौर पर रकम छोटी-छोटी होती है, क्योंकि भेजने वालों को बैंक के सामने इस लेनदेन का कारण बताना पड़ता है। उन्होंने बताया कि भारतीय बैंकों में पैसा आने के बाद उसे निकाल लिया जाता है। इसके बाद यह पैसा ऐसे संगठनों तक पहुंचाया जाता है।

**हवाला से कैसे पहुंचता है पैसा?**

उन्होंने बताया कि पैसा भारत लाने का दूसरा तरीका आज भी बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। इसे हवाला कहा जाता है। ऐसे लोग अब भी हवाला को भारत में पैसा लाने और फिर उसे इन संगठनों तक पहुंचाने का सबसे सुरक्षित तरीका मानते हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस तरीके को केरल में काफी सफलता मिली है। इन राज्यों के बड़ी संख्या में लोग खाड़ी देशों में काम करते हैं। इनमें से ज्यादातर लोग अपने परिवारों को पैसे भेजने के लिए बैंकिंग व्यवस्था के बजाय हवाला का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें यह तरीका सस्ता और सुरक्षित लगता है। अधिकारी ने बताया कि खाड़ी देशों में काम करने वाले लोगों के जरिये पैसा भारत भेजा जाता है। उन्हें एजेंट अलग से पैसा देते हैं और कहते हैं कि इसे भी अपने घर भेजे जाने वाले पैसे के साथ भारत भेज दें।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
रविवार, 9 अगस्त, 2026 3

# मेरा हैदराबाद

सुविचार: इस दुनिया में हर कोई परेशान है । तू खुदको अकेला मत समझ।

# CLASSIFIEDS

## CHANGE OF NAME

I, VIDYAVATHI U DIXIT, D/o. Late R U DIXIT, R/o. H.No. 2-72, Sai Dham, Pet Basheerabad, Qutubullapur Mandal, Medchal Malkajgiri Dist-500055, T.G., I, Lost my (Original Sale Deed Documents Nos. 802/1995, dt. 31-03-1995 at Registered SRO Saroornagar and Mortgage Deed Doc.No. 1117/1995, Dt. 21-08-1995, and Reconveyance Deed Doc.No. 6167/2013 Dt.18-10-2013), while travelling from Old Alwal to my home, on 10-06-2026. if anybody found Pls Call: 9985846112, 9849312764.

I, JC 780022W, Sub, Latpate Antram Vinayak, R/o, Dist: Parbhani, Maharashtra, changed my Father's name from Shri Vinayak to Vinayak Dhondiba Latpate, vide Affidavit No. 995041 dt. 07.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14672097A, NK, D Saravanan, R/o, Dist: Vellore, Tamil Nadu, changed my Mother's name from D Thulsimani to Thulasimani D, vide Affidavit No. 995035 dt. 07.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14672097A, NK, D Saravanan, R/o, Dist: Vellore, Tamil Nadu, changed my Father's name from M Dhanus Kodi to Dhanushkodi M , vide Affidavit No. 995037 dt. 07.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14684182P, CFN, Sarath Mohan KM, R/o, Dist: Alappuzha, Kerala, changed my Mother's name from Sarada Mani to Sharadha Mohan, vide Affidavit No. 995033 dt. 07.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Sudesh Deavi, Mother of No 14682898P, Hav, Shrikant, R/o, Vill: Jagdai, Dist: Saharanpur, Uttar Pradesh, changed my name from Sudesh Deavi to Sudesh , vide Affidavit No.995002 dt. 06.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, M Deepa, W/o, No. 14673352N, NK, Yokesh Kumar R, R/o, H.No. 16/34, Vill& PO: Pennathur, Dist: Vellore, Tamil Nadu, changed my name from M Deepa to Y Deepa , vide Affidavit No. 468000 dt.06.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

## PLOT FOR SALE

Plot for sale Bhagyalaxmi colony, Pipeline road suchitra 300 Sqyd. (40 feet road) commercial Plot, 2 sides road, near Aimatha temple, No broker excuse. Contact: 9848121504

**सावधान**

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

## क्याम मल्लेश से मिले हरीश राव

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता क्याम मल्लेश के हाल ही में अस्वस्थ होने और सर्जरी के बाद पूर्व मंत्री एवं बीआरएस के डिप्टी फ्लो2र्ि लीडर हरीश राव ने विधायक सुधीर रेड्डी के साथ शनिवार को हैदराबाद स्थित उनके आवास पर पहुंचकर स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान हरीश राव ने मल्लेश से उनके स्वास्थ्य के बारे में विस्तार से जानकारी ली और उनके शीघ्र पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि क्याम मल्लेश जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ होकर फिर से जनता के बीच सक्रिय होंगे।

# CLASSIFIEDS

## CHANGE OF NAME

I, SUNITA YADAV is legally wedded Spouse of Service No-JC- 877662K Rank-Nb Sub Name-Ramji Yadav, residing at Vill -Katayan Lahang, PO-Rajapur katayan Dist-Ghazipur, State- UP, PIN- 233230. I have changed my name from *SUNITA YADAV* to *SUNITA KUMARI* Date of Birth is *15/01/1983* add in my husband service documents before 1.Spl Judicial Magistrate Medchal-Malkajgiri -Dist vide Affidavit dated 07 Aug 2026.

**सावधान**

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

**वर चाहिए**

राजस्थानी लड़की, जन्म वर्ष 2003 5'4" गोरी एवं खूबसूरत सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित परिवार से हैं। हैदराबाद में रहने वाला परिवार अपनी बेटी के लिए उपयुक्त एवं योग्य वर की तलाश कर रहा है। (080-69070605)

**वधू चाहिए**

हिंदू लड़का, जन्म वर्ष 1995, 5'11" MBBS, MS | डॉक्टर, हैदराबाद निवासी, सुशिक्षित एवं प्रतिष्ठित परिवार से हैं। परिवार अपने बेटे के लिए उपयुक्त एवं योग्य वधू की तलाश कर रहा है। (080-69070605)

**वर चाहिए**

जैन लड़की, जन्म वर्ष 2003 | कद 5'5" श्वेतांबर | बहुत गोरी एवं खूबसूरत परिवार अपनी बेटी के लिए उपयुक्त एवं योग्य वर की तलाश कर रहा है। (080-69070605)

**वधू चाहिए**

राजपूत लड़का, जन्म वर्ष 1996 | 6 फीट M.Tech | सीनियर इंजीनियर | 90 लाख वार्षिक पैकेज हैदराबाद निवासी, सुशिक्षित एवं प्रतिष्ठित परिवार से हैं। परिवार अपने बेटे के लिए उपयुक्त एवं योग्य वधू की तलाश कर रहा है। (080-69129299) M

# पुनर्वास के लिए 5,000 हजार करोड़ रुपये की प्राथमिकता निधि : उत्तम

## मंत्री ने सिंचाई परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना भर में सिंचाई परियोजनाओं से संबंधित भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आर एंड आर) कार्यों के लिए प्राथमिकता के आधार पर 5,000 करोड़ रुपये का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि इसमें से लगभग 2,000 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं, जबकि शेष 3,000 करोड़ रुपये प्रक्रियाधीन हैं, और यह स्पष्ट किया कि धन की कमी को उन सिंचाई परियोजनाओं में देरी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी जो अन्यथा पूर्ण होने के करीब हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को सचिवालय में करीमनगर, जगतियाल, पेद्दापल्ली और राजन्ना सिरसिल्ला जिलों में सिंचाई परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टरों और सिंचाई अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्निर्माण, वन मंजूरी और पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और लंबित मुद्दों को युद्धस्तर पर हल करने का निर्देश दिया। कृषि मंत्री और जिला प्रभारी मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव, सूचना एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और समाज कल्याण एवं जनजातीय कल्याण मंत्री अडलुरी लक्ष्मण कुमार ने निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा में भाग लिया। मंत्री ने कलेक्टरों को वित्तीय आवश्यकताओं को जुटाने और आवश्यक टोकन प्राप्त करने में तत्काल देरी न करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि भूस्वामियों को मुआवजा और परियोजना से प्रभावित परिवारों का पुनर्वास, जहां भी संभव हो, इंजीनियरिंग कार्यों के साथ-साथ किया जाना चाहिए। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सिंचाई परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दे रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रमुख परियोजनाओं में पहले से किए गए निवेश किसानों के लिए सिंचाई के लाभ में शीघ्रता से परिवर्तित हो सकें।समीक्षा का मुख्य केंद्र बिंदु मिड मनैर लेफ्ट नहर था, जहां लगभग साढ़े चार वर्षों से काम रुका हुआ है। उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को भूमि संबंधी मुद्दों को तुरंत हल करने और शेष कार्यों को पुनः आरंभ करने का निर्देश दिया।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संशोधित अनुमान, भूमि अधिग्रहण, निविदाएं और वैधानिक स्वीकृतियां एक साथ की जानी चाहिए।मंत्री ने अधिकारियों को पेद्दापल्ली जिले के धर्माराम मंडल के पथिपका में श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी जलाशय को तेजी से पूरा करने का भी निर्देश दिया। यह योजना 10,000 एकड़ नई सिंचाई क्षमता बनाने और काकतीय मुख्य नहर के डी-83 से डी-94 के तहत 2.40 लाख एकड़ को स्थिर करने के लिए प्रस्तावित है, जिसमें धर्मपुरी, चोप्पादंडी, पेद्दापल्ली, रामागुंडम और मंथनी निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। मंत्री ने अधिकारियों को लंबित भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन, वन और पर्यावरण संबंधी मंजूरी के मुद्दों की परियोजनावार सूची तैयार करने का निर्देश दिया, जिसमें आवश्यक धनराशि, वर्तमान स्थिति और समाधान की समय सीमा स्पष्ट रूप से दर्शायी गई हो। उन्होंने कहा कि समीक्षा के दौरान निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए प्रत्येक मुद्दे को एक विशिष्ट कार्य बिंदु में परिवर्तित किया जाना चाहिए और की गई कार्रवाई की रिपोर्ट अगली समीक्षा के समक्ष रखी जानी चाहिए। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, जहां कहीं भी भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन या वन संबंधी मुद्दों के कारण सिंचाई परियोजना में रुकावट आ रही है, वहां तुरंत प्रस्ताव भेजें। निधि को प्राथमिकता दी जाएगी। हमारा उद्देश्य परियोजनाओं को पूरा करना और लक्षित क्षेत्र में बिना किसी देरी के पानी पहुंचाना है।

## ताड़ी दुकानों के नमूने परीक्षण के लिए भेजा गया

मदनूर, 8 अगस्त ( स्वतंत्र वार्ता )। उत्पाद शुल्क विभाग के जिला अधिकारी द्वारा आयोजित (ईएस) मुकुंदा रेड्डी के आदेशों के अनुसार एक विशेष अभियान चलाया गया। आबकारी विभाग के सहायक अधिकारी नागेश ने बताया कि मंडल में ताड़ी की दुकानें, ढाबा होटल आदि की जांच की गई। अधिकारियों ने चावल मिल के गोदामों का निरीक्षण किया ताड़ी की दुकानों में ताड़ी के नमूने एकत्र किए गए और परीक्षण के लिए भेजे गए।

उन्होंने खुलासा किया कि ढाबा होटलों में नियमों के विरुद्ध शराब बेचने की भी छानबीन की गई। साथ ही, चावल मिलें गोदामों का निरीक्षण कर नशीले पदार्थों की तलाशी की। संबंधित सामान या अन्य संदिग्ध पदार्थ संग्रहीत किये गये। महाराष्ट्र-तेलंगाना सीमा पर अन्य राज्यों से उत्पाद शुल्क चेक पोस्ट पर तेलंगाना में प्रवेश करने वाले वाहनों की पूरी तरह से जांच की । अवैध शराब और नशीले पदार्थ बेचने वालों पर कड़ी करने की उन्होंने चेतावनी दी है।

## फ़र्ज़ी बर्थ सर्टिफ़िकेट मामले में पंचायत सेक्रेटरी सस्पेंड

कुमराम भीम आसिफ़ाबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को कलेक्टर के. हरिथा ने सिरपुर (टी) मंडल केंद्र पर फ़र्ज़ी बर्थ सर्टिफ़िकेट जारी करने के मामले में एक पंचायत सेक्रेटरी को सस्पेंड कर दिया और एक कंप्यूटर ऑपरेटर को नौकरी से निकाल दिया।

सेक्रेटरी शैनी थिरुपति को पोन्ना श्रीनिधि के जन्म को जन्म-मृत्यु रिकॉर्ड करने वाले यूनिफाइड पोर्टल पर दर्ज करने में लापरवाही बरतने और नियमों का उल्लंघन करने के कारण सस्पेंड किया गया। कंप्यूटर ऑपरेटर नीलेश को जन्म दर्ज करने में अपनी भूमिका के कारण नौकरी से हटा दिया गया।

थिरुपति और नीलेश ने नियमों का उल्लंघन करते हुए श्रीनिधि का नाम जन्म रजिस्टर में दर्ज न होने के बावजूद पोर्टल पर उसका जन्म दर्ज कर दिया। सेक्रेटरी और ऑपरेटर की गड़बड़ियों की जांच की गई। इसके बाद, अधिकारियों द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर दोनों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की गई।

## नकली सर्टिफिकेट लगाने वाले लेक्चर्स की शामत, कई नौकरी से निकाले गए

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में इंटरमीडिएट शिक्षा पर नकली सर्टिफिकेट का मामला सामने आया है। जहां कुछ प्राइवेट जूनियर कॉलेजों द्वारा एफिलिएशन (मान्यता) पाने के लिए जमा किए गए नकली 'फायर नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' ने हलचल मचा दी थी, वहीं अब इंटरमीडिएट शिक्षा विभाग ने 2023 में नौकरी पक्की कराने के लिए 37 सरकारी जूनियर लेक्चरर द्वारा जमा किए गए नकली एजुकेशनल सर्टिफिकेट का पता लगाया है।

एक नई वेरिफिकेशन प्रक्रिया के तहत, विभाग ने लगभग 360 सरकारी जूनियर लेक्चरर के सर्टिफिकेट की दोबारा जांच की, जिन्हें पहले कॉन्ट्रैक्ट सर्विस से रेगुलराइज़ किया गया था। इसके अनुसार, संबंधित यूनिवर्सिटी से सर्टिफिकेट की असलियत के बारे में जानकारी मांगी गई थी।

विभाग को मिली जानकारी के अनुसार, जूनियर लेक्चरर ने पोस्ट-ग्रेजुएट या बीटेक सर्टिफिकेट जमा किए थे, जो संबंधित यूनिवर्सिटी द्वारा जारी नहीं किए गए थे। इसके बाद विभाग ने हाल ही में 'शो-कॉज़ नोटिस' जारी किए। जूनियर लेक्चरर को निर्देश दिया गया कि वे सात दिनों के भीतर 'शो-कॉज़ नोटिस' का जवाब दें कि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए, साथ ही भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत धोखाधड़ी और जालसाजी का आपराधिक मामला क्यों न दर्ज किया जाए।

खाली पदों को देखते हुए, विभाग ने अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य में कांग्रेस और टीडीपी सरकारों के दौरान कॉन्ट्रैक्ट लेक्चरर नियुक्त किए थे। बाद में, पिछली बीआरएस सरकार ने कॉन्ट्रैक्ट जूनियर लेक्चरर की सर्विस को रेगुलराइज़ कर दिया था। हालांकि, ऐसी शिकायतें थीं कि कई कॉन्ट्रैक्ट जूनियर लेक्चरर ने नौकरी पक्की कराने के लिए नकली सर्टिफिकेट जमा किए थे, जिसके कारण विभाग को कई बार सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन करना पड़ा।

## ज्वेलरी वर्कशॉप में बकाया पैसे को लेकर वर्कर पर हमला

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के जनरल बाज़ार में सोने के गहने बनाने वाली एक वर्कशॉप में एक वर्कर पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल व्यक्ति की पहचान श्रीनिवास चारी के तौर पर हुई है, जो राजन्ना-सिरसिल्ला का रहने वाला है और जनरल बाज़ार में सोने की दुकान से जुड़ी ज्वेलरी बनाने वाली वर्कशॉप में काम करता था। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को श्रीनिवास चारी और दुकान के मालिक राजू के बीच वर्कर के बकाया पैसे को लेकर बहस हुई।

बताया जा रहा है कि बहस बढ़ गई, जिसके बाद राजू ने श्रीनिवास चारी के सिर पर धारदार चीज़ से हमला कर दिया। उसे गहरी चोट आई और बहुत ज़्यादा खून बहने लगा। स्थानीय लोग उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले गए। महांकाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

# भाजपा ने बेरोजगार युवाओं के खिलाफ पुलिस बल के इस्तेमाल की निंदा की

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना राज्य भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने आज आरोप लगाया कि राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' पूरी तरह से प्रदर्शित हो रही है और सरूरनगर इंडोर स्टेडियम से परेशान करने वाले दृश्य सामने आए हैं, जहां पुलिस को हैदराबाद राज्य प्रशासन में भर्ती के लिए इकट्ठा हुए युवा उम्मीदवारों को पीटते हुए देखा गया।

राव ने यहां एक बयान में कहा कि बेरोजगार युवाओं को तितर-बितर करने के लिए पुलिस बल का प्रयोग करना बेहद दुखद और निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली के युवाओं के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाती है, लेकिन तेलंगाना में उसकी सरकार ने निर्दोष बेरोजगारों पर पुलिस का इस्तेमाल किया और युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने से पहले कांग्रेस ने रोजगार योजना, बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर, बेरोजगारी भत्ता और युवाओं के लिए व्यापक समर्थन के बड़े-बड़े आश्वासन दिए थे।

लेकिन ढाई साल बीत जाने के बाद भी तेलंगाना के युवा इन वादों के अमल का इंतजार कर रहे हैं। वादा किया गया 4,000 रुपये का मासिक बेरोजगारी भत्ता एक सपना बनकर रह गया है, प्रस्तावित युवा आयोग ने कोई काम नहीं किया है, युवाओं को 10 लाख रुपये की ब्याज मुक्त वित्तीय सहायता का आश्वासन भी पूरा नहीं हुआ है। वादा की गई रोजगार योजना और रोजगार के अवसर कांग्रेस द्वारा खुद पैदा की गई उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना के युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। सरूरनगर में जो दृश्य देखने को मिले, वे टूटे वादों, विफल रोजगार नीतियों और उस सरकार का परिणाम हैं जो उन युवाओं को ही भूल चुकी है जिनकी आकांक्षाओं का शोषण करके वह सत्ता में आई थी।

## टांडूर में छह महिलाओं ने ज्वैलरी की दुकान से 10-तोले की सोने की चेन चुराई

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को विकाराबाद ज़िले के टांडूर में छह महिलाओं के एक समूह ने ज्वैलरी की दुकान पर सेल्स स्टाफ का ध्यान भटकाया और लगभग 10-तोले वज़न की सोने की चेन चुरा ली।

पुलिस के अनुसार, छह में से चार महिलाओं ने बुर्का पहना हुआ था। जहाँ तीन महिलाओं ने सेल्स स्टाफ को बातचीत में उलझाकर व्यस्त रखा, वहीं एक अन्य महिला ने कथित तौर पर इस मौके का फ़ायदा उठाकर सोने की चेन चुरा ली। बाद में यह समूह दुकान से भाग गया।

यह चोरी शाम को ज्वैलरी स्टॉक की ऑडिट के दौरान सामने आई, जब मैनेजमेंट को पता चला कि एक सोने की चेन गायब है। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर उन्हें वे महिलाएँ चेन चुराती हुई दिखाई दीं। सूचना मिलने पर टांडूर पुलिस मौके पर पहुँची और जांच शुरू की। पुलिस संदिग्धों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए फुटेज की जांच कर रही है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

## केटीआर को संयुक्त अरब अमीरात में बतुकम्मा उत्सव में भाग लेने के लिए निमंत्रण मिला

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव को अमीरात तेलंगाना सांस्कृतिक और कल्याण संघ (ईटीसीए-यूएई) से संयुक्त अरब अमीरात में उनके बाथुकम्मा समारोह में मुख्य अतिथि बनने का निमंत्रण मिला है। ये समारोह 11 अक्टूबर, 2026 को दुबई के अल अहली स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होने वाले हैं। ईटीसीए के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को नंदी नगर स्थित केटी रामाराव के आवास पर उन्हें औपचारिक रूप से निमंत्रण दिया और उन्होंने कार्यक्रम के पोस्टर के अनावरण में भी भाग लिया। ईटीसीए के प्रतिनिधियों ने केटीआर को बताया कि वे पिछले 16 वर्षों से यूएई में बड़े पैमाने पर बतुकम्मा उत्सव का आयोजन कर रहे हैं, जिसमें तेलंगाना की विरासत और परंपराओं को उजागर करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम लगातार शामिल किए जाते हैं। अपनी बातचीत के दौरान, केटी रामाराव ने खाड़ी देशों में रहने वाले तेलंगाना के कामगारों के कल्याण और रोजगार की स्थितियों में रुचि व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से उनकी जीवन स्थितियों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी मांगी।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने विदेश में रहते हुए तेलंगाना की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने के प्रति ईटीसीए प्रतिनिधियों के समर्पण की सराहना की और वैश्विक स्तर पर राज्य की विरासत को बढ़ावा देने में प्रवासी संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने कठिन समय में खाड़ी देशों में काम करने वाले श्रमिकों को समर्थन देने और मुश्किलों का सामना कर रहे तेलंगाना के मूल निवासियों की सहायता करने के लिए ईटीसीए की प्रशंसा भी की। केटी रामाराव ने खाड़ी देशों में काम कर रहे तेलंगाना के श्रमिकों की चिंताओं को दूर करने में पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

**AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.**
RIKAB GUNJ, HYDERABAD
2nd & 3rd Floor, D.No. 21-1-974, Opp. to High Court, Ghansi Bazar, Hyderabad-500 002. E-mail : ceo@agrohabank.com

**Special Notice to members : of Agroha Co-operative Urban Bank Ltd**
**Special Notice of Extra-ordinary General Body Meeting :**

The special notice is hereby given to the members, that - Extra ordinary special General body meeting of the members of Agroha co-operative Urban Bank Limited (T.A. No 1473) will be held on 30.08.2026, Sunday at 11.25 A.M. at Hotel Royalton, Chirag Ali lane, Abids, to pass the following Special Resolutions :

1. To consider, and approve, the board resolution passed unanimously by board of directors in their meeting no. 290 agenda 22 held on 24.07.2026 for considering amalgamation of Agroha co-operative Urban Bank Ltd Ghansi bazar, Hyderabad with Agrasen co-operative Urban Bank Ltd , siddiamber bazar, Hyderabad in terms of RBI/DoR/2025-26/270 DoR.HOL.REC.189/16-13-100/2025-26 November 28, 2025 Reserve Bank of India (Urban Co-operative Banks - Voluntary Amalgamation) Directions, 2025
2. To consider transfer of All its assets and liabilities in whole to Agrasen Co-op. Bank in terms Section 44A and Section 35 A of Banking Regulation Act 1949 as amended vide Banking Regulation (Amendment)Act 2020(39 of 2020), read with section 56 of Banking Regulation Act 1949, and as per provisions of section 12 of T.S.C.S. Act 1964 -shareholders are required to pass the resolution by two -thirds in number and value present in the meeting called for this purpose
3. To Authorize the Chairman of the Board of Directors / CEO of the Bank to submit the scheme of Amalgamation for Approval to RBI and Registrar of Co-operative Societies, Govt of Telangana.
4. To Authorize Directors, Chairman, CEO to implement the scheme of Amalgamation as approved by RBI
5. To Discuss and approve the Swap Ratio for shares of Agroha Bank to Agrasen Bank as 1:1 offered by Agesen Bank.
6. To discuss and approve -In terms of section 44 A(3) dissenting members shall be required to claim within three months from date of sanction the value of the shares held by them as per the scheme as Approved By RBI.
7. To take note - of assurance and undertaking given By Agrasen Bank to all the depositors that the Interest of Depositors shall be fully protected.
8. To take note - of assurance and undertaking given By Agrasen Bank to all the Creditors of Agroha Bank that , the Interest of creditors shall be fully protected and their dues shall be immediately cleared as and due.
9. To approve the appointment of Statutory Auditors for conducting Audit of Balance sheet and Profit and Loss account.
10. Any other subject that may be placed before the General Body Meeting with relation to process of Amalgamation - with consent of Chairman.

Date : 08.08.2026
Place : Hyderabad
(By order of the Board of Directors)
Sd./- **Mahesh Kumar Kedia**
Chairman

**AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.**
RIKAB GUNJ, HYDERABAD
2nd & 3rd Floor, D.No. 21-1-974, Opp. to High Court, Ghansi Bazar, Hyderabad-500 002. E-mail : ceo@agrohabank.com

**ANNUAL GENERAL - BODY MEETING FOR 2025-2026**

Notice is hereby given to the members that the 27th Annual General-Body Meeting of the AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LIMITED, (T.A. No.1473) will be held on 30.08.2026, Sunday at 12:30 P.M. at Hotel Royalton, Chirag Ali lane, Abids, Hyderabad to transact the following business :

AGENDA :
1. To consider the 27th Annual Report together with the Audited Statements of Accounts and Audit Report of the Bank for the year 2025-26
2. To appropriate the profits of the Bank for the year ended 31st March 2026 & Declare Dividend for the Financial Year ended 31st March 2026
3. To ratify the expenditure incurred during the year 2025-2026
4. To ratify the admission of members
5. To note and confirm the investment of funds made by the Chairman and Chief Executive Officer up to 31.03.2026
6. To approve the budget for the year 2026-2027
7. Any other subject that may be placed before the General Body Meeting with the consent of the Chair

Date : 08.08.2026
Place : Hyderabad
(By order of the Board of Directors)
Sd./- **Mahesh Kumar Kedia**, Chairman

(1) Shareholders are requested to bring their ID Proofs, for the admission to the meeting is for the shareholders.
(2) Members are requested to submit their updated KYC & their Bank Account details.
(3) The members are requested to claim their unclaimed dividend within three years of declaration of dividend.

Khadi India

## आवेदन आमंत्रण सूचना

'ग्रामोद्योग विकास योजना (जीवीवाई)' , एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार की एक योजना है , जिसका उद्देश्य ग्रामीण उद्योगों में ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण और टूल किट प्रदान करके स्वरोजगार को बढ़ावा देना है।

तेलंगाना राज्य के योग्य उम्मीदवारों से वर्ष 2026-27 के दौरान निम्नलिखित ग्राम उद्योग व्यवसायों में GVY के तहत लाभ उठाने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

| क्रम संख्या | ग्राम उद्योग क्षेत्र | प्रशिक्षुओं की संख्या | अवधि (दिन) |
|---|---|---|---|
| 1. | स्वचालित अगरबत्ती | 10 | 10 |
| 2. | चर्म उत्पाद | 20 | 25 |
| 3. | जूते की मरम्मत (टूल बॉक्स की मरम्मत) | 100 | 01 |
| 4. | इलेक्ट्रिक कुम्हार का चाक | 240 | 10 |
| 5. | टर्न वुड क्राफ्ट | 20 | 20 |
| 6. | पेपर प्लेट्स और डोना बनाना | 40 | 06 |
| 7. | कागज रूपांतरण | 20 | 06 |
| 8. | गांव में तेल प्रसंस्करण | 40 | 05 |
| 9. | मसाले और मसालों | 40 | 05 |
| 10. | मोबाइल रिपेयरिंग | 20 | 15 |
| 11. | एसी की मरम्मत | 20 | 15 |
| 12. | सिलाई मशीन संचालन | 160 | 15 |

नोट : मशीनों, टूल्स और इक्विपमेंट की कीमत में बेनिफिशियरी का योगदान SC/ST के लिए 10%, जनरल कैटेगरी के लिए 20% और BPL कैटेगरी के लिए शून्य होगा।

पात्रता :
- आवेदक की उम्र 18 से 55 साल के बीच होनी चाहिए।
- आवेदक ने पहले किसी सरकारी ट्रेनिंग, रोज़गार या सेल्फ़-एम्प्लॉयमेंट स्कीम के तहत इसी तरह के मकसद के लिए फ़ायदा नहीं उठाया हो।
- हर परिवार का सिर्फ़ एक सदस्य ही एलिजिबल है।
- SC/ST कैंडिडेट, महिलाओं, बेरोज़गार युवाओं, BPL कैटेगरी के बेनिफिशियरी वगैरह को, और रिहैबिलिटेटेड/रीसेटल्ड सरेंडर किए हुए नक्सली/एक्सट्रीमिस्ट/ मिलिटेंट, डिफेंस और पैरामिलिट्री फोर्स की विधवाओं, और मिलिटेंसी से प्रभावित परिवारों वगैरह को प्राथमिकता दी जाएगी।

इच्छुक लोग अपना नाम, पता, उम्र, पते का सबूत, आधार नंबर, कॉन्टैक्ट नंबर, एजुकेशनल क्वालिफिकेशन और अनुभव (अगर कोई हो) के साथ दो हाल की पासपोर्ट साइज़ फ़ोटो देकर अपनी एप्लीकेशन जमा कर सकते हैं। और संबंधित सहायक दस्तावेजों की प्रतियाँ, नीचे दिए गए पते पर **31.08.2026 को या उससे पहले भेजें** ।

ग्रामोद्योग का तय एप्लीकेशन फॉर्म और डिटेल्ड गाइडलाइन्स विकास योजना (GVY) की ऑफिशियल वेबसाइट से डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैं। खादी और ग्रामोद्योग आयोग **www.kvic.gov.in** पर।

स्थान : हैदराबाद
दिनांक : 09-08-2026
हस्ता./-
राज्य निदेशक

**खादी और ग्रामोद्योग आयोग**
(सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार)
राज्य कार्यालय, तेलंगाना
ब्लॉक-ए, एनआई-एमएसएमई परिसर, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500045
फोन नंबर : 040-24608464, ई-मेल : sotelangana.kvic@gov.in

# सीएम योगी बोले–4.5 करोड़ कांवड़िए करेंगे जलाभिषेक

## सामाजिक एकता की मिसाल हैं शिवभक्त

मेरठ, 8 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मेरठ पहुंचे। यहां उन्होंने कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्त कांवड़ियों पर गुलाब के फूलों की पंखुड़ियां बरसाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन के महीने में पवित्र कांवड़ यात्रा चल रही है और भगवान शिव के भक्त हरिद्वार की हर की पौड़ी से पवित्र जल लेकर अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं।

सावन शिवरात्रि तक 4 से 4.5 करोड़ कांवड़ियों का अनुमान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सावन शिवरात्रि तक करीब 4 से 4.5 करोड़ भक्त हरिद्वार से पवित्र जल लेकर अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंचेंगे और शिव मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह कांवड़ यात्रा की व्यापकता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से सभी कांवड़ियों का स्वागत और अभिनंदन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता बताया।

जाति-प्रांत से ऊपर उठकर एकता का संदेश दे रहे कांवड़िए

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़िए अपनी भक्ति के साथ सामाजिक एकता, सामाजिक समानता और राष्ट्रीय अखंडता की मिसाल भी पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जाति, प्रांत और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर शिवभक्त इस यात्रा में शामिल हो रहे हैं और उनकी हर सांस भगवान शिव को समर्पित है।

# तेजप्रताप बोले–घर से अलग रहने पर तकलीफ होती है

**पिता को याद कर भावुक दिखे, पैतृक गांव फुलवरिया में साइकिल चलाई, गाय का दूध निकाला**

पटना, 8 अगस्त (एजेंसियां)। गोपालगंज के फुलवारिया में तेजप्रताप यादव साइकिल चलाते नजर आए। गन्ना का जूस निकाला और गाय का दूध भी। अपने पैतृक गांव में तेजप्रताप थोड़े भावुक भी दिखे, जब उनसे घर से अलग रहने को लेकर सवाल हुआ।

उन्होंने कहा, जब विधाता ने यही लिखा है तो यही सही। वहीं लालू यादव की तरह दिखने की बात पर उन्होंने खुशी से कहा, ये तो अच्छी बात है। हर बेटा अपने पिता की तरह ही दिखना और बनना चाहता है।

दरअसल, भोजपुरी रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' का नया प्रोमो आया है। इसमें राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव गांव की गलियों में देसी अंदाज में बैठे दिख रहे हैं। वहीं, दूसरे प्रोमो में भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी और आम्रपाली दुबे के बीच तकरार दिख रही है। दोनों एक दूसरे पर आरोप लगाती नजर आईं।

**गाय का दूध और गन्ने का जूस निकाला**

प्रोमो में तेज प्रताप यादव अपने गांव फुलवरिया पहुंचते हैं। उनका स्वागत करने के लिए भीड़ जुट लग जाती है। तेज प्रताप कहते हैं, 'यहां जलवा है हमारा।'

फिर वह गांव में साइकिल चलाते हैं और गाय का दूध निकालते दिखाई देते हैं। इसके बाद वह पान खाते हैं और फिर खुद से गन्ने का जूस निकाल कर पीते हैं। दूसरे प्रोमो में तेज प्रताप यादव इमोशनल हो जाते हैं। वह कहते हैं कि हर बेटा चाहता है कि अपने पिता की तरह आगे बढ़े, नाम कमाए।

**काजल-आम्रपाली के बीच तकरार**

शो के दूसरे प्रोमो में भोजपुरी इंडस्ट्री की दो अभिनेत्री काजल राघवानी और आम्रपाली दुबे के बीच विवाद दिखाई देता है। काजल जिम में वर्कआउट के दौरान रानी चटर्जी को अपना दुख सुना रही हैं।

वह कहती हैं कि आम्रपाली मुझे बोला एक गाना है, आपका और दिनेश जी का। वो मेरे ऊपर फिल्माया जा रहा था। बाद में पता चला कि गाना उसके ऊपर शिफ्ट हो गया।

# केशव मौर्य का राहुल गांधी पर तीखा हमला

## बोले- 'वे मोहब्बत की दुकान से नफरत की राजनीति लेकर आ रहे प्रयागराज'

लखनऊ, 8 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रयागराज दौरे को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' पर तंज कसते हुए कहा कि वह 'नफरत फैलाने' की राजनीति लेकर प्रयागराज आए हैं। मौर्य ने राहुल गांधी को आनंद भवन और उसके आसपास का दौरा करने की सलाह देते हुए कहा कि इससे उन्हें अपने परिवार की ओर से प्रयागराज की कथित उपेक्षा का एहसास होगा।

केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, बचकानी राजनीति के प्रतीक बन चुके राहुल गांधी अपनी कथित 'मोहब्बत की दुकान' से 'नफरत फैलाने' की राजनीति लेकर आज प्रयागराज आए हैं। मौका मिले तो स्थल ही नहीं, बल्कि आनंद भवन और उसके आसपास भी घूम लीजिए। आपको खुद एहसास होगा कि आपके परिवार ने अपना घर होने के बावजूद प्रयागराज को सालों तक 'उपेक्षित' छोड़ रखा था।

मौर्य ने 'एक्स' पोस्ट में आगे लिखा, प्रयागराज आज भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यहां अब केवल छात्रों की आवाज ही नहीं, बल्कि विकास की गूंज भी सुनाई देती है राहुल गांधी पर हमला जारी रखते हुए उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा आपकी आस्था-अनास्था पर सवाल करना ठीक नहीं है, लेकिन अगर समय मिले तो पवित्र संगम और पुण्य धाम श्रृंगवेरपुर के भी दर्शन जरूर कीजिएगा। हो सकता है कि तब आप भी डबल इंजन सरकार के 'विरासत के साथ विकास' के संकल्प और उसके परिणामों को बेहिचक स्वीकार कर लें।

# यूपी में एक और पति का कत्ल

**दूध में नशा, फिर मार डाला, जंगल में दफना दी लाश; दिल्ली जाने की गढ़ दी झूठी कहानी**

पीलीभीत,8 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के मथुरा में एक और पति की हत्या कर दी गई। मथुरा के थाना गोविंद नगर के जयसिंहपुरा इलाके में महिला के अपनी बेटी और उसके प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। पति ने अपनी बेटी को उसके प्रेमी के साथ देख लिया था और इस पर विरोध जताया था।

यह आरोप लगाते हुए महिला के जेठ ने प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसके आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। साथ ही शव की तलाश में पुलिस ने अक्रूर जंगल और घाट पर सर्च ऑपरेशन चलाया। घर की भी तलाशी ली गई, लेकिन शव नहीं मिला। जयसिंहपुरा के राधा कृष्ण वाटिका निवासी रामबाबू ने बताया है कि उनके सबसे छोटे भाई मनोज सोनी (42) 18 अप्रैल की रात को पत्नी से विवाद के बाद लापता हो गए। उनकी पत्नी नैना ने 21 अप्रैल को गोविंद नगर थाने में गुमशुदगी का प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन अगले ही दिन उसे वापस ले लिया।

इसके बाद रामबाबू ने 9 मई को थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई और पुलिस से तलाश करने की मांग की, लेकिन कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। इस दौरान सात जून को नैना घर में ताला लगाकर छोटी बेटी को साथ लेकर चली गई। घर में ताला लटका देख परिजन ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई। साथ ही मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

एसएसपी के आदेश पर 11 जुलाई को थाना गोविंद नगर पुलिस ने मनोज की गुमशुदगी दर्ज कर उनकी पत्नी व बेटी की तलाश शुरू की। रामबाबू ने बताया है कि एक सप्ताह पहले गोविंद नगर पुलिस मां-बेटी को मथुरा लेकर आई और पूछताछ की। पूछताछ के बाद नैना अपने मायके चली गई। यहां पिता के पूछने पर नैना ने सारे राज खोल दिए। आरोप है कि नैना ने पिता से कहा कि छोटी बेटी और उसके प्रेमी ने पति मनोज को दूध में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। इससे वह बेहोश हो गए और फिर सिर में पत्थर मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद शव अक्रूर के जंगल में दफना दिया है। मनोज ने बेटी और उसके प्रेमी को एक साथ देख लिया था। उसने इसका पुरजोर विरोध किया था। इसलिए वारदात को अंजाम दिया है। पिता ने यह जानकारी पुलिस व रामबाबू को दी।

इसके बाद पुलिस ने उसी कॉलोनी में रहने वाले बेटी के प्रेमी डिलिवरी ब्वॉय विमल चौधरी को हिरासत में लिया और पूछताछ की। प्रेमी की निशानदेही पर पुलिस ने बृहस्पतिवार रात को जेसीबी मशीन से अक्रूर के जंगल में शव की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। शुक्रवार को भी पुलिस ने अक्रूर के जंगल, घाट और घर में तलाश की, लेकिन शव का कहीं सुराग नहीं लगा। फिलहाल पुलिस तीनों से पूछताछ कर शव की तलाश में जुटी है।

# श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर नौ अगस्त से कारसेवा

## अभी-अभी आया नया अपडेट, पहुंचने लगे साधु-संत; पुलिस हुई अलर्ट

मथुरा ,8 अगस्त (एजेंसियां)। मथुरा के राधाकुंड क्षेत्र के जुल्हेंदी स्थित चित्रगुप्त पीठ में 9 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर कारसेवा का शंखनाद होगा। इसकी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। देशभर के साधु-संतों का आगमन अभी से शुरू हो गया है। इस आयोजन में 13 अखाड़ों से महंतों के शामिल होने का दावा किया जा रहा है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण के इरादे से मंगाए गए गुलाबी पत्थरों की पहली खेप शुक्रवार की देर रात पहुंच गई। ये पत्थर भरतपुर स्थित बंसीपहाड़पुर से मंगाए गए हैं। इन्हीं पत्थरों से अयोध्या में श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है। चित्रगुप्त पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने ये पत्थर मंगवाए हैं। अब रविवार को शंखनाद के पत्थर तराशने का काम शुरू होगा

स्वामी सच्चिदानंद ने कहा था कि 9 अगस्त को आश्रम से विधिवत कारसेवा की घोषणा होगी। इसके लिए भव्य कार्यक्रम रखा गया है। इसमें 13 अखाड़ों से साधु-संतों को बुलाया गया है।

# अभिनेता राजपाल यादव के खिलाफ कोठी पर कब्जे की शिकायत

**सिटी मजिस्ट्रेट से जांच की मांग**

शाहजहांपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेता राजपाल यादव की कानूनी मुश्किलों के बीच अब शाहजहांपुर में उनकी एक कोठी को लेकर नया विवाद सामने आया है। विक्रम कुशवाहा नाम के एक शख्स ने कोठी पर कब्जा करने का आरोप राजपाल यादव पर लगाया है।विक्रम सिटी मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की जांच कराने और संपत्ति को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता का दावा है कि जिस कोठी को राजपाल यादव अपना बता रहे हैं, वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रेम कृष्ण खन्ना की संपत्ति थी और बाद में वसीयत के आधार पर वह विक्रम कुशवाहा के अधिकार में आई।

विक्रम कुशवाहा ने दावा किया कि प्रेम कृष्ण खन्ना ने यह संपत्ति राधा रमण सेठ से खरीदी थी। प्रेम कृष्ण खन्ना की कोई संतान नहीं थी और उन्होंने बचपन से उनकी सेवा की थी। शिकायतकर्ता का दावा है कि प्रेम कृष्ण खन्ना ने उसे गोद लिया था, जिसका गोदनामा है। वर्ष 1982 में प्रेम कृष्ण खन्ना ने वसीयत के माध्यम से अपनी चल-अचल संपत्ति उसके नाम कर दी थी। इसी आधार पर वह खुद को संपत्ति का वारिस बता रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राजपाल यादव ने दबंगई और रसूख के बल पर उस कोठी पर कब्जा कर लिया। उन्होंने प्रशासन से संपत्ति से जुड़े पुराने दस्तावेज, नगर निकाय के रिकॉर्ड और अन्य अभिलेखों की जांच कराने की मांग की है। विक्रम कुशवाहा का दावा है कि नगर निगम/नगर पालिका के रिकॉर्ड में आज भी वह संपत्ति प्रेम कृष्ण खन्ना के नाम दर्ज है। इसके अलावा अन्य दस्तावेजों में भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रेम कृष्ण खन्ना का नाम दर्ज होने का दावा किया गया है।

संपत्ति को लेकर विवाद पहले से न्यायिक स्तर पर भी चल रहा है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, मामले को लेकर शाहजहांपुर से लेकर हाईकोर्ट तक कानूनी प्रक्रिया चल रही है। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब राजपाल यादव पहले से ही चेक बाउंस मामले में फंसे हैं। इसके अलावा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की ओर से उनकी कुछ संपत्तियों पर नीलामी संबंधी नोटिस चस्पा किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

विक्रम कुशवाहा की ओर से राजपाल यादव पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। राजपाल यादव की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

# भाजपा ने यूपी संगठन के प्रभारियों का किया ऐलान

## एमलसी गोविंद को मिली अहम जिम्मेदारी

यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी

लखनऊ, 8 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को और धार देने के लिए क्षेत्रीय प्रभारियों से लेकर विभिन्न मोर्चों और मीडिया प्रबंधन तक जिम्मेदारियों का नया खाका तय कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी सूची में क्षेत्रीय संगठन को छह प्रभारियों, सात मोर्चों को नए प्रभारी और मुख्यालय तथा मीडिया प्रबंधन के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। भाजपा की नई व्यवस्था में संगठन ने प्रदेश को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटकर वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी दी है। पश्चिम क्षेत्र की कमान प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान, ब्रज की जिम्मेदारी प्रदेश महामंत्री गीता शाक्य, कानपुर क्षेत्र प्रदेश महामंत्री शंकर लोधी, अवध प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल, काशी प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश सिंह और गोरखपुर क्षेत्र प्रदेश महामंत्री अभिजात मिश्रा को सौंपा गया है। संगठन ने विभिन्न सामाजिक और वर्गीय आधार वाले मोर्चों पर भी प्रभारियों की नियुक्ति की है। युवा मोर्चा की जिम्मेदारी प्रदेश महामंत्री राजेश चौधरी, पिछड़ा मोर्चा की जिम्मेदारी प्रदेश महामंत्री संजय राय, अनुसूचित मोर्चा की जिम्मेदारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महिला मोर्चा की जिम्मेदारी प्रदेश उपाध्यक्ष कामेश्वर सिंह, अनुसूचित जनजाति मोर्चा की जिम्मेदारी डॉ. प्रियंका रावत, अल्पसंख्यक मोर्चा की जिम्मेदारी प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी और किसान मोर्चा की जिम्मेदारी प्रदेश उपाध्यक्ष शंकर गिरी को सौंपा गया है।

# सीतामढ़ी में सीएम बोले- 2028 तक बनेगा माता जानकी मंदिर:गर्भगृह से प्रतिमाएं काष्ठ मंडपम में शिफ्ट

सीतामढ़ी, 8 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज सीतामढ़ी पहुंचे, उनके साथ केंद्रीय मंत्री ललन सिंह भी हैं। यहां सीएम ने पुनौराधाम में माता सीता, भगवान श्री राम और लक्ष्मण की पूजा की और प्रतिमाओं को गर्भगृह से अस्थायी काष्ठ मंडप में शिफ्ट किया गया।

पुनौराधाम में करीब 882.72 करोड़ रुपए की लागत से भव्य माता जानकी मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है। मंदिर के पुराने ढांचे को हटाने की प्रक्रिया जारी है।

इसी क्रम में श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से काष्ठ मंडपम का निर्माण कराया गया है। काष्ठ मंडपम में अस्थायी तौर पर माता जानकी, भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी की प्रतिमाओं को विराजमान किया गया। पूजा के बाद सम्राट चौधरी ने कहा, 'हमारा लक्ष्य है कि 31 दिसंबर 2028 तक माता जानकी मंदिर का निर्माण पूरा हो जाए और प्रभु श्रीराम, माता जानकी अस्थाई मंडप से अपने गर्भगृह में फिर स्थापित हो पाएं।'

मंदिर में पूजा के बाद मुख्यमंत्री 217 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। सीएम के दौरे को लेकर सुरक्षा सख्त है। ट्रैफिक में भी बदलाव किया गया है।

एक साल पहले आज के ही दिन 8 अगस्त 2025 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पुनौराधाम पहुंचे थे।

यहां दोनों नेताओं ने भव्य जानकी मंदिर के लिए भूमि पूजन और शिलान्यास किया था। विधानसभा चुनाव के दौरान भी एनडीए नेताओं ने अयोध्या की तरह सीतामढ़ी में माता जानकी के भव्य मंदिर को अपने मेनिफेस्टो में रखा था।

217 करोड़ की योजना की शुरुआत, शिलान्यास

राज्य योजना 2025-26 और 2026- 27 के अंतर्गत जिले में मिल्क पाउडर प्लांट प्रोजेक्ट की सीएम ने शुरुआत की। इसका निर्माण कार्य लगभग 76.60 करोड़ की लागत से होना है।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जिले में 203 करोड़ दो लाख की कुल 82 योजनाओं का उदघाटन और 14 करोड़ 88 लाख की एक योजना का शिलान्यास किया।

# राहुल गांधी युवाओं से बोले-आप भारत की शक्ति हो

प्रयागराज लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को छात्रों से संवाद करने प्रयागराज पहुंचे। करीब डेढ़ बजे विशेष विमान से प्रयागराज पहुंचे राहुल गांधी का कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया। इसके बाद वह अपने पैतृक निवास स्वराज भवन पहुंचे।शाम को सात बजे राहुल गांधी मंच पर पहुंचे। उन्होंने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। मैदान में भारी भीड़ है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय विधि छात्र ने लाइब्रेरी का मुद्दा उठाया। कहा कि लाइब्रेरी में बरसात में पानी भर दिया जाता है। किताबें नहीं मिल पाती हैं। कहा जाता है कि लाइब्रेरी में जाओगे तो करंट लग सकता है। विरोध करने पर बाउंसरों से पिटवाया जाता है। फर्जी प्राथमिकी दर्ज कराई जाती है। राहुल गांधी ने कहा कि प्राब्लम है कि पढ़ाई करते हो, पैसा डालते हो लेकिन रोजगार के सारे दरवाजे बंद पड़े हुए हैं। मैन्यूफैक्चरिंग का। दुनिया में मेड इन चाइना वियतनाम, दिखेगा मेड इन इंडिया नहीं दिखेगा। जीएसटी और नोटबंदी ने सारे सिस्टम बंद कर दिया। बीजेपी का 150 करोड़ था, आज 10 हजार करोड़ एक राजनीतिक पार्टी का बैंक बैलेंस, पॉलिटिकल सिस्टम चलाते हैं। आपके सोच पर कंट्रोल। आरएसएस के वाइस चांसलर बैठाकर। हर संस्था में आरएसएस के प्रचारक बैठाए गए हैं। ब्यूरोक्रेसी में पैरामिलिट्री में प्रचारक। विश्वविद्यालय में प्रचारक बैठाए गए हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और अडानी ने रोजगार खत्म किया। देश के नवरत्नों को बेच दिया। एयरपोर्ट पूरा अडानी को दे दिया। आपके डेटा का प्रयोग करके एआई से सारे दरवाजे बंद कर दिए गए। सिस्टम की बात कर रहा हूं। यह सिस्टम कौन चलाता है। डेटा आपका, दर्द आपका, दौलत इनकी है। राहुल गांधी ने कहा कि प्राब्लम है कि पढ़ाई करते हो, पैसा डालते हो लेकिन रोजगार के सारे दरवाजे बंद पड़े हुए हैं। मैन्यूफैक्चरिंग का। दुनिया में मेड इन चाइना वियतनाम, दिखेगा मेड इन इंडिया नहीं दिखेगा। जीएसटी और नोटबंदी ने सारे सिस्टम बंद कर दिया। छात्रों से संवाद कर रहे हैं राहुल गांधी, उनकी बातों को सुन रहे हैं। यूपीपीएससी के प्रतियोगी छात्र ने नार्मलाइजेशन का मुद्दा उठाया। अविनाश नाम के छात्र ने कहा कि 2018 में शिक्षक भर्ती के लिए की थी। अभी तक उसी की तैयारी कर रहा हूं। जगह खाली है लेकिन वैकेंसी नहीं है। सरकार चाहे तो भर्ती हो जाए। 18 से आज तक धरना और ज्ञापन दिया लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

# किस भाजपा विधायक की हत्या की साजिश ?

**पत्र में हैंड ग्रेनेड से हमले का दावा; जेल अधीक्षक समेत चार पर FIR**

भोजपुर ,8 अगस्त (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के शाहपुर से भाजपा विधायक राकेश रंजन उर्फ राकेश रंजन ओझा की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विधायक के पैतृक गांव ओझवलिया स्थित आवास पर पहुंचे एक गुमनाम पत्र में उनकी हत्या की कथित साजिश का उल्लेख किए जाने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पत्र में हैंड ग्रेनेड की व्यवस्था करने और शूटर के जरिए विधायक पर हमला कराने की बात कही गई है। मामले में भागलपुर विशेष केंद्रीय कारा के जेल अधीक्षक राजीव कुमार झा, आरा कोर्ट बम ब्लास्ट कांड के आरोपी लंबू शर्मा, बक्सर के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के जोगिया गांव निवासी कुबेर मिश्रा तथा करनामेपुर थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी हरीश मिश्रा को नामजद किया गया है। करनामेपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस पत्र में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है।

विधायक के मुताबिक, 8 जुलाई को उनके आवास पर डाक के जरिए एक गुमनाम पत्र पहुंचा था। पत्र भेजने वाले ने अपना नाम विकास कुमार और पता शाहपुर, भोजपुर बताया था। पत्र में दावा किया गया था कि भागलपुर जेल में बंद कुछ आरोपियों की ओर से विधायक को निशाना बनाने की कथित योजना तैयार की जा रही है।

पत्र में जेल के भीतर बंदियों की गतिविधियों और उनसे मुलाकात को लेकर भी कई आरोप लगाए गए हैं। साथ ही विधायक की हत्या के लिए कथित तौर पर हैंड ग्रेनेड की व्यवस्था और शूटर का इस्तेमाल किए जाने की बात कही गई है। हालांकि, इन आरोपों की अभी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

**ओम प्रकाश राजभर ने की स्वरूपरानी अस्पताल का नाम ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर करने की मांग**

लखनऊ, 8 अगस्त (एजेंसियां)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने प्रयागराज स्थित स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल का नाम बदलकर अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर रखने की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि स्वरूपरानी जी के नाम से उन्हें या उनकी पार्टी को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन ठाकुर रोशन सिंह के योगदान और बलिदान का सम्मान किया जाना चाहिए। राजभर ने कहा कि 9 अगस्त को काकोरी एक्शन की 100वीं वर्षगांठ है।

# एक मास्टर के भरोसे चल रहे 1 लाख से ज्यादा स्कूल

## सुधार के प्रयासों के बावजूद शिक्षकों की कमी से जूझते राज्य

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में केवल एक शिक्षक के भरोसे चलने वाले स्कूलों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। यूडीआईएसई रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में देश में ऐसे स्कूलों की संख्या 1,04,125 थी, जो 2025-26 में घटकर 1,00,843 रह गई। इस तरह एक साल के भीतर देश भर में एकल-शिक्षक स्कूलों की संख्या में 3,282 की शुद्ध कमी आई है।

ये सारी जानकारी केंद्र सरकार द्वारा शिक्षकों के रिक्त पदों से जुड़े एक सवाल के जवाब में जुलाई के अंत में राज्यसभा में पेश की गई थी। एकल-शिक्षक स्कूल उस व्यवस्था को कहा जाता है, जहां एक ही शिक्षक पर सभी कक्षाओं और विषयों को पढ़ाने की जिम्मेदारी होती है, और इसे शिक्षा संसाधनों की कमी के एक प्रमुख संकेतक के रूप में देखा जाता है।

**राष्ट्रीय आंकड़ों के पीछे छिपा राज्यों का विरोधाभास**

राष्ट्रीय स्तर पर आई गिरावट सभी राज्यों में एक समान नहीं है। दोनों वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि केवल पांच राज्यों ने मिलकर 11,000 से अधिक एकल-शिक्षक स्कूलों की संख्या कम की है, जो कि देश भर में हुई कुल net कमी से तीन गुना से भी ज्यादा है। इसके ठीक विपरीत, कई अन्य राज्यों में ऐसे स्कूलों की संख्या में हजारों का इजाफा हुआ है। ऐसे में देश भर में दिख रही 3,282 स्कूलों की कुल गिरावट वास्तव में इन दो परस्पर विरोधी प्रवृत्तियों का मिला-जुला परिणाम है।

**किन राज्यों में घटी एकल-शिक्षक स्कूलों की संख्या**

मध्य प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या में सबसे तेज गिरावट देखने को मिली है। राज्य में एकल-शिक्षक स्कूल 2024-25 में 7,217 से घटकर 2025-26 में 2,269 रह गए, यानी अकेले मध्य प्रदेश में 4,948 स्कूलों की कमी आई, जो कि देश की कुल नेट गिरावट से भी अधिक है। इसके बाद छत्तीसगढ़ में यह संख्या 5,973 से घटकर 2,461 रह गई, जिससे 3,512 स्कूलों की कमी दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश की बात करें बड़े राज्यों में सबसे अधिक एकल-शिक्षक स्कूल हैं, ने इस संख्या को 9,508 से घटाकर 7,874 कर लिया, जो 1,634 की कमी दर्शाता है। इसके अलावा पंजाब में 682 और गुजरात में 601 स्कूलों की कमी के साथ ये दोनों राज्य शीर्ष पांच की सूची में शामिल रहे। दूसरी ओर, आंध्र प्रदेश में एकल-शिक्षक स्कूलों की संख्या में देश में सबसे बड़ी वृद्धि दर्ज की गई। आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या 12,912 से बढ़कर 16,357 हो गई, यानी एक ही साल में 3,445 नए एकल-शिक्षक स्कूल जुड़ गए। महाराष्ट्र और राजस्थान में भी ऐसे स्कूलों की संख्या में एक-एक हजार से अधिक का इजाफा हुआ, जहां क्रमशः 1,117 और 1,083 स्कूलों की बढ़ोतरी देखी गई। कर्नाटक में 693 और झारखंड में 655 अतिरिक्त एकल-शिक्षक स्कूल दर्ज किए गए।

## 'आप' का दिल्ली सरकार पर आरोप, करोड़ों रुपए के दवा

**घोटाले में भी हुआ घोटाला**

नई दिल्ली । दिल्ली में कथित 650 करोड़ रुपए के दवा घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर दिल्ली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दवा घोटाले के अंदर भी एक और बड़ा घोटाला हुआ है।

उनका दावा है कि दिल्ली सरकार की ओर से खरीदी गई दवाइयों का एक बड़ा हिस्सा अस्पतालों तक पहुंचा ही नहीं और दवाइयों की सप्लाई केवल सरकारी फाइलों और दस्तावेजों में दिखाई गई। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि करीब 100 करोड़ रुपए की दवाइयों को कथित तौर पर 400 करोड़ रुपए में खरीदा गया, जिससे लगभग 300 करोड़ रुपए की कमीशनखोरी का आरोप सामने आया है। उन्होंने कहा कि अब इस मामले में एक और गंभीर पहलू सामने आया है। उनके मुताबिक, जिन दवाइयों को अस्पतालों तक पहुंचना था, उनमें से भी बड़ी मात्रा अस्पतालों में वास्तविक रूप से उपलब्ध नहीं है।

### मृतकों की गरिमा से खिलवाड़ क्यों?

# कचरा वाहन से शव ले जाने पर उठे सवाल सरकारी अस्पताल का वीडियो वायरल

छतरपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। छतरपुर जिले के बड़ा मलहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शवों के परिवहन की व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अस्पताल में शव वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण मृतकों के शवों को नगर परिषद के कचरा ढोने वाले वाहन से शवगृह तक ले जाया जा रहा है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाएं चर्चा में आ गई हैं। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने इस व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए इसे मृतकों की गरिमा के विपरीत बताया है। लोगों का कहना है कि अस्पताल का दर्जा बढ़ने के बावजूद आज तक शव वाहन जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी है। उनका आरोप है कि अंतिम समय में भी मृतकों को सम्मानजनक व्यवस्था नहीं मिल पा रही, जिससे परिजनों की भावनाएं आहत होती हैं।

**उठे गंभीर सवाल**

मामले को लेकर लोगों ने अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग से तत्काल अलग शव वाहन उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जिस वाहन का उपयोग अस्पताल का कचरा ढोने के लिए किया जाता है। उसी से शव ले जाना व्यवस्था की बड़ी खामी को दर्शाता है। वहीं, मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। लोग गंभीर सवाल खड़ा कर रहे हैं। बड़ा मलहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉ. हेमंत मरैया ने बताया कि अस्पताल के लिए शव वाहन की मांग कई बार जिला स्तर पर भेजी जा चुकी है, लेकिन अब तक बजट स्वीकृत नहीं हुआ है। इसी कारण मजबूरी में नगर परिषद द्वारा उपलब्ध कराए गए वाहन से शवों का परिवहन कराया जाता है। उन्होंने कहा कि बजट मिलते ही शव वाहन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

### हनी ट्रैप में फंसा वायुसेना अधिकारी?

# पाक एजेंटों को रक्षा से जुड़ी जानकारी देने का आरोप; कैसे हुआ खुलासा?

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर को कथित तौर पर सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों ने हनी ट्रैप में फंसाया था। इसके बाद उस पर रक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी लीक करने का आरोप है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक, इस अधिकारी पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब उसे कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सौंप दिया गया है। वायुसेना ने आधिकारिक गोपनीयता कानून के तहत ऐसे मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने की बात कही है। वायुसेना के अधिकारियों ने कहा, उस अधिकारी पर लगातार नजर रखी जा रही थी और उसे संबंधित कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सौंप दिया गया। पहले से उठाए गए कदमों के कारण उसे पकड़ लिया गया। वायुसेना ऐसी गतिविधियों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, वायुसेना के विंग कमांडर को रक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी कथित तौर पर लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। अधिकारी के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उस पर रक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी और गुप्त दस्तावेज कथित तौर पर साझा करने का आरोप है। सूत्रों के अनुसार, वायुसेना का यह अधिकारी कथित तौर पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों की ओर से रचे गए हनी ट्रैप का शिकार हुआ था। उस पर एक साथी के मोबाइल फोन में जानकारी चुराने वाला सॉफ्टवेयर लगाने का भी आरोप है। उसका मकसद कथित तौर पर उस मोबाइल फोन पर नियंत्रण हासिल करना था। सूत्रों ने बताया कि वायुसेना की खुफिया शाखा ने मामले से जुड़ी खास जानकारी दिल्ली पुलिस के साथ साझा की थी। इसके बाद अधिकारी को गिरफ्तार किया गया। मामले की आगे की जांच जारी है।

## उद्धव ठाकरे का पीएम पर निशानाः युवाओं से मिलने का समय नहीं, गद्दारों से मुलाकात के लिए वक्त

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने अपनी पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हुए सांसदों से प्रधानमंत्री की मुलाकात को लेकर सवाल उठाए। ठाकरे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के पास प्रदर्शन कर रहे युवाओं से मिलने का समय नहीं है, लेकिन 'गद्दारों' से मुलाकात के लिए वक्त है। एक दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने राजग के घटक दलों के सांसदों के साथ नाश्ते पर बैठक की थी। इसके बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनकी पार्टी के छह नवनिर्वाचित सांसदों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ठाकरे ने सवाल किया कि क्या मोदी और शिवसेना (यूबीटी) छोड़ने वाले छह सांसदों के बीच हुई मुलाकात का मकसद सुप्रीम कोर्ट को 'डराना' था।

# बॉर्डर एरिया में 50 किमी तक के प्रोजेक्ट को एमएचए से मंजूरी लेना जरूरी, तीन देशों के स्टाफ पर खास फोकस

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। बॉर्डर एरिया में अगर कोई भी सौर/पवन और हाइब्रिड प्रोजेक्ट लगाना है तो उसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। इतना ही नहीं, सीमावर्ती क्षेत्रों में सोलर पावर या एनर्जी से संबंधित दूसरे प्रोजेक्ट शुरू हो रहे हैं तो वहां पर काम करने वाले इंजीनियरों, कर्मियों और श्रमिकों को लेकर भी गृह मंत्रालय ने दिशा निर्देश जारी किए हैं। पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश से संबंधित कोई व्यक्ति, बॉर्डर एरिया में इंजीनियर या अन्य स्टाफ में हैं तो उसके लिए केंद्र सरकार से इजाजत लेनी होगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ये सब दिशा निर्देश, राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर जारी किए हैं।

प्रोजेक्ट की साइट पर निगरानी और वहां काम कर रहे स्टाफ की जांच के लिए समर्पित पुलिस चौकी स्थापित की जाए। वहां पर आने वाले विदेशी नागरिकों पर नजर रखी जाए। सीमावर्ती एरिया में जितना भी स्टाफ होगा, वहां प्रवेश करने से पहले उनका सत्यापन अनिवार्य होगा। बॉर्डर के आसपास कोई भी आवास/कैफेटेरिया आदि की सुविधाओं को लेकर भी दिशा निर्देश जारी हुए हैं। अगर इनके चलते बॉर्डर एरिया में भीड़ जुटने की संभावना है, सुरक्षा व्यवस्था पर असर पड़ सकता है तो इनकी अनुमति न दी जाए।

रहने का स्थान या होटल, ये सब बॉर्डर से पांच किलोमीटर की दूरी पर हों। प्रोजेक्ट के अंदर यानी परिसर में कैफेटेरिया खोलने की इजाजत दी जा सकती है। नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जो भी निर्माण होगा, उसकी ऊंचाई तय कर दी गई है। यदि एलओसी/एलएसी से आठ किलोमीटर दूर कोई निर्माण हो रहा है तो उसकी ऊंचाई तीन मीटर होगी। आठ से बीस किलोमीटर की दूरी है तो ऊंचाई पांच मीटर रहेगी। बीस से पचास किलोमीटर की दूरी है तो ऊंचाई 15 मीटर तक हो सकती है। पवन चक्की आदि पर यह नियम लागू नहीं होगा।

सौर, पवन और हाइब्रिड एनर्जी प्रोजेक्ट का आवेदन नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के पास जाएगा। इसके बाद वह फाइल गृह मंत्रालय के पास पहुंचेगी। वहां से सुरक्षा मंजूरी दी जाएगी। बाद में रक्षा मंत्रालय से अनापत्ति पत्र हासिल करना होगा। कोई भी आवेदन, सीधे गृह मंत्रालय या रक्षा मंत्रालय में नहीं आएगा। संबंधित मंत्रालय के तहत वह फाइल उक्त मंत्रालयों में पहुंचेगी। ऐसे मामलों का निपटारा गृह मंत्रालय द्वारा साठ दिन में किया जाएगा।

बॉर्डर से 50 किलोमीटर के भीतर सौर, पवन और हाइब्रिड प्रोजेक्ट के लिए गृह मंत्रालय की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। एक किलोमीटर क्षेत्र पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यहां पर किसी तरह की कोई भी गतिविधि या प्रोजेक्ट लगाने की इजाजत नहीं मिलेगी। एक किलोमीटर से पचास किलोमीटर तक सुरक्षा मंजूरी या एक किलोमीटर से बीस किलोमीटर तक अनापत्ति प्रमाण पत्र देने का काम गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय का रहेगा।

## संभव हुआ असंभव, दुनिया के ग्लेशियरों में कहां कितनी बर्फ?

**एआई मॉडल ने खत्म की 74 साल की टेंशन**

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। रिसर्चर्स ने आईसबूस्ट वी2.0 नाम का ऐसा एआई मॉडल तैयार किया है, जिससे यह पता लगाया जा सका है कि दुनिया के ग्लेशियरों में कहां कितनी बर्फ जमा है। इस एआई मॉडल पर इतना अधिक भरोसा किया जा रहा है कि अगले 74 साल तक भविष्य के ग्लेशियरों का अनुमान लगाने के लिए इस एआई डेटासेट का बेस के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। वेनिस की का' फोस्करी यूनिवर्सिटी और इटली के नेशनल रिसर्च काउंसिल के रिसर्चर्स ने मिलकर एक नया मशीन लर्निंग मॉडल तैयार किया है।

दुनिया के ग्लेशियरों में कहां, कितनी बर्फ जमा है। इस सवाल के जवाब तक पहुंचते-पहुंचते रिसर्चर्स कभी एक नहीं होते। अब इस असंभव से काम को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने संभव करके दिखाया है। एआई ने जो डेटा तैयार किया है, उसे रिसर्चर्स भी सटीक मान रहे हैं, इसीलिए अगले 74 साल तक ग्लेशियरों के भविष्य का अनुमान लगाने के लिए इस एआई डेटासेट का ही बेस के रूप में उपयोग किया जाएगा।

किसको मिली सफलता?

एक रिपोर्ट के अनुसार, वेनिस की का' फोस्करी यूनिवर्सिटी और इटली के नेशनल रिसर्च काउंसिल के रिसर्चर्स ने मिलकर एक नया मशीन लर्निंग मॉडल तैयार किया है। इसका नाम आईसबूस्ट v2.0 है। इस एआई मॉडल ने पूरी दुनिया के ग्लेशियरों की मोटाई और उनके कुल आयतन का अबतक का सबसे सटीक नक्शा तैयार किया है।

# 'दिल्ली पुलिस की तरह व्यवहार मत करो'

## सुरक्षा में तैनात पीएसआई से क्यों भिड़े अभिजीत दीपके; लगाया जासूसी का आरोप

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। सीजेपी संयोजक अभिजीत दीपके ने अपने घर की सुरक्षा में तैनात पीएसआई पर लोगों से कथित तौर पर रूखा व्यवहार करने और उन्हें उनसे मिलने से रोकने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दीपके पुलिसकर्मी को फटकारते हुए उसे घर से बाहर जाने के लिए कहते और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से उसे हटाने की मांग करते नजर आ रहे हैं। दीपके ने अपने आवास के आसपास सादे कपड़ों में सीआईडी कर्मियों की मौजूदगी और उनके द्वारा 'हिट स्प्रे' नाम के व्हाट्सऐप ग्रुप में रिपोर्ट भेजे जाने का भी दावा किया है। पुलिस की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी उनके घर आने वाले लोगों के साथ 'रूखा' व्यवहार कर रहा था और वालुज एमआईडीसी इलाके में स्थित उनके आवास में आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखने के साथ-साथ उन्हें नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा था। दीपके को यह सुरक्षा उन्हें धमकियां मिलने और उनके घर पर जुटने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मुहैया कराई गई है। हालांकि, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सीआईडी के कुछ कर्मचारी सादे कपड़ों में उनके घर के आसपास घूम रहे थे और बाद में 'हिट स्प्रे' नाम के सोशल मीडिया ग्रुप में इसकी रिपोर्ट भेज रहे थे। शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दो वीडियो वायरल हुए, जिनमें सीजेपी संस्थापक एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से फोन पर बात करते और अपने घर पर तैनात एक पीएसआई से बहस करते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में दीपके पीएसआई को फटकार लगाते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही वह अपने घर की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी को वहां से हटाने की मांग करते सुनाई दे रहे हैं।

वीडियो में दीपके पीएसआई से कहते सुनाई दे रहे हैं, 'जब मैं लोगों को अपने घर आने के लिए कह रहा हूं तो उन्हें अंदर आने देने में क्या परेशानी है? आप दिल्ली पुलिस की तरह व्यवहार क्यों कर रहे हैं? आज तक कोई समस्या नहीं हुई है। मैं आपको पहली बार देख रहा हूं। आप (पुलिस) मुझे यह नहीं बताएंगे कि मुझे किससे मिलना चाहिए और किससे नहीं मिलना चाहिए।' दीपके ने पीएसआई से कहा, 'आप कृपया बाहर जाइए, मैं आपको अपने घर में नहीं चाहता।'

# 'मैं समाज में मुंह दिखाने लायक नहीं बचा, मुझे नहीं जीना'

**वीडियो वायरल होते ही किसान ने पी लिया कीटनाशक**

गुना, 8 अगस्त (एजेंसियां)। गुना के राघौगढ़ क्षेत्र में सार्वजनिक बदनामी से जुड़ा वीडियो वायरल होने के बाद एक किसान ने अपनी जीवनलीला खत्म कर ली। इस घटना के बाद गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामला जंजाली चौकी क्षेत्र के होरिबे गांव का है। करीब डेढ़ महीने पहले गांव की एक शादीशुदा महिला अपने घर से चली गई थी। आरोप था कि वह गांव के ही एक युवक के साथ गई है। महिला के ससुराल पक्ष को शक था कि इस पूरे मामले में युवक के चाचा किसान अजोड़ सिंह बंजारा (45) की भूमिका है। बस इसी शक में कुछ लोगों ने किसान को घर से उठा लिया। परिजनों का आरोप है कि इसके बाद पीड़ित के साथ घंटों मारपीट की गई थी। उन्हें बंधक बनाकर गले में जूतों-चप्पलों की माला डाली गई और पूरे गांव में घुमाया गया था। इस दौरान किसी ने मोबाइल से वीडियो भी बना लिया था। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और अजोड़ सिंह को भीड़ से छुड़ाकर ले आई थी। पीड़ित किसान ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित शिकायत भी दी थी। कुछ दिनों बाद मामला थम गई गया, लेकिन उसका जख्म नहीं भरा। आरोप है कि सवा महीने (45 दिन) बाद उन्हीं आरोपियों ने वह पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो वायरल हो गया। पीड़ित को भी यह खबर लग गई। परिजनों के अनुसार वीडियो देखने के बाद पीड़ित गहरे अवसाद में चले गया था। उनके चचेरे भाई तोफान सिंह ने बताया, अजोड़ कहने लगा था कि अब लोग मुझ पर उंगली उठाएंगे, हंसेंगे।

# रेप पीड़ित बच्ची को दो अस्पतालों ने लौटाया, कोर्ट के आदेश पर अब माता-पिता को देंगे 12 लाख रुपये

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। गाजियाबाद के दो अस्पतालों ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में पीड़ित बच्ची के माता-पिता को 12 लाख रुपये दान देने की पेशकश की। अस्पतालों पर आरोप है कि उन्होंने गंभीर रूप से घायल नाबालिग को इलाज के लिए भर्ति नहीं किया था।

बाद में बच्ची की मौत हो गई। अस्पताल आपराधिक कार्रवाई और मुआवजे की जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहे थे। अस्पतालों और गाजियाबाद पुलिस के रवैये से नाराज सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सख्त रुख अपनाया। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची व वी. मोहन की पीठ ने कहा कि अदालत अस्पतालों के लिए मस्ट ट्रीट यानी मरीज का इलाज करना अनिवार्य करने संबंधी गाइडलाइंस बनाने पर विचार कर सकती है। पीठ ने यह भी संकेत दिया कि यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतकर्ताओं के बयानों की वीडियो रिकॉर्डिंग पुलिस के लिए अनिवार्य करने पर विचार किया जा सकता है। इसका उद्देश्य जांच प्रक्रिया में जवाबदेही और संवेदनशीलता सुनिश्चित करना है। पीडिता के माता-पिता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एन, हरिहरन ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में इन संबंध में प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन नहीं किया जा रहा। जस्टिस बागची ने कहा कि कानून और सुप्रीम कोर्ट के आदेश में मेडिकल संस्थानों के लिए इलाज देना अनिवार्य है, लेकिन जमीनी हकीकत इन कानूनी आदर्शों से काफी अलग है।

# 'सरकार की विदेश नीति की नाकामी' अमेरिकी बिल को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारत समेत कई देशों पर 100 फीसदी टैरिफ का प्रावधान करने वाले अमेरिकी विधेयक पर विपक्षी दलों ने शनिवार को प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने इसे नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश और आर्थिक नीतिक की नाकामी करार दिया।

इसके अलावा, विपक्षी पार्टी के नेता पवन खेड़ा और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सरकार पर निशाना साधा।

सबसे पहले जानते हैं कि कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने क्या कहा।

उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा, मैं इसे मोदी सरकार की विदेश और आर्थिक नीति की नाकामी मानता हूं। हम कई वर्षों से रूस से सस्ते दाम पर ईंधन खरीद रहे हैं। भारत कितना और किससे ईंधन खरीदे, यह फैसला भारत को करना चाहिए, अमेरिका को नहीं। अमेरिका हम पर दबाव नहीं बना सका।

**शर्तें थोपता है अमेरिकाः पवन खेड़ा**

अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंध वाले विधेयक को मंजूरी मिलने पर कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा, क्या आपको लगता है कि भारत सच में स्वतंत्र है? जो भी आता है, भारत को धमकाता है। जो भी आता है, अपनी शर्तें थोपता है। वह कहता है कि आप यहां से तेल खरीद सकते हैं, इतना तेल खरीद सकते हैं और वहां से तेल नहीं खरीद सकते। खेड़ा ने आगे कहा, जो लोग पूरे देश में खुद को 'विश्वगुरु' बताते घूमते हैं। लेकिन संसद में जाने तक की हिम्मत नहीं रखते। उनसे जवाब मांगिए। उनमें संसद में जाने की हिम्मत इसलिए नहीं है, क्योंकि वहां ये सभी मुद्दे उठाए जाएंगे। उन्हें हर बात के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा।

वहीं, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सरकार पर निशाना साधा। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि देश के हर छोटे-बड़े फैसले में ट्रंप का दखल है और प्रधानमंत्री मोदी उनकी हर बात को मानते हैं, चाहे वह सही हो या गलता। ट्रंप हर क्षेत्र में भारत के खिलाफ निर्णय लेते हैं।

# शेख हसीना की पार्टी का बीएनपी में होगा विलय

## पीएम तारिक की पार्टी के सांसद का दावा, बताया सहयोगी

ढाका, 8 अगस्त (एजेंसियां)। शेख हसीना के दिल्ली में अपना पहला सार्वजनिक भाषण देने और देश लौटने के दावे ने बांग्लादेश में सियासी भूचाल ला दिया है। तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने शेख हसीना के संबोधन पर कड़ी आपत्ति जताई थी और इसे बांग्लादेश और जुलाई आंदोलन में मारे गए लोगों का अपमान बताया था। लेकिन अब रहमान की ही पार्टी बीएनपी के एक सांसद ने अवामी लीग के साथ विलय की बात कह दी है। सुनामगंज-2 से सांसद नासिर उद्दीन चौधरी ने एक रैली में अवामी लीग को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सहयोगी बताया।

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब इसी सप्ताह बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया ने 5 अगस्त को इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया था। हसीना इस दौरान वर्जुअली जुड़ी

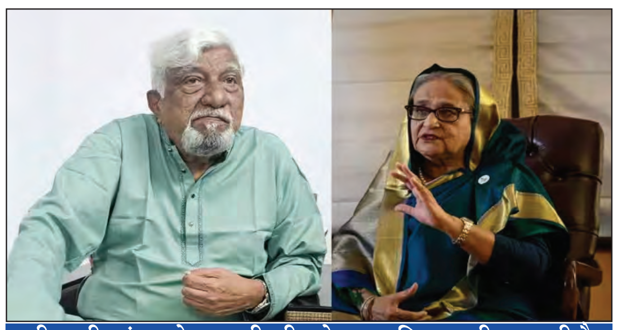
बीएनपी सांसद ने अवामी लीग के साथ विलय की बात की है

थीं। इस दौरान कैमरा बंद रखा गया था और उन्होंने ऑडियो से संबोधन दिया और सवालों के जवाब भी दिए। 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश छोड़कर आने के बाद यह हसीना की पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शेख हसीना ने ऐलान किया कि वह दिसम्बर तक बांग्लादेश वापस लौटेंगी। अवामी लीग की नेता ने कहा कि उन्हें पता है कि बांग्लादेश में उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है या उन्हें मारा जा सकता है, इसके बावजूद वह अपने देश जाएंगी। हसीना ने कहा कि उनके साथ झूठे मुकदमों और मौत का डर उनके भविष्य का फैसला नहीं कर सकता।

हसीना की इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के कुछ दिनों बाद ही बीएनपी सांसद ने अवामी लीग को सहयोगी पार्टी बताया। हालांकि, उनकी पार्टी बीएनपी ने लगातार शेख हसीना को फासीवादी और जुलाई आंदोलनकारियों के नरसंहार का जिम्मेदार ठहराया है। प्रथम आलो की रिपोर्ट के अनुसार, नासिर उद्दीन चौधरी ने यह भी कहा कि भविष्य में दोनों पार्टियों का विलय हो सकता है। चौधरी ने कहा, अवामी लीग हमारी दुश्मन नहीं है। वे हमारे सहयोगी हैं। हमने उनके साथ मिलकर मुक्ति संग्राम लड़ा था। अवामी लीग जल्द ही बीएनपी में विलय कर लेगी। हालांकि, चौधरी की आवाज पार्टी में अकेली लग रही है। हसीना के संबोधन के अगले ही दिन 6 अगस्त को बीएनपी के वरिष्ठ नेता रूहुल कबीर रिजवी ने कड़ा विरोध जताया था। रिजवी ने कहा कि भारत में हसीना के संबोधन से जुलाई विद्रोह के शहीदों का अपमान हुआ है।

डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, रिजवी ने दावा किया कि हसीना के संबोधन का समय भारतीय नीति-निर्माताओं ने तय किया था। उन्होंने इसे जुलाई 2024 की क्रांति के शहीदों का जानबूझकर किया गया अपमान बताया। उन्होंने कहा कि हसीना को भारतीय जमीन से बयान देने की अनुमति देना बांग्लादेश की संप्रभुता का उल्लंघन है।

# जंगल की आग से टेंशन में यूरोप

## जमीन में दबे दूसरे विश्व युद्ध के बिना फटे बमों तक पहुंचीं लपटें, धमाकों का खतरा

लंदन, 8 अगस्त (एजेंसियां)। जर्मनी के पूर्वोत्तर हिस्से में स्थित म्यूरित्ज राष्ट्रीय उद्यान में जुलाई में आग भड़की तो यह कोई सामान्य अग्निशमन अभियान नहीं था। दमकलकर्मियों के साथ बम निरोधक दलों को भी जाना पड़ा क्योंकि जंगल की जमीन के नीचे शीत युद्ध के दौर के गोला-बारूद दबे हैं। विस्फोट के खतरे के कारण कुछ हिस्सों तक दल सीधे नहीं पहुंच सके। इसके कुछ समय बाद दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के गिरोंड क्षेत्र में वनाग्नि (जंगल की आग) ने 42,000 हेक्टेयर इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। ले पोर्ज गांव के आसपास खेतों में फैली आग ने दूसरे विश्व युद्ध के समय जमीन में दबे गोला-बारूद को सामने ला दिया। वहां कम से कम 75 गोले बरामद किए गए।

आग के दौरान इनमें से कई गोले फट गए और एक गोला मकान की दीवार को भेदता हुआ निकल गया। स्थानीय मेयर मार्शल जानीनेत्ती ने कहा कि प्रशासन के पास इस बात का कोई रिकॉर्ड ही नहीं था कि वहां गोला-बारूद दबा

हुआ है। ये घटनाएं एक स्पष्ट समस्या की ओर इशारा करती हैं। यूरोप में 20वीं सदी के युद्धों के समय का भारी मात्रा में दबा हुआ विस्फोटक मौजूद है। महाद्वीप की वनाग्नि इतनी विकराल और इतनी लंबे समय तक धधकती रही है कि विस्फोटकों तक पहुंच रही है।

जमीन में दबी युद्ध सामग्री हमेशा खतरा बनी रहती है लेकिन सामान्य परिस्थितियों में उनके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं होती, इसलिए विस्फोट होने की आशंका कम रहती है। वनाग्नि के दौरान गर्मी और दबाव से स्थिति बदल जाती है। विस्फोटक सामग्री एक निश्चित तापमान सीमा से अधिक गर्म होने पर आग पकड़ सकती है। पुरानी युद्ध सामग्री अक्सर निर्माण के समय की तुलना में अधिक अस्थिर हो जाती है, क्योंकि दशकों तक जंग लगने से उसके खोल और फ्यूज अधिक संवेदनशील हो सकते हैं।

पत्तियों और जमीन की ऊपरी सतह पर कुछ मिनटों की आग आमतौर पर इतनी गर्म नहीं होती कि विस्फोट हो सके। कई घंटे या कई दिनों तक धधकती आग जमीन में इतनी गर्मी पहुंचा सकती है कि दबे हुए गोला-बारूद में विस्फोट हो जाए। ब्रिटेन के नॉर्थ यॉर्कशायर में 2025 में लैंगडेल मूर में लगी आग के दौरान ऐसा कई बार देखने को मिला। छह सप्ताह तक धधकती रही इस आग की लपटें जब गहरी पीट मिट्टी तक पहुंचीं तो द्वितीय विश्व युद्ध के समय जमीन में दबे 20 गोले फट गए। आग ऐसे गोला-बारूद को भी सामने ले आती है, जिस तक गर्मी सामान्य परिस्थितियों में नहीं पहुंच पाती। पेड़-पौधे और ऊपरी मिट्टी के नष्ट हो जाने से नीचे दबे गोले और बारूदी सुरंगें स्पष्ट तौर पर दिखने लगती है। ले पोर्ज की घटना में भी यही हुआ।

आग बुझाने के बाद दल ने प्रभावित खेतों से 75 ऐसे गोले बरामद किए, जिनके वहां दबे होने की जानकारी स्थानीय प्रशासन को नहीं थी।

# जापान में 200किमी की रफ्तार से बढ़ रहा डॉल्फिन तूफान

टोक्यो, 8 अगस्त (एजेंसियां)। जापान की ओर करीब 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से डॉल्फिन तूफान बढ़ रहा है। इसकी वजह से 2.6 लाख लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के आदेश दिए गए हैं। जबकि 500 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। हालात को देखते हुए टोयोटा ने भी अपनी 9 फैक्ट्रियों में काम रोक दिया है।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के मुताबिक, डॉल्फिन कैटेगरी-1 का तूफान है। इसकी लगातार हवा की रफ्तार 144 किमी प्रति घंटा और झोंकों की रफ्तार 198 किमी प्रति घंटा तक पहुंच रही है। यह तूफान क्यूशू और ओकिनावा के बीच स्थित द्वीपों की ओर बढ़ रहा है। तूफान की वजह से जापान का ओकिनावा द्वीप बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वहां छुट्टियां मनाने गए कई हांगकांग के पर्यटक उड़ानें रद्द होने के कारण फंस गए हैं। उन्हें अब जरूरी सामान की कमी, बिजली कटने और पानी की सप्लाई बाधित होने की आशंका का सामना करना पड़ रहा है।

हांगकांग से जुड़े ट्रैवल सोशल मीडिया अकाउंट्स पर साझा की गई तस्वीरों में सुपरमार्केट की ब्रेड की अलमारियां खाली दिखाई दे रही हैं। वहीं, कई इलाकों में मूसलाधार बारिश और तेज हवाएं चल रही हैं। डॉल्फिन तूफान तेजी से चीन के पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है। चीन के मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार तक यह तूफान तट से करीब 820 किलोमीटर दूर था।

# नाटो से सीधे टकराएंगे पुतिन

## अमेरिकी खुफिया एजेंसी को डर, नए हमले कर लड़ाई बढ़ाएंगे रूसी राष्ट्रपति

मॉस्को, 8 अगस्त (एजेंसियां)। व्लादिमीर पुतिन आने वाले समय में यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध को दूसरे देशों तक फैला सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन को लेकर अमेरिकी खुफिया एंजेंसियों ने यह दावा किया है। अमेरिकी इंटेलिजेंस अनुमान बताते हैं कि पुतिन आने वाले महीनों में किसी नाटो देश पर हमला करके इस सैन्य गठबंधन के संकल्प की परीक्षा ले सकते हैं। यूक्रेन युद्ध का कोई रास्ता ना निकलते देख पुतिन नाटो के साथ तनाव बढ़ाने का रास्ता चुन सकते हैं।

सीएनएन के मुताबिक, सूत्रों ने बताया है कि अमेरिकी इंटेलिजेंस अनुमानों में रूस के तनाव बढ़ाने के कई संभावित तरीके बताए गए हैं। इसमें सबसे अहम साइबर हमला या छोटे स्तर पर घुसपैठ का तरीका हो सकता है। इसका

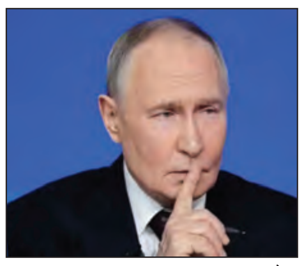

मकसद नाटो की एकता और आर्टिकल 5 (एक-दूसरे की बाहरी हमले से रक्षा) के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को चुनौती देना है। खुफिया अनुमान पुतिन के रूसी सेना को यूरोप में नाटो देश पर हमले का आदेश देने की आशंका जताती है। हालांकि पुतिन ऐसा कब करेंगे, यह साफ नहीं है। सूत्रों में से एक का कहना है कि इस बात की सबसे ज्यादा संभावना है कि वे बाल्टिक देशों या पोलैंड को निशाना बनाकर तनाव बढ़ाएंगे। द वॉल स्ट्रीट जर्नल भी एक रिपोर्ट में ऐसा दावा कर चुका है।

अमेरिकी और नाटो अधिकारियों का मानना है कि व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध से सम्मानजनक तरीके से बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिलता है तो वे नाटो के खिलाफ तनाव बढ़ाने का कदम उठा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति के पास अपने अगले कदम के बारे में फैसला करने के लिए अभी महीनों नहीं बल्कि कुछ वर्षों का समय है। नाटो के वरिष्ठ सैन्य प्रवक्ता मार्टिन ओडोनेल ने इंटेलिजेंस अनुमानों पर टिप्पणी से इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा कि नाटो हमेशा कई तरह की स्थितियों के बारे में सोचता है और उनके लिए तैयारी करता रहता है। नाटो फिलहाल रूस पर नजर रख रहा है।

# नेपाल जाने के लिए आधार काफी नहीं

## साथ रखने होंगे ये दस्तावेज, बॉर्डर पर तभी मिलेगी एंट्री

काठमांडू, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारत से नेपाल जाने वालों के लिए बड़ी खबर है। सीमा पर आवाजाही को सख्त करते हुए केवल आधार कार्ड रखने वालों के नेपाल जाने पर रोक लगा दी गई है।

अधिकारियों को बॉर्डर पर हर यात्री की सख्ती से जांच करने को कहा गया है। शुक्रवार को बॉर्डर पर केवल आधार कार्ड लेकर पहुंचने वाले भारतीयों को वापस लौटा दिया गया। अब नेपाल जाने के लिए आपको कई दस्तावेज दिखाने होंगे।

**भारतीयों को रखने होंगे ये दस्तावेज**

रिपोर्ट के अनुसार, अब नेपाल जाने वाले भारतीय नागरिकों फोटो वाला भारतीय निर्वाचन आयोग का फोटो वाला मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट या भारतीय दूतावास से जारी वैध प्रमाण पत्र दिखाना होगा। हाल ही में नेपाल की बालेन शाह सरकार ने आधार को

यात्रा दस्तावेज के रूप में मान्यता नहीं देने का फैसला किया है।

भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा है और वर्षों से लोग आधार कार्ड के सहारे आते-जाते रहे हैं। लेकिन यह आवाजाही अब आसान नहीं रह गई है।

सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि हाल की सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए जांच बढ़ा दी गई है और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे दस्तावेजों की बारीकी से जांच करें।

नेपाल में सुरक्षा हालात को देखते हुए भारतीय बलों ने बॉर्डर वाले इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। अधिकारी नेपाल जाने और आने वाले यात्रियों से अपील कर रहे हैं कि वे किसी भी परेशानी से बचने के लिए अपने साथ मान्य पहचान पत्र जरूर रखें।

हालांकि, नाबालिग बच्चों को इससे छूट दी गई है। अगर कोई बच्चा वैध दस्तावेज रखने वाले माता-पिता के साथ यात्रा कर रहा है, तो उसका स्कूल आईडी कार्ड और आधार पहचान के तौर पर स्वीकार होगा।

# सुप्रीम लीडर का न चेहरा दिखा, न हाथ मिलाया

## ईरानी राष्ट्रपति ने मोजतबा खामेनेई से की सीक्रेट मुलाकात, पहचान भी नहीं पाए

तेहरान, 8 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की देश के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई से सीक्रेट मुलाकात की जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक पेजेश्कियान को राजधानी तेहरान में एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया था, जहां उन्होंने सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के साथ बहुत छोटी मुलाकात की। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, मोजतबा खामेनेई एक ऐसी कार में थे, जिसकी विंडो बहुत काली थी। कार के अंदर घना अंधेरा था, जिससे पेजेश्कियान उन्हें देख भी नहीं पाए।

पेजेश्कियान को नहीं हुआ यकीन रिपोर्ट में आगे कहा गया कि पेजेश्कियान को मुलाकात के बाद भी भरोसा नहीं हो रहा था और उन्होंने सहयोगियों से पूछा कि उन्होंने जो आवाज सुनी क्या वह

सच में सुप्रीम लीडर की थी। यह मुलाकात केवल महज कुछ मिनट की थी और इसके बाद राष्ट्रपति को वहां से जाने के लिए कहा गया। खामेनेई के सुरक्षाकर्मियों ने राष्ट्रपति को उनसे हाथ तक मिलाने नहीं दिया।

सुप्रीम लीडर से राष्ट्रपति की यह मुलाकात मई में हुई थी। पेजेश्कियान की बार-बार मुलाकात की गुजारिश और ऐसा न होने पर इस्तीफे की धमकी के बाद सुप्रीम लीडर का कार्यालय इस मुलाकात के लिए सहमत हुआ था। इस मुलाकात के लिए सर्वोच्च नेता के ठिकाने के बजाय एक सीक्रेट जगह को चुना गया। पेजेश्कियान को उनकी सुरक्षा टीम तेहरान में एक गुप्त जगह ले गई।

वहां, उन्हें अपनी गाड़ी से निकालकर एक दूसरी कार में बिठाया गया। उस कार की खिड़कियों पर गहरे रंग के शीशे लगे थे, जिसके अंदर मोजतबा खामेनेई इंतजार कर रहे थे। कार के अंदर इतना अंधेरा था कि वे एक-दूसरे को देख तक नहीं पाए।

# मुक्तिधाम में पालतू कुत्ते के अंतिम संस्कार पर बवाल

## परिवार बोला– घर का सदस्य जैसा था, लोग बोले– परंपराओं के खिलाफ, केयरटेकर ने 2000 लिए

बिलासपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मुक्तिधाम में पालतू कुत्ते का दाह संस्कार करने को लेकर विवाद हो गया। स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताते हुए विरोध किया। पार्षद की शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाइश देकर मामला शांत कराया। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है।

कुदुदंड क्षेत्र में रहने वाले एक परिवार के पालतू डॉग की मौत हो गई थी। परिवार का कहना है कि डॉग उनके लिए परिवार के सदस्य की तरह था। इसी भावनात्मक जुड़ाव के चलते वे उसे अंतिम विदाई देने के लिए तोरवा मुक्तिधाम ले गए।

परिवार के मुताबिक, अनुमति लेकर हिंदू रीति-रिवाज से उसका दाह संस्कार किया गया।

# 'मौत के रेगिस्तान' में चीन का चमत्कार

## बंजर धरती को बना डाला कार्बन सोखने वाला 'मशीन', 50 साल में लगाए 66 अरब पेड़

बीजिंग, 8 अगस्त (एजेंसियां)। चीन ने करीब 50 वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद तकलामकन रेगिस्तान को कार्बन सोखने वाली धरती बना दिया है। तकलामकन को एक वक्त मौत के रेगिस्तान नाम से जाना जाता था। इस रेगिस्तान की पहचान यहां के बड़े-बड़े रेत के टीलों, बहुत कम बारिश और ऐसे हालात से है जहां पेड़-पौधों के पनपने की गुंजाइश बहुत कम होती है। फिर भी इस विशाल रेगिस्तान के किनारे धीरे-धीरे और लगभग चुपचाप बदलते रहे हैं। जिन इलाकों में कभी सिर्फ खाली रेत हुआ करती थी वहां अब सुरक्षा के लिए लगाए गए पेड़ों की कतारें, झाड़ियां और हरियाली धीरे-धीरे फैल गई है।

रेगिस्तान के फैलाव को रोकने की जो कोशिश एक बड़े मकसद के साथ शुरू हुई थी वह अब पर्यावरण के लिहाज से कहीं ज्यादा अहमियत रखने वाली चीज बन गई है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि चीन ने धीरे धीरे इस

इलाके को हरी भरी धरती में तेजी से बदलना शुरू कर दिया है। अब इस क्षेत्र से जितनी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड निकलता है उससे कहीं ज्यादा उसे सोख रहे हैं। यह इस बात का एक अनोखा उदाहरण है कि कैसे रेगिस्तान के किनारों पर बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने से खास हालात में जलवायु को मापने लायक फायदे मिल सकते हैं। चीन के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने देश के उत्तरी इलाकों में रेगिस्तान के बढ़ते दायरे को रोकने के लिए 1978 में 'थ्री-नॉर्थ शेल्टरबेल्ट प्रोग्राम' शुरू किया था। इसे अक्सर 'ग्रेट ग्रीन वॉल' कहा जाता है। यह प्रोजेक्ट कई प्रांतों में फैला हुआ है और इसका मकसद हवा से होने वाले कटाव को कम करना, हिलती-डुलती रेत को स्थिर करना और खेती की जमीन और बस्तियों को रेगिस्तान के फैलाव से बचाना है। तकलामकन इस प्रोग्राम के सबसे मुश्किल इलाकों में से एक बन गया। रेगिस्तान के अंदर जंगल लगाने की कोशिश करने के बजाय चीन के वैज्ञानिकों ने इसके किनारों पर ध्यान दिया जहां सिंचाई की मदद से खास तौर पर चुनी गई वनस्पतियां पनप सकती थीं और उड़ती रेत से सुरक्षा के लिए एक दीवार का काम कर सकती थीं। कई सालों में यह रणनीति रेगिस्तान के कुछ हिस्सों के चारों ओर लगाए गए पेड़ों, झाड़ियों और शेल्टरबेल्ट के एक बड़े नेटवर्क में बदल गई। इस परियोजना के तहत तकलामकन रेगिस्तान के चारों तरफ 3,000 किलोमीटर से ज्यादा लंबा एक अटूट हरा घेरा पूरा किया गया है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले 50 वर्षों में करीब 66 अरब पेड़ लगाकार रेगिस्तान की चारों तरफ से घेराबंदी की गई है।

# पाकिस्तान ने की भारत, इजरायल के खिलाफ 'इस्लामिक नाटो' का मुंह मोड़ने की कोशिश

## मुस्लिम देशों से साथ आने का आह्वान

इस्लामाबाद, 8 अगस्त (एजेंसियां)। सऊदी अरब और तुर्की के साथ 'मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट' पर साइन करने के एक दिन बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अपने देश को आतंकवाद का शिकार बताने की कोशिशें फिर से तेज कर दीं है। उन्होंने 'इस्लामिक नाटो' से भारत और इजरायल की तरफ से पैदा की जा रही 'चुनौतियों' से निपटने का आग्रह किया है।

सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच हुए इस जॉइंट एग्रीमेंट के तहत तीनों देश इस बात के लिए सहमत हुए हैं कि अगर किसी एक सदस्य पर कोई हथियारबंद हमला होता है तो उसे सभी पर हमला माना जाएगा। इस अहम सिद्धांत की तुलना नाटो के आर्टिकल 5 से की जा रही है जिसके अनुसार यूरोप में किसी एक सदस्य पर हथियारबंद हमले को सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है। बता दें कि पाकिस्तान जिसने कई दशकों से भारत में आतंकियों को भेजे हैं उसने पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद अपनी नीति बदल दी है। अब पाकिस्तान आतंकी हमलों के बाद भारत पर आरोप लगाना शुरू कर दिया है। ख्वाजा आसिफ ने एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल पर बात करते हुए कहा आतंकवाद को सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के लिए एक 'साझा खतरा' बताया।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कहा 'अफगानिस्तान से काम कर रहे भारत-समर्थित तत्व पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं।'

ख्वाजा आसिफ ने कहा कि चल रहे क्षेत्रीय विवादों जिनमें भारत के साथ हालिया सैन्य टकराव भी शामिल है उसके लिए 'मीडिया में बहस के बजाय आधिकारिक तौर पर निपटने' की जरूरत है। उन्होंने कहा 'मुस्लिम देशों को नाटो की तरह एक बड़ा गठबंधन बनाने की जरूरत है। सदस्य देशों को आपसी विवादों को दरकिनार करके एक एकजुट रक्षा गुट बनाना चाहिए।'

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध जिसमें अमेरिका, इजरायल और ईरान शामिल हैं उनपर बात करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि इस इलाके में मौजूदा तनाव 'सामूहिक इस्लामिक कूटनीति' की जरूरत को दिखाता है।

# 65 वर्षीय वृद्ध की पीट-पीटकर हत्या

## शव सुनसान जगह फेंका

### पुत्र ने जमीन विवाद में धमकी मिलने का आरोप लगाया

देवघर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के रिखिया थाना क्षेत्र के सोनवा डंगाल में शुक्रवार रात 65 वर्षीय रामकी महतो की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। अपराधियों ने साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को सुनसान जगह पर फेंक दिया था। शनिवार सुबह शव मिलने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान बिहरोजी गांव निवासी रामकी महतो के रूप में हुई है। शव पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे यह प्रथम दृष्टया पीट-पीटकर हत्या का मामला लग रहा है। मृतक के पुत्र प्रवीण महतो ने बताया कि उनके परिवार का कुछ लोगों के साथ जमीन विवाद चल रहा था।

# भारत की धरती पर पहली बार आ रहे जापान के स्वदेशी एफ-2 लड़ाकू विमान

## चीन की उड़ी नींद

टोक्यो/बीजिंग, 8 अगस्त (एजेंसियां)। जापान अपने एफ-2 लड़ाकू विमान को इस महीने के अंत तक भारत में भेजने जा रहा है। जिसको लेकर बीजिंग से कड़ी प्रतिक्रिया आई है। रिपोर्ट के मुताबिक जापान इस महीने के आखिर में एक संयुक्त हवाई अभ्यास के तहत पहली बार भारत में अपने एफ-2 फाइटर एयरक्राफ्ट तैनात करने की योजना बना रहा है।

चीन के सरकारी मीडिया ने इस कदम को बीजिंग के खिलाफ नई दिल्ली के साथ मिलिट्री तालमेल मजबूत करने की टोक्यो की कोशिश के तौर पर दिखाया है। ग्लोबल टाइम्स में बकायता इसपर एक लेख लिखा गया है। दरअसल

जापान के रक्षा मंत्री शिनजिरो कोइज़ुमी के 17 अगस्त से भारत और ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर आने की उम्मीद है।

नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान कोइज़ुमी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बातचीत कर सकते हैं जिसमें जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के एफ-2 फाइटर जेट्स की प्रस्तावित तैनाती पर चर्चा होने की संभावना है। अगर इसे मंजूरी मिल जाती है तो यह द्विपक्षीय ट्रेनिंग के लिए भारत में जापानी फाइटर एयरक्राफ्ट की पहली तैनाती होगी। दोनों देशों ने 2023 में जापान में अपनी पहली जॉइंट फाइटर एक्सरसाइज की थी जो इंडो-पैसिफिक पार्टनर देशों के बीच रक्षा सहयोग के लगातार विस्तार को दिखाता है। एफ-2 जापान का स्वदेशी लड़ाकू विमान है जिसे अमेरिकी एफ-16 के बराबर माना जाता है।

# झुंझनूं की इस पहाड़ी में छिपा है प्रकृति का अनोखा रहस्य!

## यहां रुद्राक्ष स्वरूप में एक साथ विराजते हैं शिव-पार्वती

राजस्थान के झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी स्थित प्राचीन शिवधाम अपनी अनोखी मान्यताओं और प्राकृतिक शिव-पार्वती स्वरूप के कारण श्रद्धालुओं के बीच विशेष आस्था का केंद्र है। यहां किसी शिल्पकार ने मूर्ति नहीं बनाई, बल्कि चट्टानों के बीच प्राकृतिक रूप से उभरे रुद्राक्ष स्वरूप की पूजा होती है। 182 सीढ़ियां चढ़कर गुफा तक पहुंचना अपने आप में रोमांचक अनुभव है। सावन में यहां हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक करने आते हैं। मान्यता है कि यहां जोड़े से जलाभिषेक करने पर वैवाहिक और प्रेम संबंधों में मजबूती आती है।

क्या आपने कभी ऐसा शिवधाम देखा है, जहां किसी मूर्ति की स्थापना नहीं की गई हो। स्वयं प्रकृति ने ही भगवान शिव और माता पार्वती का दिव्य स्वरूप गढ़ दिया हो। क्या ऐसी जगह की कल्पना की जा सकती है, जहां सैकड़ों वर्षों से चट्टानों के बीच उभरे प्राकृतिक रुद्राक्ष स्वरूप को लोग साक्षात शिव-पार्वती का रूप मानकर पूजा करते हों। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी कस्बे में स्थित शिवधाम इन्हीं रहस्यों और आस्था का संगम है। यहां पहुंचने वाला हर श्रद्धालु सिर्फ दर्शन ही नहीं करता, बल्कि प्रकृति की उस अद्भुत कारीगरी को भी निहारता है।

त्रिवेणी घाट के किनारे 142 फीट ऊंची पहाड़ी पर प्राकृतिक गुफा के भीतर यह प्राचीन शिवधाम मौजूद है। यह जगह वर्षों से श्रद्धा का केंद्र बनी हुई है। मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यहां भगवान शिव और माता पार्वती का स्वरूप है। यह स्वरूप शिल्पकार ने नहीं तराशा, बल्कि चट्टानों के बीच प्राकृतिक रूप से रुद्राक्ष जैसी आकृति में खुद उभरा है। मंदिरों के पुजारियों का कहना है कि इस तरह का प्राकृतिक शिव-पार्वती स्वरूप कहीं और देखने को नहीं मिलता।

**इस शिवधाम तक पहुंचना किसी एडवेंचर से कम नहीं**

इस शिवधाम तक पहुंचना भी किसी एड्वेंचर से कम नहीं है। श्रद्धालुओं को पहले पहाड़ी पर बनी 182 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है। रास्ते में चारों ओर फैली प्राकृतिक चट्टानें और ऊपर से दिखाई देने वाला मनोरम दृश्य मन को अलग ही अहसास देता है। गुफा के भीतर दिन के समय भी घना अंधेरा रहता है। बिना दीपक या रोशनी के भगवान शिव और माता पार्वती के इस रुद्राक्ष स्वरूप के दर्शन करना मुश्किल है। जैसे-जैसे श्रद्धालु गुफा के अंदर जाते हैं वैसे-वैसे वातावरण भी शान्त होने लगता है और कोई आवाज नहीं आती। केवल भक्तों के चलने की आवाज सुनाई देती है।

**पारदर्शी सुरक्षा शिला से रखा गया है सुरक्षित**

मंदिर के पुजारियों ने बताया कि समय के साथ लगातार जलाभिषेक और प्राकृतिक क्षरण के कारण यहां मौजूद स्वयंभू स्वरूप धीरे-धीरे घिसने लगा था। तब एक अनोखा निर्णय लिया। स्वरूप पर किसी प्रकार का रंग-रोगन या निर्माण कराने की बजाय उसे पारदर्शी सुरक्षा शिला आवरण से सुरक्षित कर दिया गया। इससे प्राकृतिक स्वरूप भी सुरक्षित रहा और श्रद्धालु आज भी बिना किसी नुकसान के जलाभिषेक कर अपनी आस्था व्यक्त कर रहे हैं।

राजा अजीत सिंह ने कराया था कुंड और धूणा का निर्माण मंदिर का इतिहास भी उतना ही दिलचस्प है। मंदिर के पुजारी भोलादास के अनुसार खेतड़ी रियासत के तत्कालीन नरेश अजीत सिंह ने यहां सबसे पहले कुंड और धूणा का निर्माण करवाया था।

इसके बाद स्थानीय भामाशाहों और ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर का लगातार विकास होता रहा। आज भी यहां होने वाले अधिकांश निर्माण और व्यवस्थाएं जनसहयोग से संचालित होती हैं।

पहाड़ी की तलहटी में द्वारिकाधीश गोसेवा गोशाला भी संचालित होती है। यहां बेसहारा देसी गायों की सेवा और संरक्षण किया जाता है।

इस शिवधाम की एक और विशेष पहचान यहां के पुजारी भोलादास की साधना है। उन्होंने विश्व शांति की कामना के लिए वर्ष 2006 से 2024 तक लगातार 18 वर्षों तक कठोर अग्नि तपस्या की थी। हर वर्ष गंगादशमी पर यहां विशाल प्रसाद वितरण किया जाता है। वहीं, सावन माह में यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है। इस दौरान जलाभिषेक के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मान्यता है कि इस शिवधाम में जोड़े से पति-पत्नी या प्रेमी प्रेमिका भगवान शिव और माता पार्वती के इस रुद्राक्ष स्वरूप पर जलाभिषेक करते हैं तो उनकी जोड़ी कभी नहीं टूटती है।

# सावन के दूसरे सोमवार को बुधादित्य सहित रहेंगे 3 बेहद शुभ योग

सावन माह का दूसरा सोमवार 10 अगस्त 2026 को है। इस दिन ग्रह नक्षत्रों की स्थिति के चलते कुछ शुभ योग बनेंगे। कर्क राशि में सूर्य-बुध की युति के चलते इस दिन बुधादित्य योग रहेगा। वहीं मिथुन राशि में चंद्रमा और मंगल की युति से महालक्ष्मी योग बनेगा। इसके साथ ही कन्या में बैठ शुक्र और मीन में बैठे शनि के बीच समसप्तक योग का निर्माण होगा। इन शुभ योगों के चलते शिव पूजन से कुछ राशियों को बेहद शुभ परिणाम मिल सकते हैं। आज हम आपको इन्हीं राशियों के बारे में जानकारी देंगे।

**कर्क राशि**

सावन का महीना कर्क वालों के लिए बेहद खास होता है क्योंकि इस माह में कर्क राशि के स्वामी ग्रह चंद्रमा के पूज्य शिव जी की आराधना की जाती है। सावन के सोमवार के दिन चंद्रमा, मंगल के साथ महालक्ष्मी योग बनाएंगे जिसके चलते आर्थिक लाभ और करियर में उन्नति कर्क वाले पा सकते हैं। साथ ही इनकी भक्ति से प्रसन्न होकर शिव जी भी इनपर कृपा बरसा सकते हैं।

**सिंह राशि**

सिंह राशि के जातक वर्तमान में शनि की ढैय्या की चपेट में हैं। ऐसे में सावन सोमवार पर अगर आप शिव पूजन करते हैं तो शिव जी की असीम कृपा आप पर बरस सकती है। सावन सोमवार के दूसरे दिन बने शुभ योगों के चलते आपको पूजन का शुभ परिणाम भी जल्दी प्राप्त हो सकता है। जिसके चलते आर्थिक और पारिवारिक जीवन में आप उन्नति पा सकते हैं।

**धनु राशि**

राशिचक्र की नवम राशि धनु के जातक भी शनि की ढैय्या से पीड़ित हैं इसलिए सावन के दूसरे सोमवार के दिन शिव पूजन से इन्हें भी शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। आपके जीवन में जो कठिनाइयां आ रही हैं उनका समाधान आप पा सकते हैं और साथ ही सेहत में भी सुधार देखने को मिलेगा। शिव कृपा से इस राशि के जातकों के बिगड़ते काम भी बन सकते हैं।

**कुंभ राशि**

सावन के दूसरे सोमवार के दिन आपकी राशि के स्वामी शनि और शुक्र के बीच समसप्तक योग रहेगा जिसके चलते पारिवारिक जीवन में सुखद फल आपको मिल सकते हैं। साथ ही शनि की साढ़ेसाती के कारण जो परेशानियां आपके जीवन में आ रही हैं उसका भी समाधान आपको शिव कृपा से मिल सकता है। आर्थिक उन्नति इस राशि के कुछ जातक पा सकते हैं।

**मीन राशि**

भगवान शिव के परम भक्त शनि देव आपकी ही राशि में विराजमान हैं। ऐसे में सावन सोमवार के दिन आप शिव मंत्रों का जप, दान आदि करते हैं तो शिव जी की असीम कृपा आपको मिल सकती है। इसके साथ ही शनि देव का बुरा प्रभाव भी आपके ऊपर से दूर हो सकता है।

# दोपहर के समय पूजा करना शुभ या अशुभ?

सनातन धर्म में सुबह ब्रह्म मुहूर्त में सोकर उठना सबसे उत्तम माना गया है. सुबह ही पूजा-पाठ करने का विधान है, लेकिन आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल के कारण कई लोग सुबह जल्दी पूजा-अर्चना नहीं कर पाते इसलिए कुछ लोग दोपहर में स्नान करके पूजा करने की आदत डाल लेते हैं. कभी-कभी घर पर किए जाने वाले विशेष धार्मिक कार्यक्रम या हवन दोपहर तक चलते रहते हैं. ऐसे में शास्त्रों के अनुसार, दोपहर में पूजा शुरू करना उचित है या नहीं, यह जानना सभी के लिए जरूरी है.

**हमें दोपहर में पूजा क्यों नहीं करनी चाहिए?**

शास्त्रों में आमतौर पर दोपहर में नई पूजा शुरू करना वर्जित माना जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक का समय देवी-देवताओं के विश्राम का समय होता है. इस दौरान मंदिरों

के द्वार भी बंद कर दिए जाते हैं ताकि देवी-देवताओं के विश्राम में खलल न पड़े इसलिए इस समय घर में कोई नई पूजा या आराधना शुरू करने से बचना उचित है.

**दोपहर की पूजा करने के लिए सुझाव**

कुछ विशेष परिस्थितियों में ही दोपहर की पूजा दोषरहित मानी जाती है. यदि सुबह शुरू होने वाली कोई लंबी पूजा दोपहर तक चलती है, तो उसमें कोई दोष नहीं होता. साथ ही, नवरात्रि के दौरान यदि कलश स्थापना के लिए सुबह का शुभ समय छूट जाए, तो पूजा दोपहर के 'अभिजीत मुहूर्त' में की जा सकती है. इसके अतिरिक्त, राहु काल के दौरान कालसर्प दोष दूर करने जैसी विशेष उपचारात्मक पूजाएं करनी चाहिए इसलिए शास्त्रों में दोपहर में राहु काल आने पर इस अनुष्ठान को करने की अनुमति है.

**दोपहर में पूजा करने के लिए क्या करें?**

यदि आप दोपहर के समय किसी देवता को श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहते हैं या प्रार्थना करना चाहते हैं, तो मूर्तियों को छुए बिना 'मानसिक पूजा' करना उचित है. अर्थात, भगवान को विचलित किए बिना दूर से नाम जपना और मन ही मन धन्यवाद देना अत्यंत शुभ माना जाता है.

# रविवार और मंगलवार को नहीं खरीदने चाहिए मिट्टी के बर्तन

कई घरों में मिट्टी के बर्तनों में खाना पकाया जाता है। यही नहीं, गर्मियों में पीने के पानी के लिए मिट्टी के बर्तन खरीदे जाते हैं। मिट्टी के बर्तनों का पानी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। हालांकि, वास्तु शास्त्र और पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, यह जानना बहुत जरूरी है कि नया मिट्टी का बर्तन कब खरीदना चाहिए, किन दिनों में नहीं खरीदना चाहिए और सही चुनाव कैसे करना चाहिए?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, रविवार और मंगलवार को मिट्टी के बर्तन खरीदने से बचना चाहिए। इन दो दिन को मिट्टी के बर्तन खरीदने के लिए अशुभ माना जाता है। मंगल ग्रह पृथ्वी तत्व का प्रतीक है इसलिए ऐसा माना जाता है कि मंगलवार को घर में मिट्टी के बर्तन लाना उचित नहीं है। इसके अलावा, कुछ पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, शनिवार को भी मिट्टी के बर्तन खरीदने से बचना चाहिए।

**सूर्यास्त के बाद गमला क्यों नहीं खरीदना चाहिए?**

ऐसा कहा जाता है कि सूर्यास्त के बाद यानी शाम या रात में मिट्टी के बर्तन खरीदना और घर लाना अशुभ होता है। मिट्टी के बर्तन हमेशा दिन के उजाले में ही खरीदने चाहिए। जब कोई पुराना बर्तन टूट जाए या नए बर्तन की जरूरत हो, तो इन नियमों को ध्यान में रखते हुए ही खरीदना सबसे अच्छा होता है।

**चमकदार या रंगीन गमलों को खरीदने से बचें**

बर्तन चुनते समय वास्तु के साथ-साथ स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना जरूरी है। बाजार में मिलने वाले चमकदार या आकर्षक रंगों से रंगे बर्तन न खरीदें। इन पर रासायनिक रंगों या वार्निश की परत चढ़ी होती

है। ऐसे बर्तन में पानी भरकर पीने से केमिकल पानी में मिल सकते हैं और आपके स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

**मिट्टी के बर्तन की सही तरीके से जांचकर खरीदारें**

अच्छा बर्तन चुनने के लिए उसे उंगली से हल्के से थपथपाकर देखें। अगर थपथपाने पर धीमी या हल्की आवाज आए तो इसका मतलब है कि बर्तन ठीक से पका नहीं है और कच्चा है। ऐसा बर्तन चुनें जिससे तेज और साफ 'खनक' की आवाज आए। आखिर में, खरीदने से पहले बर्तन में पानी भरकर देख लें और घर लाने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि कहीं से भी पानी रिस न रहा हो।

# किस दिशा में हो रसोई और बेडरूम?

किस दिशा में होना चाहिए रसोईघर? वास्तु शास्त्र में रसोईघर को अग्नि तत्व का स्थान माना गया है। इसलिए रसोई के लिए दक्षिण-पूर्व (आग्नेय कोण) सबसे शुभ दिशा मानी जाती है। कहा जाता है कि इस दिशा में बनी रसोई परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति के लिए लाभकारी होती है।

**खाना बनाते समय किस दिशा में होना चाहिए मुख?**

वास्तु के अनुसार भोजन बनाते समय गृहिणी या खाना बनाने वाले व्यक्ति का मुख पूर्व दिशा की ओर होना सबसे शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

किस दिशा में होना चाहिए मास्टर बेडरूम? घर के मुखिया का बेडरूम दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य) दिशा में होना सबसे सही माना जाता है। यह दिशा स्थिरता, आत्मविश्वास और पारिवारिक नेतृत्व का प्रतीक मानी जाती है। इस दिशा में बना बेडरूम परिवार में तालमेल और रिश्तों में मजबूती लाने वाला माना जाता है।

**बच्चों का कमरा किस दिशा में हो?**

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बच्चों का कमरा पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा में शुभ माना जाता है। इससे उनकी पढ़ाई, रचनात्मकता और आत्मविश्वास में वृद्धि होने की मान्यता है।

**पूजा घर की सही दिशा क्या है?**

पूजा घर के लिए उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) सबसे शुभ माना जाता है। यह दिशा देवताओं का स्थान मानी जाती है। इस दिशा में नियमित पूजा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति और आध्यात्मिक वातावरण बना रहता है।

**बाथरूम और टॉयलेट किस दिशा में होना चाहिए?**

वास्तु के अनुसार बाथरूम और टॉयलेट के लिए उत्तर-पश्चिम या पश्चिम दिशा को उपयुक्त माना गया है। वहीं इन्हें घर के ईशान कोण या घर के बिल्कुल मध्य भाग में बनाने से बचने की सलाह दी जाती है।

**घर का मुख्य द्वार किस दिशा में हो?**

मुख्य प्रवेश द्वार को वास्तु में बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में बना मुख्य द्वार शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इन दिशाओं से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है और सुख-समृद्धि बढ़ती है।

# 80 फीट ऊंचा, 290 फीट गोलाई इस शिवलिंग की हर साल बढ़ रही ऊंचाई

सावन में भोलेनाथ के भक्तों का शिवालयों में तातां लगा हुआ है। हर मंदिर की अपनी महिमा और मान्यताएं हैं। दरअसल, छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिला मुख्यालय से महज 3 किलोमीटर दूर मरौदा गांव के घने जंगलों में स्वयंभू शिवलिंग है, जिन्हें भूतेश्वर महादेव कहा जाता है। भूतेश्वरनाथ महादेव जागृत माने गए हैं। अर्धनारीश्वर स्थिति में मौजूद इस शिवलिंग की लंबाई 80 फीट है, जिसका व्यास 290 फीट है। माना जाता है कि विशाल शिवलिंग का आकार लगातार बढ़ रहा है, जिसके कई भौतिक प्रमाण भी मिलते हैं। इसे विश्व का सबसे विशाल शिवलिंग का दर्जा भी मिला हुआ है।

सावन में शिव भक्तों का हुजूम उमड़ता है और इस अलौकिक शिवालय के दर्शन करने के लिए दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। पूरे सावन भूतेश्वर महादेव में भक्तों में भीड़ उमड़ती है। पहाड़ों और वनों से घिरे विशाल शिवालय को भकुर्रा महादेव के नाम से जाना जाता है।

शिवालय में प्राकृतिक जलहरी भी स्पष्ट दिखता है। इसके बाएं छोर में गणेश जी और दाएं में माता भगवती की नयनाभिराम आकृति श्रद्धालुओं को अपने ओर आकर्षित करती है। यहां 12 महीने भारत के कोने-कोने से दर्शन करने सैकड़ों श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि सच्चे दिल से मांगी हर मुराद यहां पूरी होती है।

शिवालय की ऊंचाई पहले महज 7-8 फीट थी माना जाता है कि कालांतर में शिवालय की ऊंचाई पहले महज 7 से 8 फीट थी। गीता प्रेस में 1949 में प्रकाशित अंक में इसकी ऊंचाई 65 फीट और आंकी गई थी। जियोलॉजिकल सर्वे में भी इसकी पुष्टि हुई कि एक समय तक निर्धारित ऊंचाई में स्वयंभू शिवालय की ऊंचाई और गोलाई में बढ़ोतरी हुई है। कहा जाता है की घनघोर जंगल में बसे इस शिवालय के आसपास नंदी के रंभाने की आवाज आती थी, जिसे बोलचाल में भकरूना कहते हैं। जलहरी के मुहाने पर मौजूद एक शिला से यह आवाज आती थी इसलिए इसका नाम भकुर्रा महादेव पड़ गया।

**धार्मिक ग्रंथों में शिवासा के रूप में जिक्र**

धार्मिक ग्रंथों में इस क्षेत्र का जिक्र दण्डकारण्य के शिवासा के रूप में हैं। इसका अर्थ शिव क्षेत्र होता है। कहा जाता है कि जब भगवान शिव-पार्वती पुत्र गणेश के साथ आकाश मार्ग से नंदी के साथ जा रहे थे, तभी उनकी नजर इस प्राकृतिक शिवलिंग पर पड़ी। भगवान ने परिवार सहित शिवालय में समाहित होकर इसे

जीवंत कर दिया। धर्म जागरण सेवा संस्था के सदस्य पारस देवांगन ने बताया कि इस शिवालय के 40 किमी परिधि में मौजूद नदिया, पहाड़ हो या फिर राजिम में लोमस ऋषि, नगरी के श्रृंग ऋषि या पहाड़ों में मुचकुंद ऋषि का वास हो ये सभी भगवान भोलेनाथ के प्रति लगाव और प्रताप के भौतिक प्रमाण के रूप में माने जाते हैं।

**1949 में प्रकाशित हुई थी लंबाई शिवलिंग की लंबाई**

सावन में जलाभिषेक हो या फिर महाशिरात्रि में भोलेनाथ के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। भूतेश्वर नाथ सेवा समिति के सदस्य डॉ। आशीष शर्मा का कहना है कि शिवालय लगातार बढ़ते जा रहा है। गीता प्रेस में 1949 में प्रकाशित कल्याण पत्रिका में जितनी लंबाई बताई गई, उसके मुकाबले शिवालय काफी बढ़ चुका है।

**भूतेश्वर को लेकर क्या कहते बुजुर्ग**

वहीं, भूतेश्वर नाथ समिति के अध्यक्ष पारस रामदेव का कहना है कि भीड़ अब बढ़ती जा रही है। प्रशासन का पूरा सहयोग मिलता है। समिति के लोग सभी निस्वार्थ सेवा करते हैं। श्रद्धालु नम्रता पटेल ने कहा कि बढ़ते शिवालय की कहानी बुजुर्गों से सुनी है। बाबा हर मनोकामना पूर्ण करते हैं।

## युद्ध जीतने वाला सम्राट कैसे बना मानवता का पुजारी

प्रसंग उस समय का है, जब सम्राट अशोक ने कलिंग विजय कर ली थी। उस युद्ध में भारी संख्या में निरपराध लोग मारे गए थे। बहुत से बच्चे अनाथ हो गए और स्त्रियां विधवा हो गईं। सम्राट अशोक अपने विजय गर्व में चूर हो रहे थे। जीत का जश्न मनाया जा रहा था। अशोक अपनी माता को बता रहे थे, ''कलिंग नरेश मेरी अधीनता स्वीकार नहीं कर रहा था। मैंने उसे ही नहीं पूरे कलिंग को राख के ढेर में तबदील कर दिया।''

सम्राट अशोक सोच रहे थे कि माता उनके इस विजय पर गर्व करेंगी, खुश होंगी। लेकिन सम्राट अशोक की अहंकारपूर्ण बातें सुनकर माता दुखी हो रही थीं। उनकी आंखों से झर-झर आंसू बहने लगे। वह इस युद्ध और उसके परिणाम से अत्यंत दुखी थीं। माता को दुखी देखकर अशोक को आश्चर्य हुआ। उसने पूछा, ''माता! आप रो रही हैं? ऐसा क्यों?

आपको तो अपने वीर और विजयी पुत्र पर गर्व होना चाहिए। प्रसन्न होना चाहिए कि आपके पुत्र ने कलिंग पर विजय प्राप्त कर ली है।''

महारानी ने उत्तर में जो शब्द कहे, वे बहुत मार्मिक और झकझोरने वाले थे। महारानी ने अशोक से कहा, ''पुत्र! तेरा नाम अशोक है, यानी दुनिया को शोकमुक्त करने वाला, लेकिन तू तो संसार में शोक का ही प्रसार कर रहा है। तनिक विचार कर कि जिन लाखों नारियों के पुत्र और पति मृत्यु को प्राप्त हुए हैं, उनमें यदि एक तू स्वयं भी होता तो तेरी माता को कितनी पीड़ा होती?'' महारानी इससे अधिक कुछ नहीं कह पाईं, लेकिन माता के वचनों ने अशोक का हृदय परिवर्तन कर दिया और उन्होंने युद्ध का मार्ग छोड़कर बौद्ध धर्म अपना लिया।

# क्रिकेट इतिहास के महान खिलाडी : गैरी सोबर्स

अतुल कुमार

जब भी विश्व क्रिकेट की चर्चा होती है तब बदस्तूर जिन लीजेंड खिलाडियों का उल्लेख होता है उनमें आस्ट्रेलिया के ऐतिहासिक खिलाडी डान ब्रैडमेन और वेस्टइंडीज़ के गैरी सोबर्स का नाम लिया जाता है जिन्होंने अपने शानदार खेल प्रदर्शन से क्रिकेट को नयी उंचाइयां दीं . चार पीढियां इन महान खिलाडियों के नाम और ज़िक्र को ले बडी हुई हैं . क्रिकेट के विश्लेषक और जानकार भी उनकी महानता का वर्णन करते हैं . दोनों महान खिलाडियों के खेल को ले रिकार्ड बुक्स और कीर्तीमान भी इस तथ्य का समर्थन करते हैं कि वास्तव में वह खेल के पितामह थे . यह उन दिनों की बात है जब दुनिया में इस गेम का उतना प्रसार - प्रचार नहीं हुआ था जितना आज है .गैरी सोबर्स के खेल के प्रति समर्पण और मैदान पर उनकी महानता के कारण उनको क्रिकेट इतिहास के सबसे बेहतरीन आलराउंडर्स में शुमार किया जाता है . प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में लगातार छः छक्के लगाने वाले वह दुनिया के पहले बल्लेबाज़ थे . ब्रिटिश साम्राज्य के पतन के बाद उनकी जादुई प्रतिभा ने वैश्विक स्तर पर अश्वेतों की उत्कृष्टता को स्थापित किया .किसी ने खूब लिखा " खामोश रहते थे ,मगर कमाल करते थे / वह मैदान पर उतर कर हमेशा एक नया इतिहास लिखते थे // "

विश्व क्रिकेट में गैरी सोबर्स एक सुनहरे दौर ,पर्फामेंस ,और पर्फेक्शन का नाम था जिसे देखने के लिये खेल प्रेमी उत्साहित रहा करते . सोबर्स ने अपने खेल से जो दास्तां लिखी वह खेल इतिहास का गौरवशाली अध्याय बना जिसने युवा खिलाडियों के लिये एक टेक्सट बुक और गाईड का काम किया .बीती 17 जुलाई को 89 वर्ष की उम्र में उनके निधन से खेल जगत में शोक की लहर फैल गयी .सोबर्स ने खेल में काले –गोरे के भेद को खत्म किया और खेल को सभी के लिये खेल को समान बना इसे लेवल प्लेयिंग गेम बनाया . उनकी अदम्य प्रतिभा ने अश्वेतों की उत्कृष्टता को इस शानदार तरीके से साबित किया कि जिसने तत्कालीन क्रिकेट में मौजूद पुरानी नस्लीय ऊंच –नीच और औपनिवेशिक सोच को खत्म किया .

डान ब्रैडमैन ने यह दिखाया कि क्रिकेट कितनी पूर्णता से खेला जा सकता है . वहीं सोबर्स ने बताया कि इसे कितनी आज़ादी और उदारता के साथ साझा किया जा सकता है . क्रिकेट की संकीर्ण दीवारों को ढहाया और इसे वैश्विक मंच पर पहचान दिलवायी .सोबर्स सबसे महान और सबसे संपूर्ण क्रिकेटर थे जिन्होंने खेल में कई ऐतिहासिक दास्तानों को लिखा . यह साबित किया कि स्पोट्र्स मैंन स्पिरिट क्या होती है ? दरअसल गैरी सोबर्स सिर्फ खेल के असाधारण खिलाडी नहीं थे वह क्रिकेट की परिभाषा थे . खेल का सबसे शुद्ध रूप थे जिसको देख कई क्रिकेटर इंस्पायर हुए और उनको अपना आइडियल माना . भारत के विक्रम वीर बल्लेबाज़ सुनील गावस्कर के अनुसार " धरती के महानतम आल राउंडर और क्रिकेटर थे . उनके अनुसार सोबर्स वह सब कुछ थे जो एक बच्चा बल्ला या गेंद उठाते समय बनने का सपना देखता है . वह क्रिकेट के सबसे बडे मानक ( स्टैंडर्ड ) थे जिनके सरीका कोई दूसरा नहीं हुआ . वह बांए हाथ से कई तरह की गेंदबाज़ी और शानदार फील्डिंग करने की अद्भुत क्षमता रखते थे . खेल में जितने महान थे व्यक्तिगत जीवन में उतने ही विनम्र और सज्जन व्यक्ति थे .

वह इतने आला दर्जे के आलराउंडर थे कि एक गेंद को मारने के लिये उनके पास चार से पांच शाट हुआ करते थे गेंदबाज़ी में उनका कोई सानी नहीं मीडीयम पेस ,स्पिन , और चाइनामैन सबमें बेहतरीन थे उनके अवसान से सिर्फ वेस्ट इंडीज़ ने नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने एक महान खिलाडी को खो दिया . बताया जाता है कि जन्म के समय उनके दोनों हाथों में 6 – 6 उंगलियां यानी कुल 12 उंगलियां थी बचपन में चाकू से उन्होंने उन दो अतिरिक्त उंगलियों काट दिया जो उनके अदम्य साहस को दर्शाता है . सन 1958 में पाकिस्तान के विरुद्ध नाबाद 365 रन बनाए जो लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट में सबसे बडा व्यक्तिगत स्कोर था .

उनका जन्म 28 जुलाई 1936 को बारबाडोस में हुआ और 17 जुलाई 2026 को निधन हुआ . मात्र 17 साल की उम्र में वेस्टइंडीज़ के लिये टेस्ट पदार्पण किया .टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 8000 से अधिक रन और 235 से ज़्यादा विकेट दर्ज हैं .सर डान ब्रैडमैन ने उनको क्रिकेट के सभी गुणों का नगीना कहा . मुख्य रूप से अपने कैरीयर की शुरुआत गेंद्बाज़ के रूप में की थी .लेकिन अपनी असाधारण बल्लेबाज़ी की प्रतिभा के दम पर जल्द ही दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज़ बन गये जिनकी बैटिंग को देख खेल प्रेमी हैरान हुए .सन 2000 में " विसडन " द्वारा उनको सदी के महान क्रिकेटर की उपाधि से सम्मानित किया गया . महारानी एलिज़ाबेथ द्वारा सन 1975 में उन्हें क्रिकेट में सुनहरे योगदान के लिये " नाइट " की उपाधि से नवाज़ा गया .

सोबर्स का पूरा नाम गारफील्ड सेंट आर्बन सोबर्स था . गारफील्ड उनका मूल और असली नाम था जो उनके माता – पिता ने उनके जन्म के समय रखा था . सोबर्स उनका उप नाम था . खेल में ख्याति पाने लगे तो लोग प्यार से उनको गैरी सोबर्स कहने लगे .आजीवन इसी नाम से जाने गये . वेस्ट इंडीज़ के लिये 1954 से 1974 के बीच 93 टेस्ट मैच खेले .फील्डर के रूप में स्लिप और शार्ट लेग पर किसी भूखे तेंदुए की तरह मुस्तैद रहते . हमेशा अपनी अंतः प्रेरणा से खेलते , जो उनको कुदरत से मिला था . वह उस दौर के नायक थे जब क्रिकेट का अर्थ सिर्फ रन बटोरना नहीं था . खेल को ले भव्य कलपनाशीलता उनमें रची बसी थी जिसे बढाना चाहते थे . वही किया भी . क्रिकेट के मौजूदा विशाल रूप स्वरूप को बढाने में ऐसे महान खिलाडियों को कैसे भुलाया जा सकता है ? क्रिकेट इतिहास के इस अनोखे खिलाडी ने दुनिया को अलविदा कहने के पहले अपने बल्ले और गेंद के जिस तिलस्मी रूप को पीछे छोडा वह किसी विश्वविद्यालय से कम नहीं है . क्यो कि उसमें खेल के सभी विभागों के ऐसे नायाब अफसाने हैं जो खेल प्रेमियों की यादों में बसे हैं . किसी शायर ने खूब लिखा " खेल के मैदान पर जो अमर हो गया / वक्त भी उसके आगे झुक कर सो गया / मैदान पर तुम्हारा हर निशान रह जायेगा /खेल का हर खिलाडी और आशिक तुम्हें याद रखेगा //

# काव्य कुंज

## सावन

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

देखो - देखो सावन आया
मन में एक उमंग है लाया
चहुं ओर छाई हरियाली
दिल ने भी ले ली अंगराई ।
चलो सखी हरी चूड़िया लेने
साथ में हम मेंहदी भी ले लें
पिया मिलन की रुत है आई
मीठी तान कोयलिया गाई ।
हरी-हरी चूड़िया शोभे कलाई
जैसे दूध में पड़ी मलाई
मेंहदी हाथ की शोभा बढ़ाए
जो मेरे प्रीतम के मन भाए।
सावन का ये रूप सुहाना
जो दिल को करता दीवाना
शीतल मंद पवन है चलती
मोह हृदय हम सब के लेती ।
बड़ा ही पावन मास है सावन
लगता सबको है मन -भावन
हृदय मेरा भी खिल जाता है
जब भी ये सावन आता है।
जब भी रिमझिम बूंदे बरसे
पिया मिलन को मनवा तरसे
जल्दी घर आ जाओ प्रीतम
मन मेरा विह्वल लगता प्रीतम
कोयल जब भी छेड़े तान
दिल पे लगे मेरे तीखे वाण
ये दूरी अब सहन ना होती
जल्दी घर आ जा मेरी जान।
कब से बैठी आस लगाए
चंचल नैना नीर बहाए
दिल मेरा अब है घबड़ाए
तुझ बिन एक पल रहा ना जाए।
जल्दी घर आओ मेरी जान
ताकि बच जाय मेरे प्राण
बात सुनो तुम खोल के कान
संजू का तुम रख लो मान ।

## कोशिश

कुमुद बाला,
हैदराबाद

कोशिश करने वालों की
जीवन में हार नहीं होती
दलदल भरी नदिया से
नैया कभी पार नहीं होती
जो बैठ किनारे रोते मंज़िल
उनसे रूठ जाती है,
मेहनत करने वालों के
दिल में,किस्मत मुस्कुराती है।
साहस बिन नाविक के हाथों में,पतवार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की जीवन में,हार नहीं होती।
चट्टानों से टकराकर निर्झर , निर्मल गीत सुनाता है,
तपकर ही अयस्क कुंदन बन ,जग में सम्मान पाता है।
बिन तपिश धातु की जगत में,जय-जयकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की जीवन में , हार नहीं होती।
जो काँटों से कर ले दोस्ती ,फूलों का हार वही पाता है,
आँधी से जो नैन मिलाये , वही शिखर पर चढ़ पाता है।
बिन संघर्ष ऋतुओं के आँगन में,चंचल बहार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की जीवन में , हार नहीं होती।
ठान लें मन में लक्ष्य अगर ,पथ मंज़िल तक ले जाते हैं,
दृढ़ संकल्पों हेतु पर्वत भी ,हो नतमस्तक झुक जाते हैं।
हर बूँद सुनहरी मेहनत की कभी , बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की जीवन में, हार नहीं होती।

## अग्निपथ: एक चुनौती

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

अग्निपथ पर चलना
भारतभूमि का प्रारब्ध है,
किंतु हर अग्निपरीक्षा
को पार कर जाना,
भारत मां के सपूतों
की आन-बान और शान है,
हर पलछिन मां की
सीमाओं पर ,हर योद्धा कुर्बान है।
कदम-कदम पर आपदाओं ने घेरा जिन्हें,
विदेशी ताकतों और आतंकियों ने ललकरा जिन्हें,
फिर भी अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ने का प्रण लिए,
वो सीमाओं के प्रतिबद्ध प्रहरी का वचन लिए,
संघर्षों व कठिनाइयों से जूझने का अथक प्रयास लिए,
सफर की दुर्गम पगडंडियों की ओर कूच करते रहे।।
आसां नहीं है इस पथ का राहगीर बनना,
क्योंकि अग्निपथ तो एक मार्ग है चुनौती भरा,
मुश्किलों से भरा है ये एक जखीरा।
सलाम है भारत मां के हर उस सपूत को,
जिसने अपने हौसले और जुनून से,
मां की धानी चूनर को खुशी के रंगों से है उकेरा।।

## हिन्दुस्तान

टी तारासिंह
हैदराबाद

ये जमी हमारी जान है
ये आसमां हमारा आशियाना है
हम है इस जमी के रखवाले
थामे है इस जमी का हाथ
मरते दम तक साथ ना छोडेगे
ये पवन जमी है सनातन धर्मो की
इस जमी मे है अपनापन, एकता और भाईचार्या
इस जमी ने हमे प्यार दिया , इज्जत दी
हम इस जमी को नमन करते है
यहाँ के कण - कण मे है आस्था ओर मर्यादा
देश हो या शहर या गांव सब मे है देशभक्ति
देश के लिए अपना खून बहा देगे
अपने देश का झंडा सदैव ऊंचा रखेगे
सारे जहां से अच्छा - प्यारा हिन्दुस्तान हमारा ।।

## श्रावणी भोर

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

श्रावणी भोर की रंगत ही कुछ और है।
काली सफेद घटाओं के बीच
चिमटिमाते दीए की लौ सम,
प्रकाश की ओर कदम
बढाने की छटा कुछ और है ।
सावन-भादों की घोर घनेरी रात में,
टिप टिप जल बरसाता बादलों के बीच,
चमकती दामिनी की दमक ही कुछ और है ।
झींगरों के संगीत पपीहे की पी -पी,
धीमी होती बारिश की बूंदों के संग रजनी का जाना,
उजाले का छिप- छिप के आने की अदा कुछ और है ।
हर कालिमा को चीर, बिखरी उम्मीदों को बीन,
नई आशाओं के संग चलते रहने का संदेश,
बताने का यह सुंदर तरीका कितना बेजोड़ है।
श्रावणी भोर की रंगत ही कुछ और है।

## भारत अभ्युदय

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

प्रगति के पथ पर तय,
पग-पग अग्रसारित नित्य,
अविरल-अविश्राम सुकृत्य,
सतत साधना में रत है सुसाध्य।
रोध-प्रतिरोध तो संभाव्य,
प्रतिशोध मानसिकता असह्य,
घृणित मनमर्जी का औचित्य,
चित्र-विचित्र व्यवहार असव्य,
भटका-भड़का-बहका युवा असंतुल्य।
भारत अभ्युदय के पथ पर,
रत है युवा-भारत सदा तत्पर,
अविकल-अविचल हो अग्रसर,
अड़चनें-अटकलें करें तर-बतर,
अंततः अभ्युदय 'गंध' हो बेहतर।

## वंदे मातरम गाओ भाई

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

आजाद मुल्क के वासी हैं हम
आजादी की बज रही शहनाई,
जान की बाजी लगा गए जो
स्मरण कर आँख भर आई,
दम घुटता था अपने ही देश में
जब गद्दारों ने आग लगाई,
क्या मजाल ,सर उठाए कोई
क्यों अपनों ने की हरजाई,
अपने ही अपनों से लड़ते
स्वयँ अपनी नाक कटवाई,
पायदान बने अंग्रेजों के
अपनों को सूली चढ़वाई,
हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई
यहाँ सब हैं भाई भाई,
अपने घर में अब न लड़ना
अपनों की सोचो भलाई,
बहकावे में न आना किसी के
हो न अब और जग हँसाई,
भाषा, क्षेत्र, धर्म में न उलझो
एकता की बजाओ शहनाई,
सबका मालिक एक है
जिस दिन बात समझ यह आई,
वो दिन होगा आजादी दिन
बनो अमर शहीद की परछाई,
तप,प्रेम,त्याग धर्म हमारा
सच्ची देशभक्ति सच्चाई,
देश खातिर जीना सीखो
वही है जीवन सच्ची कमाई,
आजादी की कीमत जानो
और कहीं नहीं रहनुमाई,
शहीदों की कुर्बानी का
कुछ तो अंश चुकाओ भाई,
आजाद मुल्क के वासी हैं हम,
मुश्किल से आजादी पाई
आजादी की बजाओ शहनाई,
वंदे मातरम गाओ भाई,
वंदे मातरम गाओ भाई।

## मोहब्बत का बीज

डॉ. चक्रपाल सिंह
हैदराबाद

फूलों से भी नाजुक मोहब्बत
मोहब्बत का इक बीज उगाकर देख
वक्त की हथेली पर
उगे नफ़रत के दौर में
मोहब्बत की दुआ करके देख
ये चीख़ शोर ये भगदड़ ये
ये बीज फूट और नफ़रत के किसने बोए
ज़रा ठहर, सोचकर देख
ज़वाब मौन, उलझा हर इंसान
अकस्मात चली आग की आंधी
हर फूल मोहब्बत का झुलसा
आंधी की बहती लौ को देख
ऐ इंसानियत के दुश्मन नफ़रत के सौदागर
मोहब्बत से नजरें मिलाकर देख
काश ! एक बार भौंरा बन
फूल मोहब्बत पर मँडरा के देख
शहद शहद तू हो जाएगा
मधुमक्खी बन मोहब्बत का
रसास्वादन करके देख
बुझ जाएंगे नफ़रत के अंगारे
इस नाजुक फूल को छूकर देख
तितली बन, मोहब्बत की आँखों में लिखे
पैग़ाम को पढ़कर देख
उसके दिल की गहराइयों में जाकर देख
मोहब्बत का एक बीज उगाकर देख .

## स्तब्ध

दर्शन सिंह
हैदराबाद

एक अजीब टकराहट
छोटी बड़ी लकीरों की दोस्तों
जिस चौरस्ते से गुजरो
कथा शमशीरों की दोस्तों
विक्षुब्ध , मूकदर्शक
खड़ी है इक्कीसवीं सदी
हंसू या रोऊँ, हास्यास्पद जंग जमीरों की दोस्तों
अच्छा तो लगता है सितारों के मध्य आशियाना
दूसरी तरफ सांप सीढ़ी कृत्य वजीरों की दोस्तों
जैसे चुनाव रणभेरी , साष्टांग दंडवत किया जाता
कुर्सी काबिज़, सुध नहीं लेता नेत्रनीरों की दोस्तों
आये दिन कैंडल मार्च, चौपाल सजा दी जाती है
स्तब्ध , धज्जियां उड़ाई जाती प्रतीरों की दोस्तों ।।

## "आलोचना"

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

आलोचना में छिपा सत्य जाना करो,
प्रशंसा में छुपा झूठ भी समझा करो
अलोचना हमें मजबूत बनाती ,
प्रगति का मार्ग प्रशस्त कराती
आलोचना से उबलना नहीं,
आलोचना से डरना नहीं
अपने सुधार के लिए उपयोग करो,
आलोचना को स्वीकार करो
सलाह रुप ही स्वीकार कराओ,
अपने विकास का हिस्सा बनाओ
समस्या का समाधान हो जाएगा,
समस्या का निराकरण हो जाएगा ।

## मोबाइल

गजानन पाण्डेय

आज के दौर में
' मोबाइल ' बना हथियार
एक क्लिक पर
सारी जानकारी मिलती है ।
संबंध बने आभासी
आनलाइन का जमाना है
बेचना और खरीदना है ।
मानवीय रिश्तों की
न कोई दरकार है ।
शर्मसार हो रही
सभ्यता और संस्कृति
गहरे पतन का ,
ये नया ज्वार है ।

## सावन की बूँदें

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

बादलों ने छेड़ा,मेघ मल्हार तो,
हर कण कण में है गीत जगी
आज झूम झूम कर बरसा सावन
जल बूँदों की बौछार लगी ।।
न जाने क्यों अबकी बार,
वर्षा रानी देर से आई
नियति का सब खेल है
इस पर न किसी का जोर है ।।
दादुर के टर टर रागों ने,
महफिल जमाया रात भर
झींगुर के चीं चीं सुर ने
भर दिया रंग उस महफिल में ।।
बागों में भर गया रंग,
मोरों के मोहक नर्तन से
कानों में रस घुल गया
पपीहरों के मीठे तानों से ।।
किसान की सूखी आँखों में,
आस के दीपक जल उठे
लगे रोपने बीज खेत में
सुंदर फसलों की चाह लिए ।।
हर गोरी आज हथेली पर,
मेंहदी के बूटे काढ़ रही
जल्दी ही अब जायेगी मायके
मन ही मन में पुलक रही ।।
कलाई पर भैया के जब,
रेशम की राखी बांधेगी
सावन की बौछारों संग
वो खूब खुशी से झूमेगी ।।
शिव जी को भी प्यारी है सावन,
इसीलिए पावन है, मन भावन है
संपूर्ण जगत में,भरने को जीवन
वह छम छम करती आई है ।।

## एक आह्वान

कमलेश गुप्ता

लो याद आ गया वापिस,
पंद्रह अगस्त सैंतालिस।
जब नींद में था जग सारा,
तब चमका सूर्य हमारा।
जो सोया था सदियों से,
वह जागा भाग्य हमारा।
कितनों ने दी कुर्बानी,
आहुति में दे दी जवानी।
तब जाकर प्राप्त हुआ यह,हमको अनमोल सितारा।
गफ़लत में अब न रहना,छूटे न हाथ से हरगिज़।
लो याद आ गया वापिस -ये जात-पांत के झगड़े,
ये मनमुटाव ये लफ़ड़े।
सब छोड़ के आगे बढ़ना,उन्नति के पथ पर चलना।
वे कितने थे दीवाने, जां देकर देश बचाने।
ज़ुल्मों की शमा पर हो गए, लाखों शहीद परवाने।
इसकी कीमत को समझो, यह हीरा शुद्ध निख़ालिस।
लो याद आ गया वापिस ----
अब हमको एक है रहना,रस्ते से नहीं भटकना।
अब राष्ट्र प्रेम की ज्वाला,हृदय में जलाए रखना।
अब हमको नहीं है बंटना, दुःख सुख सब मिल कर सहना।
दुश्मन है घात लगाए, उसकी चालों में न फंसना।
करनी है देश की रक्षा,हम ही हैं इसके वारिस।
लो याद आ गया वापिस --

## नया ज़माना

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

कुछ न बोलो न कुछ कहो
आज के इस ज़माने में,
चुप रहना ही बेहतर है
उम्र के इस ठिकाने में।
मुंह पे गोदरेज का
ताला लगा लो,
अपनी चुप्पी को
अपना साथी बना लो।
गर याद करनी हों यादें पुरानी,
अपने मित्रों को घर पर बुला लो।
ख़ुश रहना है तो झांक लो यादों के ख़जाने में,
न जाने सफ़र कितना बाक़ी है जग को छोड़कर जाने में।
बिन मांगे सलाह कोई न देना,
अपनी इज़्ज़त अपने हाथों में रखना।
तुम्हारी बातें समझ से परे हैं,
जब तक ख़ुद को ही ठोकर लगे न।
मत करो शक्ति व्यर्थ अपनी इन लोगों को समझाने में,
इनका भला होगा केवल ख़ुद गिर कर संभल जाने में।

## बातों के अक्षर

डॉ टी महादेव राव

सुनो आकाश से तारों की आहट
दिल से लगे होठों को पता है
फूलों का गीत गाना
कभी-कभी होठों को
किसी आवाज की जरूरत नहीं होती
आंखें बता देती हैं न
आसमान तारों को गायब कर
तुमसे अपने बारिश भरे हाथ
मिला तो नहीं रहा है
क्या वह सूरज की तरह
घूम घूम कर उगना नहीं सीखेगा
उदास रहकर बढ़ते अकेलेपन में
अगर कोई बात कंधे थपथपाए
तो बात एक मीठे पानी का कुआं
अब मुश्किल यह है
कि हम अपनी बातों के अक्षरों को
मन के पटल पर किस तरह उकेरें ।।

## शून्य से शिखर तक पहुँचना कमाल

संजीव ठाकुर,
रायपुर

शून्य से शिखर
तक पहुँचना कमाल,
नदी की धारा के
विरुद्ध तैरना कमाल है।
हज़ार ठोकरों से भी
ना हिम्मत टूटी
गिरकर जोश से
सँभलना कमाल है।
अँधेरों ने बहुत कोशिश की सूर्य को निगलने की,
फिर रोज़ उसका और तेज चमकना कमाल है।
भीड़ में तो सब साथ चल लेते हैं अक्सर,
सच की राह पे एकला चलना कमाल है।
नफ़रतों की आग से जब जल रही हो दुनिया,
मुहब्बत की लौ दिलों में जलाना कमाल है।
दर्द को पीकर तनकर खड़े हैं आप,
आपका हर ग़म से जीतना कमाल है।
लहर से हार मानें तो किनारे नहीं मिलते,
तूफानों की आंखों से आँखें मिलाना कमाल है।
आपसे किसी विपन्न के चेहरे में मुस्कान आ जाए,
अपने हिस्से की खुशियाँ लुटाना कमाल है।
न मिले न मिले शोहरत
कर्म का दीपक जलाये रखिये,
नेपथ्य में रहकर सुर्खियों में रहना कमाल है ।
संजीव इंसान हो इंसान बने रहना ता उम्र,
ज़माने के लिए जीना और मरना बेमिसाल है।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

# क्या राजनीति में उतरेगी कॉकरोच जनता पार्टी

कॉकरोच जनता पार्टी फिलहाल राजनीति में नहीं आएगी। सरकार के लिए प्रेशर ग्रुप की तरह काम करेगी। 12 कोर सदस्यों की टीम का ऐलान भी कर दिया गया है। इनमें वकील, सीए, इंजीनियर, पत्रकार शामिल हैं और सबकी उम्र 35 साल से कम। अगले महीने से ये पूरे देश में घूमकर सदस्यता अभियान चलाएंगे। आखिर सीजेपी चलाने वाले 12 लोग कौन हैं, सीजेपी की स्ट्रैटजी क्या है और 2029 चुनाव में ये किसे ज्यादा डेंट मारेगी; इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

## ये 12 युवा लोग चलाएंगे पार्टी, सभी 35 साल से कम उम्र के, किसे डेंट मारेगी सीजेपी ?

अभिजीत दीपके पार्टी के फाउंडर हैं। छत्रपति संभाजी नगर के दलित परिवार में जन्मे। डॉ. भीमराव अंबेडकर को आदर्श मानते हैं। पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की। 2020-22 तक आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप के लिए मीम बेस्ड ऑनलाइन प्रचार का मटेरियल बनाते थे। दिल्ली सरकार के एजुकेशन डिपार्टमेंट में कम्युनिकेशन एडवाइजर रहे। 2023 में बॉस्टन यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशंस में मास्टर्स के लिए दाखिला ले लिया। मई 2026 में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम का सटायर पेज बनाया। 5 दिनों इंस्टाग्राम पर इसके फॉलोअर्स बीजेपी-कांग्रेस दोनों से ज्यादा हो गए।

सह संयोजक आशुतोष रांका जयपुर राजस्थान में जन्मे। IIT कानपुर से इंजीनियरिंग की। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस से पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर्स किया। पढ़ाई पूरी होने के बाद मुंबई और लंदन में नौकरी की। द प्रिंट, न्यूजलॉन्ड्री जैसे संस्थानों के लिए पब्लिक पॉलिसी पर कॉलम लिख चुके हैं। आप के साथ दिल्ली चुनाव में काम किया। राजस्थान में शिक्षा, शासन और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर काम करने वाला 'परिवर्तन' संगठन बनाया। सीजेपी ने ग्राउंड मूवमेंट की शुरुआत की, तो आशुतोष को राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया। पार्टी के 'पॉलिसी मैन' माने जाते हैं।

सौरभ दास नई दिल्ली में जन्मे। एमिटी यूनिवर्सिटी से पत्रकारिता की पढ़ाई की। 18 साल की उम्र से आरटीआई लगाने लगे और खोजी पत्रकारिता शुरू की। द हिंदू, अल-जजीरा, द वायर, द कारवां जैसे मीडिया संस्थानों के लिए रिपोर्ट किया। पूर्व सीजेआई डी. वाय चंद्रचूड़ पर सौरव की इंवेस्टिगेटिव रिपोर्ट काफी चर्चित रही थी। 2025 में इंडिया गेट पर प्रदूषण-विरोधी प्रदर्शन में शामिल रहे। सीजेपी ने ग्राउंड मूवमेंट की शुरुआत की, तो सौरव को मुख्य प्रवक्ता बनाया।

अजिंक्य शिंदे के बारे में सार्वजनिक रूप से बहुत सीमित जानकारी है। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट दावा कर रहे हैं कि वे आप से जुड़े हुए हैं। पार्टी ज्वाइन करने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ी थी। वे आप महाराष्ट्र की युवा विंग के सदस्य थे। एक पोस्टर में उनका पद आप गोवा सह-प्रभारी लिखा मिला। दीपक बालियान अलवर, राजस्थान के किसान परिवार में जन्मे। पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन किया और किसान संगठनों से जुड़ गए। 7-8 साल तक किसानों और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रहे। राजस्थान के अखबारों में आए दिन दीपक के अभियानों की खबरें छपती रही है। ग्रासरूट मोबिलाइजेशन, यानी जमीनी लेवल पर संगठन और संख्याबल जुटाने का अनुभव है, इसलिए जयपुर में सीजेपी के प्रोटेस्ट की जिम्मेदारी संभाली थी।

आफरीन ने एमबीए किया है। कुछ साल कॉर्पोरेट सेक्टर में नौकरी के बाद छात्रों से जुड़े मुद्दों पर एक्टिव हो गईं। पति बेंगलुरू में 'द लिटिल बगदाद' नाम से रेस्टोरेंट चलाते हैं। आफरीन जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में सीजेपी की महिला कोर टीम का हिस्सा रही हैं।

विजय रेड्डी मल्लंगी ने हैदराबाद से सिविल इंजीनियरिंग और अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी से 'कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट' में मास्टर्स किया है। कम्युनिटी डेवेलपमेंट प्रोजेक्ट्स, यानी आम लोगों के शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों के लिए काम किया और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलनों का हिस्सा रहे हैं। अप्रैल-मई 2026में हैदराबाद के केबीआर नेशनल पार्क में पेड़ों की कटाई के खिलाफ हुए प्रोटेस्ट में शामिल थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे तेलंगाना में आम आदमी पार्टी के लिए काम कर चुके हैं और चुनाव प्रचार में भी शामिल रहे हैं।

रत्ना सिंह पेशे से वकील हैं। दिल्ली से लॉ की पढ़ाई के बाद कानूनी पत्रकारिता में करियर की शुरुआत की। लीगल न्यूज प्लेटफॉर्म 'बार एंड बेंच' के लिए सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की रिपोर्टिंग करती थीं। Scroll.in के लिए भी काम किया। 5 साल पत्रकारिता के बाद जून 2026 में दोबारा वकालत करने लगी। सीजेपी का काम देखने के साथ ही दिल्ली में प्रैक्टिस करती हैं। जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के दौरान सीजेपी के कानूनी मुद्दों, पार्टी की मांगों से जुड़े कानूनी पहलू से जुड़ा काम और छात्रों पर हुई एफआईआर के मामले रत्ना ही देख रही हैं। वैष्णवी गौर को पब्लिक पॉलिसी और रिसर्च का अनुभव है। केंद्र सरकार से जुड़े कई थिंक टैंक और संस्थानों में काम कर चुकी हैं। सीजेपी टीम के ऐलान के बाद छत्रपति संभाजी नगर में वैष्णवी और दीपके के बीच बहस हो गई थी, जिसके बाद वो 6 अगस्त को वापिस दिल्ली आ गईं। जब मीडिया ने उनसे इस बारे में पूछा तो, उन्होंने फैमिली इमरजेंसी का हवाला दिया।

रोहन देशपांडे के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। अपने X बायो में वे खुद को एक 'टेक नर्ड' यानी टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट और स्पोर्ट्स फैन बताते हैं। रोहन के सोशल मीडिया के मुताबिक, वे यूएसए, नीदरलैंड, कनाडा, बेल्जियम जैसे कई देशों की यात्रा कर चुके हैं। वे इंस्टाग्राम पर अलग-अलग शहरों की मशहूर खाने की चीजों के बारे में पोस्ट करते रहते हैं।

योगेश इंगले और दीपके 12 साल से दोस्त हैं। इंगले सीए हैं और प्रोटेस्ट के समय से फाइनेंस संभाल रहे हैं। योगेश कहते हैं कि जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के दौरान माइक, बैनर के इंतजाम से लेकर वॉलेंटियर्स को संभालना, मेहमानों की व्यवस्था जैसे हर छोटे-बड़े काम उनके जिम्मे थे। वे हर समय अभिजीत के साथ रहते।

योगेश के मुताबिक, सुबह 5 बजे से रात 3 बजे तक उनका काम जारी रहता था। कई रात सोने का भी मौका नहीं मिला।

दिल्ली में जन्मे अंकित पेशे से सीए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल कुछ तस्वीरों के मुताबिक, वे भी आम आदमी पार्टी से जुड़े रहे हैं। छत्रपति संभाजी नगर में जिस दिन सीजेपी की कोर कमेटी का ऐलान हुआ, उसी दिन अभिजीत दीपके ने साफ कर दिया कि वे पॉलिटिकल पार्टी बनाने नहीं जा रहे। बल्कि बतौर प्रेशर ग्रुप काम करेंगे।

प्रेशर ग्रुप ऐसे संगठन होते हैं, जो खुद कोई चुनाव नहीं लड़ते, लेकिन सरकार और नेताओं पर बाहरी दबाव डालकर अपनी मांगें मनवाते हैं। मिसाल के लिए- भारतीय किसान यूनियन, मजदूर संघ, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया विश्व हिंदू परिषद, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड वगैरह अपनी अलग-अलग नीतियों और उद्देश्यों के तहत सरकार के लिए प्रेशर ग्रुप की तरह ही काम करते हैं।

सीजेपी का कहना है कि वे अभी राजनीति में इसलिए नहीं आना चाहते हैं, क्योंकि देश में विपक्षी दलों के लिए माहौल ठीक नहीं है। उन पर ईडी, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल होता है। चुने गए नेताओं की खरीद-फरोख्त होती है और सिस्टमैटिक तरीके से राजनीतिक पार्टियों को तोड़ा जाता है। ऐसे समय में राजनीति में आएंगे, तो खुद को बचाते ही रह जाएंगे, जमीन पर कोई काम नहीं कर पाएंगे।

# आधी रात को आज़ादी क्यों?

बीपी आचार्य
आईएएस (सेवानिवृत्त)

हमारी स्वतंत्रता की 79वीं वर्षगाँठ के अवसर पर स्वाभाविक रूप से स्वर्ण जयंती समारोहों की याद ताज़ा हो जाती है। उस समय "आधी रात की आज़ादी" का प्रतीकात्मक महत्व दर्शाने के लिए देशभर में मध्यरात्रि के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। उन आयोजनों में उनींदी आँखों के साथ शामिल होने की असुविधा आज भी स्मरण है। सौभाग्य से इस बार ऐसे रात्रिकालीन समारोहों से हमें मुक्ति मिली है। किंतु एक प्रश्न आज भी बार- बार मन में उठता है आख़िर हमने आधी रात को ही स्वतंत्र होने का निर्णय क्यों लिया? क्या यह हमारी अपनी पसंद थी या परिस्थितियों की मजबूरी? हमारे "भाग्य से साक्षात्कार" (Tryst with Destiny) के लिए उस मध्यरात्रि में ऐसा क्या विशेष था? यदि आपने कभी इस पर विचार किया हो, तो उसके पीछे की एक कम चर्चित किंतु अत्यंत रोचक कहानी मैं यहाँ साझा करना चाहूँगा।इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए मुझे 1980 के दशक की स्मृतियों में लौटना होगा। उस समय मैं जेएनयू में शोधार्थी था और एम.फिल. का पाठ्यक्रम उत्कृष्ट अंकों से पूरा करने के बाद सीधे पीएच.डी. में पंजीकृत हो गया था।

किंतु आयु कम होने के कारण सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के लिए मुझे एक वर्ष प्रतीक्षा करनी थी। इस अवकाश के दौरान मेरे प्रोफेसर एवं शोध-निर्देशक ने मुझे विश्वप्रसिद्ध लेखक लैरी कॉलिन्स और डॉमिनिक लैपिएर—जो फ्रीडम एड मिडनाइट के लेखक हैं—की सहायता करने का दायित्व सौंपा। वे भारत के अंतिम वायसराय लॉर्ड लुई माउंटबेटन के निजी दस्तावेज़ों और पत्रों का संपादन कर रहे थे। इन्हीं दस्तावेज़ों के अध्ययन के दौरान मुझे बाद में प्रकाशित दो महत्वपूर्ण पुस्तकों—माउंटबेटन एंड द पार्टीशन आप इंडिया तथा माउंटबेटन एंड इंडिपेंड इंडिया के लिए सामग्री तैयार करने का अवसर मिला।

इसी प्रक्रिया में मुझे लॉर्ड माउंटबेटन का एक अत्यंत रोचक साक्षात्कार मिला, जिसे कॉलिन्स और लैपिएर ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक फ्रीडम एड मिडनाइट के शोध के दौरान रिकॉर्ड किया था।

बाद में यह साक्षात्कार माउंटबेटन एंड द पार्टीशन आप इंडिया में प्रकाशित हुआ। उसमें माउंटबेटन ने अपने विशिष्ट अहंकार और बेफ़िक्री के साथ इस विषय का उल्लेख किया है।

ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर 15 अगस्त के समारोह की परिकल्पना किसने की? तो माउंटबेटन का उत्तर था मैंने नेहरू से इस विषय पर चर्चा की। मैंने 15 अगस्त इसलिए चुना क्योंकि यही वह दिन था जब सिंगापुर में मित्र राष्ट्रों के सर्वोच्च सेनापति के रूप में मैंने जापान का आत्मसमर्पण स्वीकार किया था। परंतु मैंने ज्योतिषियों से कोई सलाह नहीं ली थी। उन्होंने आगे कहा कि भारत में ज्योतिष का बहुत प्रभाव था। नेहरू स्वयं ज्योतिष में विश्वास नहीं करते थे, लेकिन उन्होंने कहा कि देश के बहुत से लोग इसे मानते हैं और मेरे द्वारा चुनी गई तिथि अशुभ मानी जा रही है। तब नेहरू ने सुझाव दिया कि यदि सत्ता का हस्तांतरण आधी रात को, 15 अगस्त प्रारम्भ होने से ठीक पहले कर दिया जाए, तो वह अधिक शुभ माना जाएगा। माउंटबेटन ने इसे अत्यंत नाटकीय और आकर्षक विचार बताया और स्वीकार किया कि यह मध्यरात्रि समारोह किसी नाटकीयता के लिए नहीं, बल्कि इसलिए आयोजित किया गया क्योंकि उनके द्वारा चुनी गई तिथि ज्योतिषीय दृष्टि से अशुभ मानी गई थी।

यही वह कारण था जिसके चलते हमारी स्वतंत्रता सदा के लिए "आधी रात की आज़ादी" बन गई। एक ऐसा समझौता, जिसमें वायसराय के अहंकार और ज्योतिषीय 'उपाय' दोनों की भूमिका थी। आश्चर्य की बात यह है कि भारतीय नेताओं ने माउंटबेटन के इस मनमाने निर्णय को लगभग स्वीकार ही कर लिया। जब नेहरू ने यह प्रस्ताव अन्य नेताओं के सामने रखा तो विशेष रूप से सरदार पटेल और जे.बी. कृपलानी ने इसका विरोध किया क्योंकि वे अशुभ दिन से बचना चाहते थे। अंततः एक चतुर ज्योतिषीय उपाय के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकाला गया।

हिंदू पंचांग के अनुसार तिथि का आरंभ सूर्योदय से होता है, जबकि ग्रेगोरियन कैलेंडर में दिन आधी रात से प्रारंभ माना जाता है। इसी अंतर का लाभ उठाकर समाधान खोजा गया। ज्योतिषियों के अनुसार 15 अगस्त 1947 का सूर्योदय अत्यंत अशुभ चतुर्दशी और अमावस्या के संयोग से जुड़ा था। इसलिए ऐसा उपाय किया गया कि सत्ता का हस्तांतरण सूर्योदय से पहले, अर्थात मध्यरात्रि में ही कर दिया जाए। इस प्रकार ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 15 अगस्त भी हो गया और हिंदू पंचांग के अनुसार अशुभ सूर्योदय से भी बचा जा सका। यही कारण था कि स्वतंत्रता का ऐतिहासिक समारोह आधी रात को आयोजित हुआ। यह तथाकथित "सर्वसम्मत समाधान" वास्तव में एक कठिन समझौता था, जो हमारी इच्छा से अधिक परिस्थितियों की विवशता का परिणाम था। निराशाजनक बात यह थी कि भारतीय नेताओं ने वायसराय की मनमानी के आगे हथियार डाल दिए थे।

# पंजाब में बदला चुनावी गणित: पंथक वोट की ताकत में हर दल कर रहा सेंधमारी

पंजाब की राजनीति में पंथक वोट बैंक दशकों तक सत्ता का मार्ग तय करता रहा है, जिसने शिरोमणि अकाली दल को राज्य की सबसे मजबूत राजनीतिक शक्ति बनाए रखा। राज्य की लगभग 58 फीसदी सिख आबादी में से 20 से 25 फीसदी मतदाता धार्मिक मुद्दों को मतदान का आधार मानते हैं।

पिछले एक दशक में यह पारंपरिक वोट बैंक पूरी तरह बिखर गया है। अब आम आदमी पार्टी, शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर), वारिस पंजाब दे, भाजपा और कांग्रेस भी इस वोट पर अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं। पिछले तीन दशकों के चुनावी आंकड़ों में यह बदलाव साफ दिखता है।

वर्ष 1997 के विधानसभा चुनाव में अकाली दल ने 37.64 फीसदी वोट और 75 सीटें जीती थीं। 2007 में 37.09 फीसदी और 2012 में 34.73 फीसदी वोट के साथ पार्टी ने सत्ता में वापसी की। इससे पंथक राजनीति पर उसका दबदबा साबित हुआ। हालांकि, 2015 में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी और बहबल कलां पुलिस गोलीबारी ने राजनीतिक माहौल तेजी से बदला। 2017 विधानसभा चुनाव में अकाली दल का वोट प्रतिशत घटकर 25.24 फीसदी रह गया, पार्टी 15 सीटों पर सिमट गई। 2022 में यह गिरावट और तेज हुई, पार्टी 18.38 फीसदी वोट लेकर मात्र तीन सीटों पर आ गई। 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा से अलग लड़ने पर उसका वोट प्रतिशत 13.5 फीसदी तक पहुंच गया, पार्टी केवल बठिंडा सीट जीत सकी। इन चुनावी परिणामों ने अकाली दल का पारंपरिक पंथक आधार कई हिस्सों में बंटा हुआ दिखाया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 2015 का बेअदबी विवाद और डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को माफी दिलाने का विवाद अकाली दल की विश्वसनीयता के लिए बड़ा झटका था। परिवारवाद और विकास केंद्रित राजनीति के आरोपों ने भी उसके पारंपरिक कार्यकर्ताओं को निराश किया। आम आदमी पार्टी ने इस खाली जगह का लाभ उठाया। 2022 विधानसभा चुनाव में पार्टी ने बेअदबी मामलों में न्याय दिलाने का मुद्दा उठाया। भगवंत मान को स्थानीय जट्ट-सिख चेहरे के रूप में पेश कर माझा और मालवा क्षेत्रों में अकाली दल के वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाई।

2024 के लोकसभा चुनावों ने आम आदमी पार्टी के लिए समर्थन बनाए रखने की चुनौती दिखाई। खडूर साहिब से अमृतपाल सिंह की बड़ी जीत ने पंथक वोटों के नए ध्रुवीकरण का संकेत दिया। इसी बीच वारिस पंजाब दे संगठन और उसके प्रमुख अमृतपाल सिंह ने पंजाब की राजनीति में नया मोड़ ला दिया। 2024 लोकसभा चुनाव में जेल में रहते हुए अमृतपाल सिंह ने खडूर साहिब से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में 4.04 लाख वोट हासिल किए और करीब 1.97 लाख वोटों के रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की। यह जीत कट्टर धार्मिक और युवा पंथक मतदाताओं द्वारा नए नेतृत्व को स्वीकार करने का संकेत थी। वारिस पंजाब दे ने बंदी सिखों की रिहाई, नशा विरोधी अभियान और सिख पहचान जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसका सबसे बड़ा नुकसान शिरोमणि अकाली दल को हुआ है क्योंकि उसका पारंपरिक ग्रामीण जट्ट-सिख आधार तेजी से इस संगठन की ओर खिसक रहा है।

शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) लंबे समय से पंथक राजनीति की वैचारिक धुरी बना हुआ है। सिमरनजीत सिंह मान के नेतृत्व वाला यह दल सिख अधिकारों, बंदी सिखों की रिहाई और धार्मिक स्वायत्तता जैसे मुद्दों पर मुखर रहा है। 1989 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने पंजाब की छह सीटें जीती थीं और 2022 के संगरूर लोकसभा उपचुनाव में सिमरनजीत सिंह मान की जीत ने कट्टर पंथक वोट को उनके साथ दिखाया। हालांकि 2024 के बाद अमृतपाल सिंह के उभार से इस दल के युवा समर्थकों का एक हिस्सा भी नई दिशा में जाता दिखाई दिया। उधर, भारतीय जनता पार्टी भी पहली बार धार्मिक संस्थाओं के माध्यम से पंथक वोट तक पहुंचने की रणनीति पर काम कर रही है। दमदमी टकसाल के प्रमुख बाबा हरनाम सिंह धूमा के साथ बढ़ती निकटता इसी प्रयास का हिस्सा है। भाजपा धार्मिक नेतृत्व के माध्यम से पंजाब में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है लेकिन धार्मिक समर्थन को वास्तविक वोट में बदलना उसके लिए बड़ी चुनौती है।

लगातार चुनावी झटकों के बाद शिरोमणि अकाली दल भी अब अपने मूल पंथक एजेंडे की ओर लौटने की कोशिश कर रहा है। पार्टी बंदी सिखों की रिहाई, पंजाब के नदी जल अधिकार और अकाल तख्त की स्वायत्तता जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है। धार्मिक मामलों में सरकारी हस्तक्षेप का विरोध भी उसके एजेंडे में है।

अकाली दल के भीतर सुधार की मांग उठाने वाले नेताओं द्वारा शुरू की गई लहर का उद्देश्य बिखरे पंथक वोटों को एक मंच पर लाना था।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आज पंजाब में पंथक वोट किसी एक दल की स्थायी संपत्ति नहीं रह गया है। इसका एक हिस्सा आम आदमी पार्टी, एक हिस्सा शिरोमणि अकाली दल और बड़ा वर्ग वारिस पंजाब दे तथा शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) जैसे संगठनों की ओर आकर्षित हो रहा है। आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव में असली लड़ाई बिखरे पंथक वोट के सबसे बड़े हिस्से को जीतने की होगी क्योंकि सत्ता की चाबी उसी दल के हाथ में होगी जो पंथक और ग्रामीण सिख मतदाताओं का सबसे बड़ा भरोसा जीतेगा।

# हर मानसून में बारिश ही दोषी क्यों है ?

**नई सड़कें धंसने और शहरों के डूबने से निर्माण व्यवस्था पर उठते सवाल**

बारिश हर वर्ष होती है। यह कोई नई घटना नहीं है। हमारे इंजीनियर जानते हैं कि मानसून आएगा, नदियां उफान पर होंगी, मिट्टी में नमी बढ़ेगी और जलभराव होगा। फिर भी हर वर्ष वही दृश्य दोहराया जाता है-सड़कें धंस जाती हैं, पुलों के एप्रोच रोड बह जाते हैं, शहर तालाब बन जाते हैं और करोड़ों रुपये की लागत से बने निर्माण पहली ही बारिश में दम तोड़ने लगते हैं। तब यह कहना गलत नहीं होगा कि बारिश हमारी परीक्षा नहीं लेती, बल्कि हमारी तैयारी, हमारी ईमानदारी और हमारी निर्माण व्यवस्था की भी पोल खोलती है। वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, बल्कि विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा, सुशासन और नागरिकों के विश्वास का वचन भी है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने एक्सप्रेसवे, मेट्रो, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और पुलों के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की है। लेकिन, आज सबसे बड़ा प्रश्न निर्माण की गति नहीं, गुणवत्ता है। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे इसका ताजा उदाहरण है। हजारों करोड़ रुपये की लागत से बना यह आधुनिक मार्ग उद्घाटन के कुछ ही समय बाद अलग-अलग स्थानों पर धंसने की खबरों के कारण चर्चा में आ गया। जांच बैठी, अभियंताओं पर कार्रवाई हुई, पर क्या केवल निलंबन से जनता का विश्वास लौट आएगा? क्या इससे भविष्य में ऐसी घटनाएं रुक जाएंगी? इन प्रश्नों के उत्तर केवल विभागीय कार्रवाई में नहीं, बल्कि पूरी निर्माण व्यवस्था की समीक्षा में छिपे हैं।

समस्या केवल एक एक्सप्रेसवे की नहीं है। हर मानसून में देश के अलग-अलग राज्यों से नई सड़कें टूटने, पुल क्षतिग्रस्त होने और निर्माणाधीन ढांचों के गिरने की खबरें आती हैं। यदि बारिश हर बार हमारी योजनाओं को विफल कर देती है, तो दोष हमारी तैयारी का है। सौ साल पहले जो रेल पुल, सड़कें और संरचनाएं बनीं, उनमें से अनेक आज भी खड़ी हैं। कोलकाता का हावड़ा ब्रिज, चेन्नई का नेपियर ब्रिज और ब्रिटिश काल के अनेक रेलवे पुल आज भी लाखों लोगों का भार उठा रहे हैं। उनका निर्माण सीमित तकनीक में हुआ था, फिर भी वे समय की कसौटी पर खरे उतरे। हमारे पास आधुनिक मशीनें हैं, उन्नत स्टील है, डिजिटल डिजाइन है, एआई है और विश्वस्तरीय इंजीनियर हैं। फिर भी, यदि नई सड़कें कुछ महीनों में मरम्मत मांगने लगें, तो समस्या तकनीक की नहीं, व्यवस्था की है।

असल में, यहां निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से ज्यादा उद्घाटन की चर्चा ज्यादा होती है। परियोजनाएं समय पर पूरी हों, यह जरूरी है, पर उससे भी आवश्यक यह है कि वे गुणवत्ता की कसौटी पर भी खरी उतरें। एक और गंभीर समस्या शहरों की जल निकासी व्यवस्था है। अतिक्रमण ने प्राकृतिक जल मार्गों को संकरा कर दिया है। नतीजतन, वर्षा का पानी सड़कों पर ठहरता है और उन्हें कमजोर कर देता है। यदि गुणवत्ता से समझौता होता है, मानकों का पालन नहीं होता और दोषियों को समयबद्ध एवं प्रभावी दंड नहीं मिलता, तो सबसे बड़ी कीमत जनता चुकाती है। अब निर्णय हमें करना है कि क्या हम हर मानसून के बाद बहाने खोजते रहेंगे, या फिर ऐसी व्यवस्था बनाएंगे, जहां बारिश सुर्खियां नहीं, बल्कि मजबूत भारत की गवाह बने?

## महिलाओं को बराबर नहीं मानते कुछ पुरुष : सबा आजाद

अभिनेत्री, गायिका और वॉयस ओवर आर्टिस्ट सबा आजाद 'दिल कबड्डी' से लेकर'बंदर' जैसी फिल्मों और 'रॉकेट ब्वॉयज' जैसी वैब सीरीज में काम कर चुकी है। उसका मानना है कलाकार को किसी चलन का हिस्सा बनने के बजाय अपने भीतर की रचनात्मकता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

इस बार चर्चा सिर्फ उसके अभिनय की नहीं, बल्कि महिलाओं की आजादी, रिश्तों में बराबरी और अपनी पेशेवर सोच को लेकर दिए गए उसके बेबाक बयानों की भी हो रही है।

समाज में स्वतंत्र और महत्वाकांक्षी महिलाओं को लेकर मौजूद सोच पर सबा ने खुलकर अपनी राय रखते हुए कहा है कि भले ही महानगर आधुनिक दिखते हों, लेकिन जमीनी स्तर पर पितृसत्तात्मक सोच अब भी गहराई से मौजूद है।

सबा के अनुसार, महिलाओं को आज भी सम्मान और पहचान हासिल करने के लिए पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक मेहनत करनी पड़ती है। उसने कहा कि समाज महिलाओं के हर फैसले का मूल्यांकन करने में देर नहीं लगाता। अगर कोई महिला अपने करियर पर ध्यान देती है तो सवाल उठते हैं, और यदि वह काम न करे, तब भी उसे आलोचना का सामना करना पड़ता है।

रिश्तों में बढ़ते तनाव पर बात करते हुए सबा ने कहा कि समस्या तब पैदा होती है, जब कुछ पुरुष महिलाओं को अपने बराबर स्वीकार नहीं कर पाते।

उसके अनुसार, कई लड़कों की परवरिश ऐसे माहौल में होती है, जहां उन्हें बचपन से ही खुद को महिलाओं से श्रेष्ठ समझना सिखाया जाता है। ऐसे में जब उनका सामना आत्मनिर्भर और मजबूत विचारों वाली महिलाओं से होता है, तो उनका अहं आहत हो जाता है और यही रिश्तों में टकराव की बड़ी वजह बनती है।

## एक्टिंग से रोकने के लिए कमरे में बंद कर देती थीं मां : सयानी गुप्ता

यानी गुप्ता उन अभिनेत्रियों में शामिल है, स जिन्होंने अपने दमदार अभिनय और अलग तरह के किरदारों से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। अपने करियर में उसने भले ही कम फिल्मों में काम किया हो, लेकिन उसके निभाए हर किरदार ने दर्शकों और समीक्षकों की खूब तारीफ हासिल की है । लीक से हटकर भूमिकाएं चुनने के लिए मशहूर सयानी को इंडस्ट्री की बोल्ड और बेबाक अभिनेत्रियों में गिना जाता है ।

**एक्टिंग के लिए छोड़ दी थी कॉर्पोरेट नौकरी**

सयानी ने अपनी निजी जिंदगी और एक्टिंग करियर की शुरुआत से जुड़े कई खुलासे करते हुए बताया है कि बचपन से ही उसका सपना अभिनेत्री बनने का था और वह इस फील्ड को करीब से समझना चाहती थी । हालांकि, इस फैसले में उसे मां का साथ नहीं मिला । सयानी ने बताया कि फिल्मों में आने के लिए उसने अपनी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ दी थी, जिससे उसकी मां काफी नाराज हो गई थी। जब उसने एक्टिंग सीखने के लिए फिल्म एंड टैलीविजन इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया में दाखिला लिया, तो मां ने करीब एक महीने तक उससे बात नहीं की ।

सयानी ने फिल्म इंस्टीच्यूट के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, ₹मेरी मां ने मुझसे कहा कि मैं अपनी कलाई काट लूंगी अगर तुम वहां गई । मुझे विश्वास नहीं हो रहा था । मैं बोर हो गई थी। उस एक साल

मैंने पैसे तो बहुत कमाए क्योंकि मुझे काम करना अच्छा लगता था लेकिन ये मैंने अपनी पूरी जिंदगी के लिए नहीं चुना था । ₹ सयानी ने बताया कि मां उसे थिएटर प्रैक्टिस कर नहीं जाने देती थी और कमरे में बंद कर देती थी । हालांकि, समय के साथ मां ने उसके फैसले को समझा और उसके सफर को स्वीकार किया ।

## 'रकुल प्रीत सिंह' इसलिए बनी 'शूर्पणखा'

अब तक उसे रोमांटिक और आधुनिक किरदारों में देखा गया है, लेकिन शूर्पणखा जैसा जटिल चरित्र उसके अभिनय की नई परीक्षा है। बॉलीवुड में ऐसे कलाकार कम हैं जो अपनी स्टार इमेज से आगे बढ़कर चुनौतीपूर्ण किरदारों को अपनाने का साहस दिखाते हैं। रकुल प्रीत सिंह उन्हीं अभिनेत्रियों में शामिल है, जो अब केवल ग्लैमरस भूमिकाओं तक सीमित नहीं रहना चाहती। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायणः पार्ट वन' में शूर्पणखा का किरदार निभाकर रकुल न सिर्फ अपने करियर का सबसे अलग अध्याय लिख रही है, बल्कि दर्शकों की वर्षों पुरानी सोच को भी नई दिशा देना चाहती है ।

फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद से ही रकुल के शूर्पणखा अवतार की चर्चा तेज है। हाल ही में एक प्रशंसक ने उसे भावुक खुला पत्र लिखते हुए कहा कि शूर्पणखा को सदियों से केवल एक घटना के आधार पर याद किया जाता है, जबकि वह रामायण का बेहद जटिल और कहानी की दिशा बदलने वाला पात्र है। इस पत्र का जवाब देते हुए रकुल ने कहा कि एक कलाकार के रूप में उसे ऐसे किरदार सबसे अधिक आकर्षित करते हैं, जो लोगों की बनी-बनाई धारणाओं को चुनौती दें। उसके अनुसार इतिहास ने शूर्पणखा को सिर्फ एक पल में समेट दिया, जबकि उसकी कहानी कहीं अधिक गहरी और बहुआयामी है । उसे उम्मीद है कि फिल्म देखने के बाद दर्शक इस पात्र को नए नजरिए से समझेंगे।

अब सबसे बड़ी परीक्षा 'रामायण' रकुल प्रीत के करियर में 'रामायणः पार्ट वन' एक निर्णायक पड़ाव साबित हो सकती है। अब तक उसे रोमांटिक और आधुनिक किरदारों में देखा गया है, लेकिन शूर्पणखा जैसा पौराणिक और मनोवैज्ञानिक रूप से जटिल चरित्र उसके अभिनय की नई परीक्षा है ।

यदि वह इस किरदार के जरिए दर्शकों की स्थापित धारणाओं को बदलने में सफल रहती है, तो यह न केवल उसके करियर की सबसे यादगार भूमिकाओं में शामिल होगा, बल्कि साबित करेगा कि एक कलाकार की असली पहचान उसकी जोखिम उठाने की क्षमता और किरदारों के चयन से बनती है।

दीवाली 2026 पर रिलीज होने जा रही इस फिल्म शूर्पणखा के रोल में रकुल रकुल को भी उतनी ही उम्मीदें हैं, जितनी दर्शकों को । अब देखना दिलचस्प होगा कि पर्दे पर शूर्पणखा का उसका रोल दर्शकों की सोच को कितना बदल पाता है ।

**5 लाख रुपए और पहली फिल्म की कहानी**

आज बड़ी-बड़ी फिल्मों का हिस्सा बनने वाली रकुल की अभिनय यात्रा किसी सुनियोजित योजना का परिणाम नहीं थी। उसने खुद स्वीकार किया है कि कॉलेज के दिनों में उसका अभिनय से कोई लेना-देना नहीं था । पोर्टफोलियो बनवाने के कुछ ही दिनों बाद उसे कन्नड़ फिल्म 'गिल्ली' प्रस्ताव मिला। शुरुआत में वह असमंजस में थी, लेकिन जब पता चला कि फिल्म के लिए उसे 5 लाख रुपए मिलेंगे, तो उसने तुरंत हामी भर दी। हालांकि, उसने ग्रैजुएशन पूरी करने के बाद ही अभिनय को अपना करियर बनाया ।

दिलचस्प बात यह भी है कि करियर के शुरुआती दौर में उसने पढ़ाई को प्राथमिकता देते हुए कई बड़ी फिल्मों के प्रस्ताव ठुकरा दिए, ताकि कॉलेज की पढ़ाई प्रभावित न हो। आज वह मानती है कि बिना किसी गाइडेंस के उसने सैट पर काम करते-करते ही अभिनय की बारीकियां सीखीं।

**साऊथ से बॉलीवुड तक का सफर**

2009 में कन्नड़ फिल्म 'गिल्ली ' से शुरुआत करने वाली रकुल ने पढ़ाई पूरी करने के बाद 2013 में तेलुगु फिल्म 'वेंकटाद्री एक्सप्रेस' से दमदार वापसी की। इसके बाद 'लौक्यम', 'नान्नाकु प्रेमाथो', 'सररैनोडु', 'ध्रुव', 'स्पाइडर' और 'अयालान' जैसी फिल्मों से उसने साऊथ सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई। हिंदी फिल्मों में 'यारियां','देदे प्यार दे', 'दे दे प्यार दे 2' और 'मेरे हसबैंड की बीवी' जैसी फिल्मों ने उसे बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों की कतार में ला खड़ा किया।

**साऊथ और बॉलीवुड के कामकाज का फर्क**

रकुल का अनुभव सिर्फ दो फिल्म इंडस्ट्री में काम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसने दोनों के कार्य- संस्कृति के अंतर को भी करीब से महसूस किया है। उसके अनुसार साऊथ सिनेमा में शूटिंग का समय अधिक व्यवस्थित होता है और अधिकांश काम शाम 6 बजे तक पूरा कर लिया जाता है। वहीं मुंबई में देर रात तक शूटिंग होना सामान्य उसने बताया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में यूनियन के नियमों के कारण तय समय के बाद अतिरिक्त भुगतान करना पड़ता है। शाम 6 बजे के बाद डेढ़ गुना, रात 9 बजे के बाद दोगुना और देररात तक शूटिंग होने पर तीन गुना भुगतान किया जाता है। यही वजह है कि यहां काम करने का ढांचा साऊथ से काफी अलग दिखाई देता है।

## मेरे फैन्स मेरी जिंदगी और करियर के कई पड़ावों में मेरे साथ रहे : एलनाज नौरोजी

फिल्म क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने वाली, टैलीविजन और संगीत- तीनों दौरान मिली चुनौतियां, जोखिम और असफलताएं भी उसकी सफलता की कहानी का हिस्सा रही हैं। वह कहती है, यह सफर हमेशा आसान नहीं रहा, लेकिन मैं इसे बदलना नहीं चाहूंगी। मैं खुश हूं कि मुझे हर दिन वह करने का मौका मिलता है, जिसे मैं दिल से पसंद करती हूं।

एलनाज नौरोजी आने वाले समय में भी अलग-अलग तरह की कहानियों का हिस्सा बनना चाहती है। उसके लिए सबसे बड़ा तोहफा यही है कि उसे अपने जुनून को जीने का मौका मिलता रहे। एलनाज के लिए अभिनय सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि उसकी जिंदगी का अहम हिस्सा है।

हाल ही में जुबिन नौटियाल के साथ गीत 'हुआ' के जरिए सिंगिंग डेब्यू करने वाली एलनाज अब संगीत की दुनिया भी एक नया सफर शुरू करने जा रही है। 9 जुलाई को उसने अपना जन्मदिन किसी शानदार पार्टी में नहीं, बल्कि अपने आने वाले प्रोजैक्ट के सैट पर काम करते हुए मनाया था। उसके लिए इससे बेहतर जश्न की जगह कोई और नहीं हो सकती थी, क्योंकि कैमरे के सामने रहना और नई कहानियों का हिस्सा बनना ही उसे सबसे ज्यादा खुशी देता है। एलनाज ने कहा, अभिनय ने मुझे सिर्फ पेशेवर रूप से ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत तौर पर भी बहुत कुछ दिया है। हर किरदार मुझे बदलता है और हर प्रोजैक्ट मुझे कुछ नया सिखाता है।

एलनाज का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ जन्मदिन सिर्फ एक तारीख नहीं रह जाता, बल्कि यह उन अनुभवों और यात्राओं को याद करने का मौका बन जाता है, जिन्होंने उसे आज का इंसान बनाया है। उसने कहा कि करियर के

एलनाज ने अपने फैन्स को भी अपनी यात्रा का अहम हिस्सा बताया और कहा कि उनसे मिलने वाले संदेश और शुभकामनाएं उसे खास महसूस कराते हैं। उसने कहा, “मेरे फैन्स मेरी जिंदगी और करियर के कई पड़ावों में मेरे साथ रहे हैं। उनका प्यार और समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है । मैं हर उस व्यक्ति की आभारी हूं, जिसने मेरा साथ दिया। योग और संगीत की भी है जिंदगी में अहम जगह

. एलनाज का कहना है कि योग और संगीत ने उसकी पर्सनल और प्रोफैशनल जिंदगी में बदलाव लाने वाली भूमिका निभाई है। उसने कहा, “योग और संगीत, दोनों से मुझे हमेशा एक जैसा सुकून मिला है। दोनों के लिए जरूरी है कि आप थोड़ा ठहरें, वर्तमान में रहें और अपने अंदर की गहराई से जुड़ें।

'एक आर्टिस्ट के तौर पर, मेरी जिंदगी अक्सर यात्रा, परफॉर्मेंस और लगातार भागदौड़ से भरी रहती है, इसलिए योग मुझे बैलेंस बनाने में मदद करता है, जबकि संगीत मुझे उन भावनाओं को जाहिर करने में मदद करता है, जिन्हें कभी - कभी शब्दों में नहीं कहा जा सकता ।

'यह साल मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि मैंने जुबिन नौटियाल के साथ हिन्दी गीतों में गायन की शुरूआत की है। इसके जरिए संगीत की दुनिया में एक रोमांचक नया सफर भी शुरू हो गया है ।

योग की तरह ही, संगीत में भी लोगों को ठीक करने, उनका हौसला बढ़ाने और उन्हें एक साथ लाने की ताकत है । मुझे इस साल दिल्ली में योग डे के खास सैलिब्रेशन का हिस्सा बनने पर गर्व है, और मुझे उम्मीद है कि हर किसी को कोई न कोई ऐसी चीज मिलेगी - चाहे वह योग हो, संगीत हो या कुछ और जिससे उन्हें खुशी, ठहराव और अंदरूनी शांति मिले।

**सिनेमा को मानती है बदलाव का माध्यम**

एलनाज का मानना है कि सिनेमा सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज की सच्चाई दिखाने का एक मजबूत माध्यम भी है।

.. ईरानी मूल की एलनाज ने ईरानी सिनेमा की तारीफ करते हुए कहा कई फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों के जरिए वहां के लोगों की आवाज दुनिया तक पहुंचाई है । उसके अनुसार, ईरानी सिनेमा ने दुनिया को वहां की जमीनी हकीकत समझने में मदद की है। वह खुद भी फिल्म 'तेहरान ' का हिस्सा रह चुकी है, जिसमें ईरान और इजरायल के बीच तनाव की पृष्ठभूमि दिखाई गई थी ।

## मैं ऐसी महिला का किरदार करना चाहती हूं जिसे दर्शक याद रखें : हुमा खुरैशी

मैं ऐसी महिलाओं के किरदार निभाना चाहती हूं, जिनमें कमियां हों, जो वास्तविक लगें और जिन्हें दर्शक लंबे समय तक याद रखें। बॉलीवुड में जब भी अलग और लीक से हटकर किरदार निभाने वाली अभिनेत्रियों का जिक्र होता है, तो हुमा कुरैशी का नाम सबसे पहले सामने आता है । 'महारानी', 'तरला', 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' और अब 'बेबी डू डाई डू' तक हुमा की फिल्मों पर नजर डालें तो साफ दिखता है कि उसने हमेशा अलग और जोखिम भरे किरदारों को चुना है । हुमा कहती है कि उसे कभी भी एक जैसे किरदार दोहराने में दिलचस्पी नहीं रही। उसके अनुसार, अगर कोई रोल उसे थोड़ा डराता है, तो वही उसके लिए सही चुनौती बन जाता।

वह कहती है, “मैं ऐसी महिलाओं के किरदार निभाना चाहती हूं, जिनमें कमियां हों, जो वास्तविक लगें और जिन्हें दर्शक लंबे समय तक याद रखें। मेरे लिए सफलता किसी तय ढांचे में फिट होने का नाम नहीं है, बल्कि हर बार खुद को एक कलाकार के रूप में विकसित करना और दर्शकों के साथ-साथ खुद को भी चौंकाते रहना है।

**'बदलापुर' में निभाए अपने बोल्ड किरदार को लेकर किया बड़ा खुलासा**

हुमा ने फिल्म 'बदलापुर' में निभाए अपने बोल्ड किरदार को लेकर भी बड़ा खुलासा किया है। उसने बताया कि सैक्स वर्कर का रोल निभाना उसके लिए आसान नहीं था और वह शुरुआत में काफी डर गई थी । हुमा ने कहा कि यह उसका अब तक का सबसे ट्रिकी और इमोशनली चैलेंजिंग रोल था, क्योंकि किरदार के साथ एक रेप सीन भी जुड़ा हुआ था, जिसे सही तरीके से दिखाना बहुत मुश्किल था ।

उसका कहना था कि कहानी का असली असर तभी आता है जब दर्शक किरदार के साथ घटना को गलत महसूस करें और उससे जुड़ पाएं। उसने यह भी माना कि उस समय वह पूरी तरह असमंजस और घबराहट में थी। हालांकि, बाद में यह रोल उसके करियर का अहम हिस्सा बन गया और उसे इसके लिए काफी सराहना मिली । हुमा ने निर्देशक श्रीराम राघवन की भी तारीफ की, जिन्होंने उसे यह चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने का मौका दिया।

**एक और चुनौतीपूर्ण किरदार**

अपने हर नए प्रोजैक्ट के साथ दर्शकों को चौंकाने वाली हुमा हाल ही में फिल्म 'बेबी डू डाई डू' में भी एक ऐसे किरदार में नजर आई जो उसके लिए एक और चुनौतीपूर्ण रोल रहा । इस फिल्म में वह एक गूंगी-बहरी कॉन्ट्रैक्ट किलर बनी जो छतरी को अपना हथियार बनाकर लोगों की हत्या करती है ।

दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म में हुमा ने सिर्फ अभिनय ही नहीं किया बल्कि अपने भाई साकिब सलीम के साथ इसे प्रोड्यूस भी किया है। उसके अपोजिट इस फिल्म से नए अभिनेता रचित सिंह ने बॉलीवुड में कदम रखे हैं। फिल्म में हुमा का किरदार न बोल सकता है और न सुन सकता है। ऐसे में उसके लिए अभिनय का सबसे बड़ा माध्यम केवल आंखें, चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज रहे। इस चुनौती के लिए उसने सुनने और बोलने में असमर्थ लोगों के संवाद करने के तरीके को करीब से समझा। हालांकि, वह नहीं चाहती थी कि उसके किरदार की पहचान केवल उसकी दिव्यांगता तक सीमित रह जाए। उसके लिए 'बेबी' एक ऐसी महिला है, जिसमें डर भी है, कमजोरी भी और जबरदस्त ताकत भी । हुमा स्वीकार करती है कि यह उसके करियर के सबसे कठिन अनुभवों में से एक रहा, लेकिन उतना ही संतोष देने वाला भी।

**प्रियंका बहुत कूल है**

वहीं हुमा से जब पूछा गया कि अगर 24 घंटे के लिए किसी स्टार का इंस्टाग्राम अकाऊंट इस्तेमाल करने का हुमा ने मौका मिले, तो वह किसे चुनेगी ? पहले तो थोड़ा सोचा, फिर मुस्कुराते हुए प्रियंका चोपड़ा का नाम लिया। जब उससे इसकी वजह पूछी गई तो उसने हंसते हुए कहा, “मैं बस देखना चाहती हूं कि उनके इंस्टाग्राम अकाऊंट के अंदर क्या चल रहा है। वह बहुत कूल हैं । उसका यह मजाकिया जवाब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है।

# 'अंग्रेजों के पुराने कानून खत्म, फास्ट ट्रैक कोर्ट से त्वरित न्याय' इंदौर में बोले सीएम

## सुशासन का आधार है न्याय, सीजेआई सूर्यकांत ने दिए संवाद के सूत्र

इंदौर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में शनिवार को वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस 'न्याय तक पहुँच बढ़ाना' का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार न्यायपालिका की भावना के अनुरूप उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग करते हुए प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के लिए सरल, सुलभ और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल, सुप्रीम कोर्ट एवं मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीशों सहित बड़ी संख्या में न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि भारत में न्याय की अवधारणा कोई नई व्यवस्था नहीं है। हमारी परंपरा में 'पंच परमेश्वर' के माध्यम से विवादों का समाधान समझाइश, संवाद और आपसी

इंदौर में 'इंहेंसिंग एक्सेस टू जस्टिस' सम्मेलन को संबोधित करते सीएम

सहमति से किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था में संवाद और समाधान की यह परंपरा आज भी प्रासंगिक है।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में अंग्रेजों के दौर के कई गैर-जरूरी कानूनों को समाप्त किया गया है। जनविश्वास अधिनियम, ई-केस फाइलिंग, वर्चुअल सुनवाई और डिजिटल डेटा संग्रह जैसी व्यवस्थाओं ने न्याय प्रणाली को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और नागरिक हितैषी बनाने में मदद की है। मुख्यमंत्री ने युवाओं के भविष्य से जुड़े पेपर लीक और धोखाधड़ी के मामलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए मध्य प्रदेश के इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में 24 घंटे के भीतर चार फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले मामलों में तेजी से न्याय दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। डॉ. मोहन यादव ने संविधान के अनुच्छेद 44 का उल्लेख करते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से संबंधित विधेयक विधानसभा में पारित किया गया है। उन्होंने इसे सर्वधर्म सद्भाव और समानता को मजबूती देने वाला कदम बताया।

मुख्यमंत्री ने मालवा की धरती पर न्याय की ऐतिहासिक परंपरा का उल्लेख करते हुए सम्राट विक्रमादित्य और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के निष्पक्ष न्याय के उदाहरणों को भी याद किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि 'सशक्त भविष्य, गरिमा और समावेशन' केवल शब्द नहीं हैं, बल्कि विधिक सहायता की वास्तविक परिभाषा हैं।

उन्होंने कहा कि न्याय की पहुंच केवल कानून और अदालतों तक सीमित नहीं हो सकती। इसके लिए पीड़ित व्यक्ति के साथ मानवीय व्यवहार और सीधा संवाद जरूरी है। उन्होंने पैरा लीगल वॉलेंटियर्स की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे समाज के अंतिम छोर तक न्याय पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

सीजेआई ने कहा कि गरीब और वंचित वर्ग को कानूनी सहायता देना कोई दान या चैरिटी नहीं, बल्कि उनका संवैधानिक अधिकार है।

सम्मेलन के दौरान न्याय तक पहुंच को अधिक समावेशी बनाने वाली कई पहलों का शुभारंभ किया गया। पुस्तकों और विभिन्न विधिक सेवा योजनाओं के साथ 'न्याय के स्वर' का विमोचन किया गया।

दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेल लिपि में विधिक मार्गदर्शिका लॉन्च की गई। इसके अलावा सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने नालसा के थीम सॉन्ग को इंडियन साइन लैंग्वेज में भी लॉन्च किया। कार्यक्रम में 'विवाद से सहमति' मध्यस्थता आधारित सर्टिफिकेट कोर्स और 'बच्चों को न्याय दिलाने से संबंधित मुकदमेबाजी फेलोशिप कार्यक्रम' का भी शुभारंभ किया गया।

# कश्मीर आतंकी हमला: पत्नी के सामने पति को गोली मारी

## बोलीं- घर में घुसकर नाम पूछा, फायरिंग की एक चिता पर 2 शवों का अंतिम संस्कार

सारंगढ़, 8 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर के कुलगाम में नकाबपोश आतंकी ने पत्नी के सामने ही छत्तीसगढ़ के मजदूर भूपेंद्र भैना की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक भूपेंद्र की पत्नी कचरा बाई ने बताया कि आतंकी घर में घुसा और पहले वहां मौजूद लोगों के बारे में पूछा। इसके बाद उसने भूपेंद्र और सक्ती के बुदेला गांव निवासी दीपक रात्रे को एक साथ बैठाया और दोनों से नाम और गांव पूछा।

कचरा बाई के मुताबिक, आतंकी ने बोरी से बंदूक निकाली और तीन राउंड फायर किए। दो गोलियां दीपक रात्रे को लगीं, जबकि एक गोली भूपेंद्र को लगी। दीपक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल भूपेंद्र ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

कचरा बाई ने बताया कि आतंकी का चेहरा नकाब से ढका था और वह उसकी सिर्फ आंखें देख पाईं। उन्होंने यह भी बताया कि भूपेंद्र और दीपक के शवों का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया। कचरा बाई ने राज्य सरकार से आर्थिक मदद के साथ

अपने और तीन साल के बेटे के भविष्य के लिए सरकारी नौकरी देने की मांग की है। घटना के बाद गुरुवार को कचरा बाई, भूपेंद्र के पिता दशरथ भैना, मां नागेश्वरी भैना और भाई अनुराग गांव पहुंचे।

भूपेंद्र भैना की पत्नी कचरा बाई ने बताया कि घटना वाले दिन शाम के समय दोनों घर पर थे। इसी दौरान नकाबपोश आतंकी वहां पहुंचा।

उसने पहले पूछा कि घर में और कौन-कौन हैं। इसके बाद आतंकी ने भूपेंद्र और सक्ती के बुदेला गांव निवासी दीपक रात्रे को एक साथ बैठाया।

पत्नी के मुताबिक आतंकी ने दोनों से नाम और गांव पूछा। फिर तीन गोलियां चला दीं, जिसमें से 2 गोलियां दीपक रात्रे को लगीं, जबकि एक गोली भूपेंद्र को लगी। वारदात के बाद आतंकी मौके से फरार हो गया। दीपक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल भूपेंद्र ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

# भगवान शिव पर आपत्तिजनक टिप्पणी से बवाल

## बजरंग दल ने क्रिश्चियन फोरम पदाधिकारी का घर घेरा अरुण पन्नालाल गिरफ्तार, 21 अगस्त तक जेल

रायपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर में भगवान शिव को लेकर सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद शुक्रवार को विवाद गहरा गया। टिप्पणी करने वालों के खिलाफ बीजेपी ने शिकायत की और छत्तीसगढ़ बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने क्रिश्चियन फोरम के पदाधिकारी अरुण पन्नालाल के घर का घेराव कर प्रदर्शन किया।

बीजेपी और छत्तीसगढ़ बजरंग दल ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। इसके अरुण पन्नालाल को गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। वे 21 अगस्त तक जेल में रहेंगे।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने अरुण पन्नालाल के घर के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया था।

रायपुर पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक, गुरुवार को सोशल मीडिया पेज में हंसराज गोयल नाम के व्यक्ति ने भगवान शिव पर आपत्तिजनक पोस्ट किया था। क्रिश्चियन फोरम के पदाधिकारी ने भी आपत्तिजनक कमेंट किया और इसके बाद विवाद बढ़ा।

भाजपा और हिंदू संगठनों ने सोशल मीडिया में कमेंट करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा नेता अमित चिमनानी ने कहा कि सावन माह भगवान शिव की आराधना का सबसे पवित्र समय माना जाता है। ऐसे समय में भगवान शिव, शिवलिंग और सनातन धर्म के देवी-देवताओं को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां करना करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य है।

छत्तीसगढ़ बजरंग दल के जिलाध्यक्ष योगेश सैनी ने हिंदू देवी देवताओं पर कमेंट करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा, कि विदेशी फंड के दम पर अरुण पन्नालाल हिंदू आस्था का अपमान कर रहे है।

# स्कूल बस की चपेट में आने से बच्ची की मौत

### हादसे में दो घायल, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम, पीछा कर ड्राइवर को पकड़ा

जमशेदपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। जमशेदपुर के गोविंदपुर थाना क्षेत्र स्थित अन्ना चौक के पास शनिवार को एक स्कूल बस की चपेट में आने से सात वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। इस हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं।

घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। मृत बच्ची की पहचान भोला बागान निवासी रूही कुमारी (7) के रूप में हुई है। रूही अपने परिवार के साथ अन्ना चौक के पास कार की धुलाई कराने पहुंची थी।

इसी दौरान एसडी पब्लिक स्कूल की एक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े लोगों को टक्कर मारते हुए बच्ची समेत तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रूही गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

# आंदोलनरत छात्रों की मदद के लिए बढ़े हाथ

## दुकान के लिए बनाई 250 प्लेट बिरयानी स्टूडेंट्स को खिलाई, छात्रा ने पॉकेट मनी से बांटे समोसे

रांची, 8 अगस्त (एजेंसियां)। सभी आंदोलनरत छात्रों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। मुझे भी लगा कुछ करना चाहिए। आज दुकान के लिए ढाई सौ प्लेट बिरयानी बनाई थी पर उसे बेचा नहीं। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों को खिला दिया। एक अजब सुकून सा लग रहा है। यह बातें राजकुमार ने कही। वो अपने मामा के साथ रांची के लालपुर में बिरयानी की दुकान लगाते हैं और किसी प्रकार से अपना खर्च निकाल पाते हैं। राजकुमार ने बताया कि सब लोग अपने अपने तरीके से छात्रों की मदद में लगे हुए हैं। ऐसे में मैं छात्रों की मदद में जुट गया।

दरअसल, जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ रांची में चल रहे छात्र आंदोलन का शनिवार को 15वां दिन है। धरनास्थल जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों की भीड़ इकट्ठा होते जा रही है। आंदोलन कर रहे छात्रों के समर्थन में एक ओर जहां

अलग-अलग छात्र संगठन, सामाजिक संगठन व अन्य लोग पहुंच रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग आंदोलनरत छात्रों के खाने-पीने का इंतजाम कर रहे हैं, जिसे देख छात्रों का हौसला बढ़ता जा रहा है और उन्हें अलग हिम्मत व ताकत मिल रही है।

रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में कुछ सामाजिक संगठन ऐसे भी हैं, जो यहां आंदोलन छात्रों के लिए समय-समय पर भोजन पानी की व्यवस्था करवा रहे हैं। ऐसी ही तस्वीर शनिवार सुबह जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में दिखाई पड़ी, जहां एक पिता-पुत्री की जोड़ी आंदोलन कर रहे छात्रों के लिए समोसे लेकर पहुंचे।

संजय भगत बिसनेस करते हैं। वो कहते हैं कि पिछले 15 दिनों से छात्रों के संघर्ष को देखते आ रहे हैं। ऐसे में मुझे छात्रों को मदद करने का खयाल आया। उन्होंने बताया कि वे अपनी बेटी सृष्टि के साथ यहां बच्चों के लिए समोसे लेकर पहुंचे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे भी आगे आएं और आंदोलनरत छात्रों की जैसे हो, मदद करें। छात्रों को समोसे बांट रही सृष्टि ने बताया कि उन्हें स्टूडेंट्स की मदद कर काफी सुख की अनुभूति हो रही है। वे खुद एक छात्र हैं।

उन्होंने भी 2023-24 में जेएसएससी की परीक्षा दे रखी है, लेकिन अब तक वे रिजल्ट के इंतजार में ही हैं। ऐसे में उन्होंने दूसरा रुख अपनाते हुए प्राइवेट जॉब शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि पिता से मिले पॉकेट मनी को संभाल कर जमा किया था। आज उसका सही उपयोग हो रहा है। वहीं, धरनास्थल पर ओडिशा के सुंदरगढ़ से पहुंचीं बबीता अंजलि भी छात्रों के समर्थन में मौजूद हैं।

# छात्रों और सरकार के बीच वार्ता बेनतीजा

## आंदोलन जारी रखने का ऐलान, शिक्षा मंत्री बोले- सरकार सभी से सुझाव लेगी

रांची, 8 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने कथित पेपर लीक मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे नौकरी अभ्यर्थियों के देवेंद्र नाथ महतो नेतृत्व वाले गुट के साथ शनिवार को बातचीत की। हालांकि इस बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकल पाया।

रांची स्थित राज्य अतिथि गृह में हुई बैठक के बाद मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने बताया कि सरकार इस मसले पर सभी से सुझाव लेगी। उन्होंने बताया कि बातचीत कई गुटों से होगी और जो छात्र रांची नहीं पहुंच सकते हैं, वो ई-मेल से अपना सुझाव राज्य सरकार के दे सकते हैं। शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने बताया कि राज्य सरकार प्रतियोगिता परीक्षाओं की व्यवस्था में सुधार के मसले पर छात्रों के पर संगठन से बातचीत करेगी। उन्होंने

कहा कि जो छात्र या उनके अभिभावक इस रांची आकर अपनी बात नहीं रख सकते हैं, वो अपने शहर या गांव में ही रहकर ई-मेल के माध्यम से सुझाव दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि एनएसयूआई, झारखंड छात्र संघ, आइसा समेत अन्य छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों से भी सरकार बातचीत करेगी।

सरकार की ओर से इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल में मंत्री सुदिव्य कुमार के अलावा चमरा लिंडा, संजय प्रसाद यादव, दीपिका पांडेय सिंह और मुख्य सचिव अविनाश कुमार शामिल थे। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो का अनशनका शनिवार को सातवें दिन भी जारी है। इस गुट का आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पिछले दो सप्ताह से राजधानी में हो रहे बड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक कर रहा है।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि वो सभी झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं सिविल सेवा परीक्षा और उस एजेंसी की ओर से आयोजित सभी परीक्षाओं को तत्काल रद्द किए जाने की मांग कर रहे हैं।' प्रदर्शनकारी कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच की भी मांग कर रहे हैं।

# रांची और गिरिडीह में हुई जमकर बारिश

### 13 जिलों में फ्लैश फ्लड को लेकर अलर्ट, वज्रपात, तेज हवा और जलजमाव की आशंका

रांची, 8 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। शनिवार से राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। सुबह से ही अलग-अलग जिलों में हल्की बारिश जारी है। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिमी और मध्य भागों में आज जोरदार वर्षा का अलर्ट जारी किया है। जबकि उत्तर-पूर्वी जिलों में भी कुछ स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है। इस दौरान वज्रपात और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी दी गई है। शनिवार दोपहर बाद रांची और गिरिडीह में जमकर बारिश हुई।

# 137 बीघा सरकारी जमीन पर प्रशासन का बुलडोजर एक्शन

## तालाब-झील की भूमि से हटाया अवैध कब्जा

संभल, 8 अगस्त (एजेंसियां)। सरकारी जमीन और जल निकायों पर अवैध कब्जे के खिलाफ संभल में प्रशासन ने बड़ा अभियान चलाया है। चंदौसी तहसील क्षेत्र में शनिवार को राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने तालाब और झील के नाम दर्ज 137 बीघा सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराया। प्रशासन ने पैमाइश और राजस्व अभिलेखों के सत्यापन के बाद बुलडोजर की मदद से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में चलाए गए इस अभियान के दौरान पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत चंदौसी तहसील क्षेत्र में प्रशासन को तालाब और झील की जमीन पर लंबे समय से कब्जे की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के बाद राजस्व विभाग की टीम ने संबंधित भूमि की पैमाइश कराई और राजस्व अभिलेखों की जांच की। जांच के दौरान करीब 137 बीघा जमीन पर अवैध कब्जे की पुष्टि हुई। इसके बाद प्रशासन ने नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान तहसील प्रशासन, राजस्व विभाग के अधिकारी और भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुलडोजर से चिन्हित जमीन पर किए गए अवैध निर्माण और कब्जे को हटाया गया।

प्रशासन की टीम ने सबसे पहले राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर जमीन की सीमाएं निर्धारित कीं। इसके बाद अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। अधिकारियों के मुताबिक कार्रवाई के दौरान किसी तरह की बड़ी अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई।

प्रशासन के अनुसार जिन जमीनों पर कार्रवाई की गई, उनमें से कई भूखंड राजस्व अभिलेखों में तालाब, झील और सार्वजनिक उपयोग की सरकारी भूमि के तौर पर दर्ज हैं। इन जमीनों पर अतिक्रमण होने से जल निकायों के संरक्षण और प्राकृतिक जल व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा था। अभियान के बाद कब्जा मुक्त कराई गई जमीन को राजस्व विभाग के कब्जे में ले लिया गया है। प्रशासन का कहना है कि सरकारी जमीन को उसके मूल स्वरूप में वापस लाने की दिशा में आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

# शिक्षक जाली नोटों के साथ असम में गिरफ्तार

## 7 .37 लाख रुपए बरामद, पत्नी के इलाज के लिए छुट्टी पर था, झारखंड में खपाने की थी तैयारी

पाकुड़, 8 अगस्त (एजेंसियां)। पाकुड़ सदर प्रखंड के एक सहायक शिक्षक को असम पुलिस ने जाली नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी गुवाहाटी के कामाख्या रेलवे जंक्शन पर एक विशेष अभियान के दौरान हुई। पुलिस ने शिक्षक के पास से 7 लाख 37 हजार रुपए के जाली नोट बरामद किए हैं।

गिरफ्तार शिक्षक की पहचान नव प्राथमिक विद्यालय केतकापाड़ा के सहायक अध्यापक गुलाब शेख के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके साथ दयाल दास नामक एक अन्य व्यक्ति को भी पकड़ा है।

जानकारी के अनुसार, शिक्षक गुलाब शेख अपनी पत्नी के इलाज के लिए एक महीने की छुट्टी पर स्कूल से गए थे। उनकी गिरफ्तारी की खबर सामने आने के बाद यह मामला चर्चा में आया।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों आरोपी इन जाली नोटों को झारखंड में खपाने की तैयारी में थे। पाकुड़ निवासी होने के कारण इस गिरफ्तारी से जिले में भी चर्चा का विषय बन गया है। छुट्टी पर जाने के बाद से शिक्षक का मोबाइल फोन बंद था, जिससे उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा था।

प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुमिता मरांडी ने बताया कि शिक्षक ने पत्नी के इलाज के लिए बाहर जाने का आवेदन देकर छुट्टी ली थी। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जानकारी जुटाई जा रही है और यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो विभागीय नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव ने पुष्टि की कि असम पुलिस ने उन्हें सूचना दी है।

इस सूचना के अनुसार, पाकुड़ के दो व्यक्ति, दयाल दास और सहायक अध्यापक गुलाब शेख, को जाली नोट मामले में गिरफ्तार किया गया है।

फिलहाल, पुलिस यह जांच कर रही है कि क्या शिक्षक जाली नोटों के नेटवर्क का हिस्सा था या इस मामले में कोई अन्य तथ्य सामने आएगा। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

# हाईकोर्ट बोला- फुटपाथ पर पैदल चलना मौलिक अधिकार

## फुटपाथ पर बनाया सड़क, अतिक्रमण भी निगम कमिश्नर से पूछा- बचाने क्या किया

बिलासपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सड़क निर्माण के दौरान कई जगह फुटपाथ गायब हो गए हैं। वहीं, अवैध कब्जे और अनियंत्रित पार्किंग के कारण पैदल चलने वालों के लिए परेशानी और सुरक्षा का खतरा बढ़ गया है। इसे लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने नगर निगम आयुक्त से जवाब मांगा है।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने निगम आयुक्त से पूछा है कि फुटपाथों को बचाने और अतिक्रमण से मुक्त रखने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। कोर्ट ने इस मामले में शपथपत्र के साथ जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पैदल चलना संविधान के तहत नागरिकों का मौलिक अधिकार है। ऐसे में नगर निगम की जिम्मेदारी है कि वह फुटपाथों का संरक्षण करे और उन्हें अतिक्रमण से मुक्त रखे। डिवीजन बेंच ने निगम आयुक्त से यह भी पूछा है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए अब तक जमीन पर क्या ठोस कार्रवाई की गई है।

याचिकाकर्ता संस्कार राजपूत ने जनहित याचिका में आरोप लगाया है कि फुटपाथों पर अवैध कब्जे और ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही के कारण बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांगों के लिए सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि नगर निगम और पुलिस प्रशासन से कई बार शिकायत करने के साथ ही आरटीआई के जरिए भी जानकारी मांगी गई, लेकिन इसके बावजूद समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

सुनवाई के दौरान नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस और जिला प्रशासन ने कोर्ट को बताया कि अतिक्रमण हटाने, मल्टीलेवल पार्किंग बनाने और सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि साल 2024 में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 67 हजार से ज्यादा चालान काटे गए। याचिकाकर्ता ने कोर्ट में हाल के फोटोग्राफ और मीडिया रिपोर्ट पेश कर प्रशासन के दावों पर सवाल उठाए। याचिका में कहा गया कि कागजों में कार्रवाई के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीन पर स्थिति अब भी जस की तस है।

# बिना टिकट अब मुंबई लोकल में न चढ़ें

## दोगुनी होगी टीसी की संख्या

मुंबई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई की लोकल ट्रेनों में टिकट जांच व्यवस्था मजबूत करने के लिए मध्य और पश्चिम रेलवे ने टिकट चेकिंग स्टाफ (टीसी) की संख्या करीब दोगुनी करने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा है। वर्तमान में मध्य रेलवे के मुंबई मंडल में करीब 1,400 और पश्चिम रेलवे में करीब 1,100 टीसी कार्यरत हैं। लेकिन रोजाना लाखों यात्रियों की संख्या को देखते हुए यह स्टाफ कम पड़ रहे है। ऐसे में अतिरिक्त टीसी की नियुक्ति की मांग की गई है। यदि यह मंजूरी मिल जाती है, तो चरणबद्ध तरीके से टीसी की संख्या बढ़ाई जाएगी। इससे लोकल समेत पूरे मंडल में टिकट जांच व्यवस्था मजबूत होगी, साथ ही बिना टिकट यात्रा करने वालों पर भी लगाम लगाने में मदद मिलेगी। रेलवे बोर्ड के स्टैंडर्ड के अनुसार, हर 1,000 यात्रियों पर 1 टिकट चेकिंग स्टाफ होना चाहिए। मध्य रेलवे की मुंबई लोकल में रोजाना औसतन 35 से 38 लाख यात्री सफर करते हैं, जबकि पश्चिम रेलवे की लोकल में 28 से 30 लाख यात्री यात्रा करते हैं। इस हिसाब से मध्य रेलवे ने करीब 2,800 टीसी, जबकि पश्चिम रेलवे ने करीब 2,300 से 2,400 टीसी की जरूरत बताई है। यानी कुल 4700 टीसी की जरूरत है

मुंबई की उपनगरीय लोकल ट्रेनों में रोजाना 65 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही होती है। मौजूदा टीसी की संख्या को देखते हुए सभी स्टेशनों और लोकल ट्रेनों में नियमित टिकट जांच करना संभव नहीं हो पाता।

# भारत पर 100% टैरिफ लगाने की तैयारी में अमेरिका

## क्या अधर में लटक जाएगी ट्रेड डील?

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका और भारत के बीच लंबे समय से प्रस्तावित ट्रेड डील पर नया संकट मंडराने लगा है। अमेरिकी सीनेट ने रूस पर प्रतिबंध लगाने से जुड़ा एक बड़ा बिल पास कर दिया है। इस बिल के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से बड़ी मात्रा में तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है। भारत और चीन उन देशों में शामिल हैं, जिन पर इस फैसले का सीधा असर पड़ सकता है। हालांकि, अभी यह कानून नहीं बना है। बिल को पहले हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से मंजूरी मिलनी बाकी है। इसके बाद ही यह राष्ट्रपति के पास जाएगा।

**भारत और चीन पर क्यों पड़ेगा असर?**

इस बिल में अमेरिका के राष्ट्रपति को रूस से तेल या प्राकृतिक गैस खरीदने वाले दुनिया के पांच बड़े खरीदार देशों से आने वाले सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार देने का प्रस्ताव है। फिलहाल भारत, चीन, अजरबैजान, हंगरी और स्लोवाकिया रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों में शामिल हैं।

इसलिए नए कानून का असर इन देशों पर सबसे ज्यादा पड़ सकता है। हालांकि, टैरिफ अपने आप लागू नहीं होगा। राष्ट्रपति को इसे लागू करने का अधिकार होगा और इसके लिए कुछ कानूनी और प्रशासनिक शर्तें भी होंगी। बिल में कुछ देशों के लिए छूट का प्रावधान भी है। अगर कोई देश अपनी जरूरत का 15 फीसदी से कम प्राकृतिक गैस रूस से खरीदता है और रूस से आयात कम करने की दिशा में कदम उठा रहा है तो उस पर यह टैरिफ लागू नहीं होने की संभावना है।

**भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर भी असर का सवाल**

इस पूरे मामले का समय भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। व्हाइट हाउस के नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के डायरेक्टर केविन हैसेट ने कहा कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर प्रस्तावित अमेरिकी प्रतिबंधों का भारत-अमेरिका व्यापार बातचीत पर असर पड़ेगा या नहीं, तो फैसला बातचीत कर रही टीमों पर निर्भर करेगा। उन्होंने इस बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। इससे साफ है कि अमेरिका अभी भारत के साथ चल रही ट्रेड डील की बातचीत और रूस से भारत की तेल खरीद के मुद्दे को अलग-अलग तरीके से देख रहा है। हालांकि, आगे चलकर दोनों मुद्दों के बीच संबंध बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

**भारत के लिए क्या है बड़ी चिंता?**

भारत लंबे समय से रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहा है। इससे भारतीय तेल कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के मुकाबले कम कीमत पर कच्चा तेल खरीदने में मदद मिली है। रूस से मिलने वाला सस्ता तेल भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण रहा है।

# चीन ने फिर दिखाया असली चेहरा!

## एक फैसले से बढ़ाई भारतीय कारोबारियों की चिंता

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच कारोबार करने वाली कंपनियों के लिए मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। चीन ने भारतीय कारोबारियों और कंपनियों के अधिकारियों को बिजनेस वीजा देने में सख्ती बढ़ा दी है। इसका सीधा असर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और दूसरे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कंपनियों के कामकाज पर पड़ रहा है।

चीन जाने वाले भारतीय अधिकारियों को अब वीजा हासिल करने में पहले के मुकाबले ज्यादा समय लग रहा है। इतना ही नहीं, बड़ी संख्या में आवेदन खारिज भी किए जा रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में काम करने वाली कुछ कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के अधिकारियों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में चीन ने कई कंपनियों के सिर्फ 20 से 40 फीसदी बिजनेस वीजा आवेदन ही मंजूर किए हैं। पहले लगभग सभी आवेदनों को मंजूरी मिल जाती थी।

**कंपनियों के प्रोजेक्ट पर पड़ रहा असर**

चीन की ओर से वीजा देने में यह सख्ती ऐसे समय में की जा रही है जब भारत कई उद्योगों के लिए चीन पर काफी निर्भर है। भारत चीन से बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, मशीनरी, उपकरण और तकनीकी विशेषज्ञता हासिल करता है। अलग-अलग उद्योगों में चीन से आने वाले कंपोनेंट्स और कैपिटल गुड्स की हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी तक हो सकती है। ऐसे में भारतीय कंपनियों के अधिकारियों का चीन नहीं पहुंच पाना केवल यात्रा से जुड़ी समस्या नहीं है। इससे प्रोजेक्ट शुरू करने, मशीनरी की जांच, तकनीकी बातचीत, सप्लायर से मिलने और उत्पादन से जुड़े कामों पर भी असर पड़ सकता है।

**केंद्र सरकार के सामने उठाया मुद्दा**

कई कंपनियों ने अनौपचारिक तौर पर केंद्र सरकार के सामने यह मुद्दा उठाया है। कंपनियों ने सरकार से अपील की है कि वह राजनयिक स्तर पर चीन के सामने वीजा की समस्या को उठाए। भारत-चीन संबंधों से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा कि चीन भारत की आर्थिक तरक्की में रुकावट डालने के लिए अलग-अलग कदम उठा सकता है। उनके मुताबिक, भारतीय कारोबारियों के वीजा आवेदन खारिज करना भी इसी तरह का एक कदम हो सकता है। हालांकि, यह एक व्यक्ति का दावा है। चीन के नई दिल्ली स्थित दूतावास ने इस मामले पर भेजे गए सवालों का जवाब नहीं दिया।

**सोशल मीडिया पर भी शिकायतें**

चीन की लगातार यात्रा करने वाले कई भारतीय कारोबारियों ने सोशल मीडिया पर भी वीजा से जुड़ी परेशानी की जानकारी दी है। कारोबारियों का कहना है कि दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें दोबारा शुरू होने के बावजूद बिजनेस वीजा हासिल करना मुश्किल हो गया है। कई लोगों ने वीजा आवेदन खारिज होने की बढ़ती संख्या को लेकर सवाल उठाए हैं। इससे चीन जाने वाले भारतीय अधिकारियों की कारोबारी बैठकें, तकनीकी काम और प्रोजेक्ट से जुड़े दौरे प्रभावित हो रहे हैं।

**गलवान के बाद बिगड़े थे भारत-चीन के रिश्ते**

भारत और चीन के रिश्तों में 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद बड़ा तनाव पैदा हुआ था। इसके बाद दोनों देशों के बीच चार साल से ज्यादा समय तक सैन्य गतिरोध बना रहा। इस तनाव के बाद भारत ने चीनी कंपनियों से जुड़े निवेश नियमों को सख्त किया। प्रेस नोट 3 के तहत चीन समेत कुछ देशों से आने वाले निवेश के लिए कई मंत्रालयों की मंजूरी जरूरी कर दी गई। भारत ने चीनी नागरिकों के लिए भी वीजा नियम काफी सख्त किए। हालांकि, भारतीय कंपनियों के साथ काम करने वाले कुछ तकनीकी कर्मचारियों के लिए अपवाद रखा गया। खास तौर पर उन कंपनियों में काम करने वाले तकनीकी कर्मचारियों को अनुमति दी गई जो प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव यानी पीएलआई योजना के तहत आती हैं।

# डीमर्जर से वेदांता कंपनी पर आफत

## 51 करोड़ के मामले में कार्रवाई; आईटीसी इस्तेमाल का आरोप

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। दिग्गज कारोबारी अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली वेदांता समूह की कंपनी 'वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड' की सहायक कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड मुश्किलों में घिरती नजर आ रही है।अनिल अग्रवाल की वेदांता स्टील (जिसे आधिकारिक तौर पर वेदांता आयरन एंड स्टील के नाम से लिस्ट किया गया है) वेदांता लिमिटेड के बड़े कॉर्पोरेट पुनर्गठन का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी पाँच स्वतंत्र इकाइयों में बँट गई। वेदांता का डीमर्जर के तहत 1 मई, 2026 की रिकॉर्ड डेट के बाद, इसे 15 जून, 2026 को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट किया गया, जिससे शेयरधारकों को आयरन और स्टील सेक्टर में अलग शेयर मिले। अब इसकी सहायक कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड मुश्किल में है। रांची स्थित केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त कार्यालय ने कंपनी को 51 करोड़ से अधिक का टैक्स नोटिस थमाया है।

**क्या है पूरा मामला?**

वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड द्वारा स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार, उनकी सहायक कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड को 7 अगस्त, 2026 को जीएसटी विभाग से एक सूचना प्राप्त हुई है। यह नोटिस वित्त वर्ष 2020-21 से 2022-23 के दौरान आयातित वस्तुओं पर इनपुट टैक्स क्रेडिट के कथित तौर पर अधिक लाभ उठाने और उसके उपयोग से संबंधित है। टैक्स विभाग का आरोप है कि कंपनी ने नियमों का उल्लंघन करते हुए अतिरिक्त इनपुट टैक्स क्रेडिट का इस्तेमाल किया है। विभाग द्वारा जारी नोटिस में कुल 51,23,19,275 (इक्यावन करोड़ तेईस लाख उन्नीस हजार दो सौ पचहत्तर रुपये) की मांग की गई है। इस राशि का विवरण नीचे दी गई तालिका में देखा जा सकता है:

**वेदांत की कंपनी उठाएगी कानूनी कदम**

वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड ने स्पष्ट किया है कि वह इस नोटिस का बारीकी से अध्ययन कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वह निर्धारित समय सीमा के भीतर कानून के अनुसार उचित कानूनी कदम उठाएगी। निवेशकों को राहत देते हुए कंपनी ने यह भी कहा है कि इस नोटिस का कंपनी के वित्तीय या परिचालन गतिविधियों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

## दैनिक पंचांग

**गृह गोचर**

| गृह स्थिति | | |
|---|---|---|
| सूर्य | कर्क | मे |
| चंद्र | मिथुन | मे |
| मंगल | वृष | मे |
| बुध | कर्क | मे |
| गुरु | कर्क | मे |
| शुक्र | कन्या | मे |
| शनि | मीन | मे |
| राहु | कुंभ | मे |
| केतु | सिंह | मे |

| लग्नारंभ समय | | |
|---|---|---|
| कर्क--- | 04-23 | बजे |
| सिंह--- | 06-35 | बजे |
| कन्या--- | 08-42 | बजे |
| तुला---- | 10-46 | बजे |
| वृश्चिक--- | 12-57 | बजे |
| धनु--- | 15-11 | बजे |
| मकर--- | 17-16 | बजे |
| कुंभ--- | 19-07 | बजे |
| मीन--- | 20-45 | बजे |
| मेष---- | 22-21 | बजे |
| वृष----- | 00-05 | बजे |
| मिथुन-- | 02-07 | बजे |

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083

शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा

महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - 432000

भोग्य कलि वर्ष. - 426873

सूर्योदय 06-01

सूर्यास्त. 18-42

कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949127

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127

दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले

मास - श्रावण कृष्ण पक्ष रविवार 09 August 2026

तिथि - एकादशी 11-05 तक उपरान्त द्वादशी

नक्षत्र - मृगशिरा 14-43 तक उप आर्द्रा

योग - हर्षण 04-04 तक उप वज्र

करण - बालव 11-05 तक उप कौलव

**विशेष: कामदा एकादशी व्रत**

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

**राहुकाल 17-09 से 18-44 तक**

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

| दिन का चौघड़िया | | | |
|---|---|---|---|
| उत्पात | 06-01 - 07-34 | अशुभ |
| चंचल | 07-34 - 09-10 | शुभ |
| लाभ | 09-10 - 10-46 | शुभ |
| अमृत | 10-46 - 12-22 | शुभ |
| काल. | 12-22 - 13-57 | अशुभ |
| शुभ. | 13-57 - 15-33 | शुभ |
| रोग | 15-33 - 17-09 | अशुभ |
| उत्पात | 17-09 - 18-42 | अशुभ |

| रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|
| शुभ। | 18-42 - 20-09 | शुभ |
| अमृत | 20-09 - 21-33 | शुभ |
| चंचल | 21-33 - 22-57 | शुभ |
| रोग | 22-57 - 00-22 | अशुभ |
| काल | 00-22 - 01-46 | अशुभ |
| लाभ | 01-46 - 03-10 | शुभ |
| उत्पात | 03-10 - 04-35 | अशुभ |
| शुभ | 04-35 - 06-01- | शुभ |

# पीएलआई में फार्मास्युटिकल सेक्टर के लिए जारी की गई 6,659 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि : केंद्र

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के जरिए फार्मास्युटिकल सेक्टर को मार्च 2026 तक 6,659 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जा चुकी है। लोकसभा में लिखित में एक प्रश्न का लिखित में उत्तर देते हुए रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि फार्मास्युटिकल सेक्टर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना- पीएलआई वित्त वर्ष 2022-23 में

आरंभ हुई। इस योजना में कुल 15,000 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय में से, मार्च 2026 तक 6,659 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जा चुकी है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि थोक दवाओं के लिए पीएलआई योजना के तहत, कुल 6,940 करोड़ रुपए के परिव्यय में से मार्च 2026 तक 87.70 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है। थोक दवाओं संबंधी पीएलआई परियोजनाओं के कार्यान्वयन में भूमि अधिग्रहण में लगने वाले समय, पर्यावरण मंजूरी, उच्च उपयोगिता लागत, फर्मेन्टेशन यानी किण्वन आधारित थोक औषधियों के लिए लंबी निर्माण अवधि आदि जैसी कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ा है। रासायनिक संश्लेषण के विपरीत, किण्वन जीवित कोशिकाओं की जैविक गतिविधि पर निर्भर करता है, जिनकी वृद्धि की गति प्राकृतिक और धीमी होती है। इन सब कारणों से परियोजनाएं आरंभ होने में देरी हुई।

इससे निधि वितरण भी प्रभावित हुआ क्योंकि प्रोत्साहन राशि इन परियोजनाओं में निर्मित उत्पादों की बिक्री के आधार पर जारी की जाती है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सरकार चिकित्सा उपकरणों के लिए पीएलआई योजना भी चला रही है और इसमें मार्च 2026 तक 266.64 रुपए वितरित किए जा चुके हैं।

# भारत का तेल आयात 18% गिरा लेकिन जून तिमाही में 26% बढ़ गया बिल, क्या है वजह?

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत का कच्चा तेल आयात बिल पिछले साल के मुकाबले 26% बढ़ गया, जबकि इंपोर्ट वॉल्यूम में 18% की गिरावट आई। यानी कम तेल मंगाने के बावजूद भारत का क्रूड ऑयल बिल एक चौथाई बढ़ गया। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण सप्लाई में रुकावट आई और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं। इस दौरान कच्चा तेल 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया था। हालांकि हाल में इसमें गिरावट आई है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 83.55 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने इस साल अप्रैल और जून के बीच कुल 59.7 मिलियन टन कच्चा तेल आयात किया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 73 मिलियन टन था। हालांकि इस दौरान आयात बिल अप्रैल-जून 2025 के 39 अरब डॉलर से बढ़कर 49 अरब डॉलर हो गया। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक देश है और अपनी जरूरत का

88% हिस्सा आयात से पूरा होता है। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने से पहले कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से कम थी, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य से शिपमेंट में रुकावट आने के बाद इनमें भारी उछाल आई। यहां से दुनिया का 20 फीसदी कच्चा तेल गुजरता है। भारत का लगभग 40% कच्चा तेल आयात इसी रास्ते से होता है। ईरान युद्ध के चरम पर ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। रुपये की कमजोरी ने भी आयात बिल को बढ़ाने में भूमिका निभाई। भारत हर साल 1.8 से 2 अरब बैरल कच्चा तेल आयात करता है। तेल की कीमत में प्रति बैरल 1 डॉलर की बढ़ोतरी से उसके तेल आयात बिल में 2 अरब डॉलर तक का इजाफा हो सकता है। फ्रेट, इंश्योरेंस और वॉर-रिस्क प्रीमियम में अंतर के कारण अलग-अलग देशों से खरीदे गए कच्चे तेल की औसत लागत अलग-अलग थी। जून तिमाही के दौरान रूस से सप्लाई की औसत लागत 2,408 डॉलर प्रति टन रही जबकि यूएई के कच्चे तेल की लागत 2,213 डॉलर प्रति टन थी। एक सरकारी रिफाइनिंग कंपनी के अधिकारी ने कहा, उस समय हमारी प्राथमिकता 1.4 अरब लोगों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, जहां से भी संभव हो, सप्लाई हासिल करना थी। उन्होंने आगे कहा कि संघर्ष से पहले मिलने वाली छूट खत्म हो गई थी और रिफाइनरों को भारी वॉर-रिस्क प्रीमियम चुकाने के लिए मजबूर होना पड़ा।पहली तिमाही में रूस एक बार फिर भारत का टॉप क्रूड सप्लायर बना रहा। कुल आयात में उसकी हिस्सेदारी 40% से अधिक रही। उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (14.6%), सऊदी अरब (9.9%), वेनेजुएला (5.2%) और ओमान (4.5%) प्रमुख सप्लायर थे।

# सोना इस हफ्ते 6 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.3 लाख के पार

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। डॉलर इंडेक्स पर दबाव और महंगाई कम होने की संभावना के चलते सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमशः 6 हजार रुपए और 13 हजार रुपए से अधिक महंगे हो गए हैं। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 6,761 रुपए बढ़कर 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,42,860 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,37,053 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,30,860 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोना का दाम बढ़कर 1,12,216 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,07,145 रुपए प्रति 10 ग्राम था।इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 3 अगस्त को शाम के सत्र में 1,42,557 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 7 अगस्त को शाम के सत्र में 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

**सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है।**

चांदी का दाम 13,086 रुपए बढ़कर 2,31,381 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,18,295 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 7 अगस्त को शाम के सत्र में 2,31,381 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 3 अगस्त को शाम के सत्र में 2,17,287 रुपए प्रति किलो देखा गया।आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,400 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 63 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह कच्चे तेल में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम होना है। इससे साथ ही डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से कीमती धातुओं में तेजी को सहारा मिला है।

## आपका राशिफल

**मेष** चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

**वृष** ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

खुशियाँ मनाने का समय है । आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है । आज आप भावनात्मक रूप से बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर सकते हैं।

**मिथुन** का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,

बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

**कर्क** ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

**सिंह** मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

**तुला** रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

**वृश्चिक** तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें । आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

**धनु** ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

**मकर** भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

**कुंभ** गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

**मीन** दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

# एक जनवरी, 2027 से कर्ज वसूली के नए नियम, ईएमआई नहीं भरी तो क्या बंद हो जाएगा मोबाइल?

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आपने ईएमआई पर स्मार्टफोन, लैपटॉप या टैबलेट खरीदा है और किसी वजह से किस्त भरने से चूक गए हैं, तो क्या बैंक दूर बैठकर आपका फोन लॉक कर सकता है?

इस सवाल को लेकर देश भर के करोड़ों डिजिटल कर्ज लेने वालों के बीच भ्रम और डर की स्थिति बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने लोन वसूली करने वाले रिकवरी एजेंटों की मनमानी को लेकर एक और सख्त फैसला सुनाया है। अगले साल से लागू होने वाले इन नए नियमों में फोन लॉकिंग और टेक्नोलॉजी आधारित पाबंदियों के लिए देश का पहला रेगुलेटरी फ्रेमवर्क तैयार किया गया है।

**क्या बैंक आपका फोन लॉक कर सकते हैं?**

हां, लेकिन सिर्फ शर्तों के साथ। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि यदि आपने किसी डिवाइस

(फोन, टैबलेट, लैपटॉप) को फाइनेंस कराने के लिए ही लोन लिया है और आप किस्तें नहीं चुकाते, तो बैंक उस डिवाइस को टेक्नोलॉजी के जरिये बंद कर सकते हैं। लेकिन वे अपनी मर्जी से कभी भी यह डिजिटल ताला नहीं लगा सकते।

शर्त 1 : लोन एग्रीमेंट में स्पष्ट जिक्र होना चाहिए कि डिफॉल्ट की स्थिति में डिवाइस के फीचर्स रोके जा सकते हैं।

शर्त 2: किस्त न मिलने पर नोटिस भेजने के बावजूद, जब तक लोन खाता 30 दिनों से अधिक समय तक बकाया नहीं हो जाता, तब तक बैंक इस तरह की कोई पाबंदी नहीं लगा सकते।

शर्त 3: पूर्ण प्रतिबंध केवल तभी लगाया जा सकता है जब लोन का भुगतान 60 दिनों तक न हुआ हो। 60 दिनों से पहले आउटगोइंग कॉल्स बंद नहीं की जा सकतीं।

**फोन लॉक होने पर क्या चालू रहेगा?**

आपकी इनकमिंग कॉल्स, एसएमएस सेवा या इमरजेंसी एसओएस फीचर्स बंद नहीं होंगी। बैंक या थर्ड पार्टी टेक कंपनियां आपके फोन में मौजूद पर्सनल फोटो, कॉन्टैक्ट्स, मैसेज, कॉल लॉग्स या लोकेशन हिस्ट्री को न तो देख सकती हैं और न ही एक्सेस कर सकती हैं।

**रिकवरी एजेंटों की गुंडागर्दी पर लगाम**

रिकवरी एजेंट केवल सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच ही कॉल कर सकते हैं। लोन की चर्चा केवल कर्जदार या गारंटर से होगी। पड़ोसियों, सहकर्मियों या रिश्तेदारों को फोन करना या उनके सामने सार्वजनिक रूप से अपमानित करना पूरी तरह से प्रतिबंधित होगी। शादी-ब्याह, मेडिकल इमरजेंसी या परिवार में किसी की मृत्यु के समय एजेंट घर नहीं आ सकते। बैंकों को रिकवरी वाली सभी कॉल्स रिकॉर्ड करनी होंगी और उन्हें कम से कम छह महीने तक सुरक्षित रखना होगा।

**कैसे चालू होगा फोन**

अगर आप बकाया राशि का भुगतान कर देते हैं, तो बैंक को एक घंटे के भीतर सभी सेवाएं फिर से चालू करनी होंगी। देरी होने पर ग्राहक को 250 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से हर्जाना देना होगा। इसकी अधिकतम राशि लोन की रकम के बराबर हो सकती है।

# 13 साल पुरानी भर्ती परीक्षा में बड़ा फर्जीवाड़ा

## 655 में से 302 कार्मिकों की नियुक्ति संदिग्ध; अब भजनलाल सरकार लेगी एक्शन

अलवर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। लिपिक भर्ती-2013 में फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए राज्य स्तरीय जांच टीम ने अलवर में 655 में से 302 लिपिकों की नियुक्ति को संदिग्ध माना है। टीम की रिपोर्ट मिलने के बाद राजस्थान सरकार ने अलवर कलक्टर व जिला परिषद के सीईओ को आदेश दिए हैं कि इन 302 लिपिकों की सुनवाई 15 दिन में करते हुए एक्शन लें। संतोषजनक जवाब व दस्तावेज न मिलने पर इन्हें बर्खास्त करें।

नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल 200 से अधिक अधिकारियों व कार्मिकों के खिलाफ भी तीन सप्ताह में एक्शन लेकर रिपोर्ट सरकार को भेजें। साथ ही, 18 कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की सिफारिश की गई है। अलवर जिला परिषद की ओर से वर्ष 2013 में लिपिक भर्ती की गई थी। इसी भर्ती का अगला चरण वर्ष 2017 व वर्ष 2022 में पूरा हुआ। तीनों चरणों में 655 लिपिकों की भर्ती की गई थी।

राज्य स्तर पर संयुक्त आयुक्त (जांच) अनिल सोनी की ओर से पेश 73 पेज की जांच रिपोर्ट को शासन सचिव जोगाराम ने अलवर कलक्टर आर्तिका शुक्ला, जिला परिषद सीईओ सालुखे गौरव रविंद्र को कार्रवाई के लिए भेजा है। आदेश दिए है कि सभी 302 कर्मचारियों को सुनवाई का मौका देकर यदि जांच रिपोर्ट के आक्षेपों का निराकरण नहीं हो, तो विभागीय नियम पूरे कर इन्हें नौकरी से 15 दिन में बर्खास्त कर दिया जाए। सबसे बड़ी अनियमितता दस्तावेजों का सत्यापन नहीं करवाना है। एक गिरोह पूरे राज्य में सक्रिय रहा, जिसने जाली कंप्यूटर प्रमाण पत्र और फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र तैयार किए।

रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि ऐसे कर्मचारियों को बर्खास्त करने के आदेश वर्ष 2018 में ही दे दिए गए थे, लेकिन 8 साल तक भी जिलों ने इन आदेशों की पालना नहीं की। अलवर में वर्ष 2022 में ऐसे कई और अपात्र भर्ती कर लिए गए, जो वर्ष 2018 के सर्कुलर के अनुसार भर्ती नहीं होने चाहिए थे। शासन सचिव ने मार्च-2025 में ही जिला परिषदों को सभी कर्मचारियों के दस्तावेजों की जांच कर संदिग्ध कर्मियों की सूचना स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को भिजवाने के निर्देश दिए थे, लेकिन इसमें भी कार्रवाई नहीं की गई, इसलिए सीईओ से स्पष्टीकरण लिया जाए। भर्ती में व्यापक स्तर पर अनियमितता हुई। कई लोग स्थानीय कंप्यूटर सेंटर से ही अन्य राज्यों के कंप्यूटर प्रमाण पत्र लाकर ऑफ कैंपस डिग्री के आधार पर ही नौकरी लेने में कामयाब हो गए। भर्ती में लिखित परीक्षा या इंटरव्यू का प्रावधान नहीं था। केवल दस्तावेजों के आधार पर नौकरी दी गई, उनका भी सत्यापन नहीं कराया जाना ठीक वैसा है, जैसे उत्तरपुस्तिका जांचे बिना ही पूर्णांक देना।

वर्ष 2022 की भर्ती में सबसे ज्यादा हो गड़बड़ी हुई, 134 में से 89 संदिग्ध कर्मी इस जांच रिपोर्ट की जद में आए हैं। इनमें से अब तक 3 बर्खास्त चुके हैं। वर्ष 2022 की भर्ती में ओबीसी विधवा महिला कोटे की कटऑफ जारी नहीं करने और नियुक्ति के 33 दिन बाद कटऑफ जारी करने को भी गलत बताया गया है। ओबीसी विधवा कोटे में तीन लोगों को बिना कटऑफ जारी किए नौकरी दी गई। रिपोर्ट में लिखा है कि आरएससीआइटी कंप्यूटर प्रमाण पत्र में वर्ष 2013 के सभी प्रमाण पत्रों में अंतिम दो डिजिट 13 है, जो संदिग्ध है। जांच रिपोर्ट में इस दौरान रहे सभी सीईओ व कलक्टर्स से स्पष्टीकरण लेने की सिफारिश की गई है।

# 20 दिन की पैरोल के बाद भी जेल में क्यों बंद है आसाराम? सरकार से हाईकोर्ट का सवाल

जोधपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को लेकर एक नया कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। राजस्थान हाईकोर्ट से 20 दिन की पैरोल मिलने के बावजूद आसाराम को जेल प्रशासन ने रिहा नहीं किया है। इस बात से नाराज होकर आसाराम के वकीलों ने फिर से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसके बाद अदालत ने राजस्थान सरकार से सवाल किया है कि आदेश के बाद भी रिहाई क्यों नहीं हुई?

राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली बेंच में इस मामले पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए पूरी स्थिति पर जवाब-तलब किया है। अब सरकार और जेल प्रशासन को कोर्ट में यह साफ करना होगा कि पैरोल मिलने के बाद भी आसाराम को बाहर क्यों नहीं आने दिया गया। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 अगस्त की तारीख तय की है। फिलहाल, आसाराम जोधपुर के एक आयुर्वेद अस्पताल में पुलिस हिरासत के बीच अपना इलाज करवा रहा है।

वहीं, दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट ने खराब सेहत के आधार पर आसाराम को अंतरिम जमानत देने से साफ इनकार कर दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका को पूरी तरह खारिज नहीं किया और उसे पेंडिंग रखा है। कोर्ट का कहना है कि अगर भविष्य में स्वास्थ्य स्थिति अधिक बिगड़ती है तो वे दोबारा अंतरिम जमानत की अर्जी दाखिल कर सकते हैं।

सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आसाराम ने हाईकोर्ट से 20 दिनों की पैरोल मांगते समय यह बात छुपाई थी कि सुप्रीम कोर्ट में भी उनकी अंतरिम जमानत की याचिका चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर नाराजगी जताई और जानकारी छुपाने की कोशिश की निंदा की।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की असली मेडिकल स्थिति जानने के लिए एम्स से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। एम्स की मेडिकल टीम ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि आसाराम को अस्पताल में भर्ती रखने की तुरंत जरूरत नहीं है, लेकिन उनकी उम्र और बीमारियों को देखते हुए 24 घंटे उनकी सेहत पर नजर रखी जानी चाहिए। इस रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम को राहत देते हुए चौबीसों घंटे उनकी देखभाल के लिए अपनी पसंद का एक प्रशिक्षित केयरगिवर रखने की अनुमति दे दी है।

फिलहाल, आसाराम की रिहाई का मामला कानूनी पचड़ों में उलझ गया है। एक तरफ जहां हाईकोर्ट के पैरोल आदेश पर अमल न होने से सवाल उठ रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट में जानकारी छुपाने के आरोप ने मामले को और पेचीदा बना दिया है। अब 17 अगस्त को हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई में ही साफ हो पाएगा कि आसाराम को पैरोल पर बाहर आने का मौका मिलेगा या उन्हें जेल में ही रहना पड़ेगा।

# नेपाल में बाड़मेर की बेटियों का जलवा

## भारत ने थाईलैंड को 4-2 से हराकर जीता गोल्ड

बाड़मेर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले की खेल प्रतिभाओं ने नेपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। गोल्ड मेडल जीतकर घर लौटे खिलाड़ियों का फूल-माला और साफा पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया।

जिले के रामसर कुआ गांव निवासी फुटबॉल खिलाड़ी कविता सारण ने बताया कि 1 से 3 अगस्त तक नेपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मिनीफुटबॉल टूर्नामेंट में वह भारतीय टीम का हिस्सा रहीं। टूर्नामेंट के दौरान टीम ने विभिन्न देशों की टीमों के साथ मुकाबले खेले। फाइनल में भारत का सामना थाईलैंड से हुआ, जिसमें भारतीय टीम ने थाईलैंड को 4-2 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

कविता सारण ने बताया कि प्रतियोगिता में बाड़मेर जिले के दो और पूरे राजस्थान के कुल तीन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। भारतीय टीम की जीत के बाद खिलाड़ियों और उनके परिजनों में खुशी का माहौल है। घर लौटने पर खिलाड़ियों का स्थानीय स्तर पर सम्मान और स्वागत किया गया।

कविता सारण ने कहा कि गेम जीतने के बाद उन्हें बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग सवाल करते हैं कि लड़कियां बाहर क्यों जा रही हैं। ऐसे लोगों से वह कहना चाहती हैं कि बेटियों को केवल घर तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए, ताकि हर क्षेत्र में लड़कियों की गूंज सुनाई दे।

कविता ने कहा कि पहले की तुलना में अब कुछ बदलाव जरूर आया है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे केवल यह कहने तक सीमित न रहें कि लड़का और लड़की समान हैं, बल्कि बेटियों को भी लड़कों के बराबर समझें और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दें। बेरीवाला तला गांव निवासी दिव्या चौधरी ने बताया कि उन्होंने नेपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मिनीफुटबॉल टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। उन्होंने कहा कि बेटियां हर काम कर सकती हैं और किसी से कम नहीं हैं। उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने की अपील की।

# 'अपनी उपज-अपना उद्योग' अभियान पर भजनलाल सरकार की मुहर, फ़ूड प्रोसेसिंग नीति को मंज़ूरी

जयपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और उनके कृषि उत्पादों को नया बाजार देने की दिशा में एक बहुत बड़ा फैसला सामने आया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार ने 'राजस्थान कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति-2026' और 'राजस्थान फूड पार्क विकास नीति-2026' को अपनी आधिकारिक स्वीकृति दे दी है। यह फैसला प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के उद्देश्य से शुरू किए गए राजस्थान पत्रिका के विशेष अभियान 'अपनी उपज-अपना उद्योग' की एक बड़ी और ऐतिहासिक सफलता है। पत्रिका द्वारा सरकार को प्रस्तुत किए गए विस्तृत विजन डॉक्यूमेंट की तर्ज पर ही राज्य सरकार ने अब कृषि उपज को 'खेत से बाजार' तक एक मजबूत वैल्यू चेन में पिरोने का ठोस खाका तैयार कर लिया है।

सदैव प्रदेश के किसानों के हित में आवाज बुलंद की है। पत्रिका के 'अपनी उपज-अपना उद्योग' अभियान के तहत यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था कि राज्य के किसान केवल कच्चे माल के उत्पादक बनकर न रह जाएं, बल्कि अपनी उपज की प्रोसेसिंग कर खुद के उद्योग स्थापित करें।

कैबिनेट के इस ताजा फैसले ने पत्रिका की इस सोच और जनहितैषी अभियान पर मुहर लगा दी है। सरकार की इस नई नीति से अब राज्य के किसानों को उनकी फसल का सही मूल्य मिलेगा और प्रोसेसिंग इकाइयों के माध्यम से गांवों में ही रोजगार के ढेरों अवसर पैदा होंगे।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कैबिनेट निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि नई नीति का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता को बढ़ावा देना और कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करना है। इस नीति के दायरे में निम्नलिखित क्षेत्रों को शामिल किया गया हैः

कृषि व बागवानी उत्पादः फल, सब्जी, मसाले, अनाज, दलहन और तिलहन। डेयरी व अन्य उत्पादः दूध, शहद, औषधीय पौधे, गौण वन उपज और पशु आहार पर आधारित उद्योग। इन्फ्रास्ट्रक्चर विकासः कोल्ड स्टोरेज, साइलो, वेयरहाउस और आधुनिक सप्लाई चेन नेटवर्क।

श्री अन्न प्रोत्साहनः मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए राज्य में एक समर्पित 'श्री अन्न प्रोत्साहन एजेंसी' का गठन किया जाएगा।

50 लाख तक के ऋण परः 60 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी। 50 लाख से 1 करोड़ तक के ऋण परः 50 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी। 1 करोड़ से अधिक के ऋण परः 40 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी (अधिकतम सब्सिडी सीमा 1.5 करोड़ तक)। विशेष छूट (5% अतिरिक्त सब्सिडी): महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति जनजातीय उप-योजना क्षेत्रों के उद्यमियों और किसान उत्पादक संगठनों को प्रोत्साहन देने के लिए 5 प्रतिशत की अतिरिक्त कैपिटल सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा, कोल्ड स्टोरेज, साइलो और निर्यात-उन्मुख बुनियादी ढांचे के लिए राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 के तहत भी सब्सिडी का विस्तार किया जाएगा।

राजस्थान को एग्री-प्रोसेसिंग हब बनाने के लिए 'फूड पार्क विकास नीति-2026' को भी मंजूरी दी गई है। इसके तहत राज्य के हर जिले में चरणबद्ध तरीके से क्लस्टर आधारित मॉडल पर विश्वस्तरीय फूड पार्क विकसित किए जाएंगे।

पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप : फूड पार्कों के विकास में पीपीपी मॉडल के जरिए निजी निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा।

## कार की टक्कर से स्कूल बस पलटी- 19 बच्चे घायल

जयपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर जिले के निकटवर्ती जोबनेर कस्बे से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। जोबनेर कस्बे के महला रोड पर एक निजी विद्यालय की बस को ओवरटेक करने के प्रयास में एक अनियंत्रित एसयूवी कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टक्कर के बाद स्कूल बस और कार दोनों ही सड़क पर अनियंत्रित होकर पलट गईं। इस भीषण दुर्घटना में बस में सवार 19 स्कूली बच्चे घायल हो गए हैं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसा होते ही मौके पर तेज आवाज सुनकर आसपास के स्थानीय लोग और राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़े। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए पलटी हुई बस से चीखते-चिल्लाते मासूम बच्चों को बाहर निकाला। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस प्रशासन और 108 एंबुलेंस सेवा को दी गई।

# अजमेर सेंट्रल जेल का जेलर सद्दाम हुसैन सस्पेंड

## चर्चित 'ब्लैकमेल कांड' के मास्टरमाइंड से करवाई कैदियों की वीडियो कॉल पर बात

अजमेर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की सबसे संवेदनशील मानी जाने वाली अजमेर सेंट्रल जेल में सुरक्षा व्यवस्था और अधिकारियों की निष्ठा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जेल के अंदर से कैदियों की अपराधियों से सांठगांठ का एक चौंकाने वाला मामला सामने आने के बाद जेल प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। अजमेर सेंट्रल जेल के जेलर सद्दाम हुसैन को सरकारी मोबाइल फोन से सजायाफ्ता कैदियों की बाहर के मुख्य आरोपियों से वीडियो कॉल पर बातचीत कराने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। डीजी जेल अशोक राठौड़ ने आदेश जारी करते हुए सद्दाम हुसैन का मुख्यालय श्रीगंगानगर शिफ्ट कर दिया गया है। वहीं जेलर के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू होगी। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद कारागार विभाग और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, अजमेर के चर्चित 1992 ब्लैकमेलिंग कांड (100 से अधिक छात्राओं व महिलाओं के यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग का मामला) के तीन सजायाफ्ता कैदियों की बातचीत जेलर के कार्यालय में बैठकर कराई जा रही थी। जेलर सद्दाम हुसैन अपने सरकारी कार्य के लिए आवंटित आधिकारिक मोबाइल फोन से कैदियों की बात इस घिनौने कांड के मास्टरमाइंड नफीस चिश्ती से वीडियो कॉल के जरिए करवा रहे थे। जेलर के चैंबर में हुई इस वीडियो कॉलिंग की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि जेल कर्मियों की अपराधियों के साथ मिलीभगत किस हद तक गहराई हुई है। सरकारी मोबाइल का दुरुपयोग कर जेल के भीतर गंभीर अपराधियों को अवैध सुविधाएं मुहैया कराने का पर्दाफाश होते ही महानिदेशक (कार्यालय कारागार) ने सख्त रुख अपनाया।

# साफ़ हुई 'महिला आरक्षण' की तस्वीर, निकायों में 33% और पंचायतों में 50% रहेगा रिज़र्वेशन, हुए बदलाव

जयपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी शहरी निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों को लेकर चुनावी सुगबुगाहट तेज हो गई है। राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इस बार के चुनावों में सबसे महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं का आरक्षण प्रतिशत और प्रत्याशियों द्वारा किया जाने वाला चुनाव खर्च रहेगा। शहरी निकायों और पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण का गणित अलग-अलग तय किया गया है। स्वायत्त शासन विभाग और पंचायती राज विभाग ने इस संबंध में लॉटरी प्रक्रिया की तैयारियां पूरी कर ली हैं।

राजस्थान में इस बार भी शहरी निकाय और पंचायती राज चुनावों में महिला आरक्षण का अनुपात अलग-अलग रहने वाला है।

पंचायती राज चुनावः पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। शहरी निकाय चुनावः स्वायत्त शासन विभाग द्वारा आयोजित निकाय चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण ही मिलेगा।

वर्गवार आरक्षणः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणियों में महिलाओं को आरक्षण इसी 33% और 50% के तय अनुपात के आधार पर ही आवंटित किया जाएगा।

स्वायत्त शासन विभाग ने 33 फीसदी महिला आरक्षण के हिसाब से तथा पंचायती राज विभाग ने 50 फीसदी महिला आरक्षण के हिसाब से लॉटरी तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने वर्ष 2008 में पंचायत और शहरी निकाय दोनों स्तरों पर महिलाओं का आरक्षण 33 से बढ़ाकर 50 फीसदी करने का निर्णय लिया था। हालांकि, शहरी निकायों में 50 फीसदी महिला आरक्षण का मामला कानूनी अड़चनों के कारण सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया।

अदालत से हरी झंडी न मिलने के कारण निकायों में महिला आरक्षण 33 फीसदी पर ही रुका हुआ है। कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक, संविधान के अनुच्छेद 243 डी में संशोधन के बाद ही शहरी निकायों में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू किया जा सकता है।

वर्तमान में बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और केरल जैसे राज्यों में शहरी निकायों में 50% महिला आरक्षण लागू है।

## बेटे की रंजिश में मां की मौत, 3 बदमाश हिरासत में

उदयपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र के बेड़वास कपिल विहार से चौंकाने वाली घटना सामने आई। एक युवक से रंजिश के कारण बदमाशों ने उसके घर पर 2 बार पथराव किया, वाहनों में तोड़फोड़ की। भागते समय बदमाशों को रोकने का प्रयास करने पर उन्होंने युवक की मां को टक्कर मार दी जिसके बाद इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। पुलिस ने रात को 3 बदमाशों को हिरासत में ले लिया वहीं वाहनों को जब्त कर लिया।

पुलिस ने बताया कि घटनाक्रम में गौड़ों का खेड़ा कानोड़ हाल कपिल विहार निवासी उर्मिला कुंवर (52) पत्नी फतहसिंह गौड़ की मौत हो गई। एसयूवी सवार बदमाशों ने उसे टक्कर मार दी। घटना की वजह उर्मिला कुंवर के बेटे दिव्यराजसिंह से रंजिश होना सामने आया है। निजी अस्पताल में महिला ने दम तोड़ दिया।

## मुस्लिम युवक ने पीएम मोदी की तारीफ की तो मिली धमकी

### पुलिस के बाद पीएमओ के शरण में पहुंचा उमर फारूक

कोटा, 8 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की योजनाओं की तारीफ करना कोटा के एक युवक के लिए परेशानी का कारण बन गया। वल्लभबाड़ी निवासी उमर फारूक ने आरोप लगाया है कि सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के अच्छे स्वास्थ्य और देश की उन्नति की दुआ करने के बाद कुछ लोगों ने उन्हें धमकियां देना शुरू कर दिया। उमर का दावा है कि धमकी देने वाले लोगों ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट और संदेश भी किए हैं। मामला सामने आने के बाद उमर फारूक ने गुमानपुरा थाने में परिवाद देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने इस मामले की शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय में भी भेजी है। शिकायत के साथ धमकी देने वालों के सोशल मीडिया पोस्ट और संदेशों के स्क्रीनशॉट भी पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं। उमर फारूक के मुताबिक, उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए देश की तरक्की और उन्नति की दुआ की थी। इसके अलावा उन्होंने केंद्र सरकार की कुछ योजनाओं की तारीफ भी की। उमर का आरोप है कि उनकी इन पोस्ट के बाद कुछ कट्टरपंथी विचारधारा वाले लोगों ने उन्हें निशाना बनाना शुरू कर दिया। उनका कहना है कि शुरुआत में सोशल मीडिया पर टिप्पणियां की गईं, लेकिन बाद में मामला कथित धमकियों तक पहुंच गया। उमर ने पुलिस को उपलब्ध कराए गए स्क्रीनशॉट के आधार पर संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट और पोस्ट की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

# मधुमक्खियों के हमले से बचने भागा युवक

## खुले कुएं ने छीन ली जिंदगी, भरतपुर में श्रमिक की दर्दनाक मौत

भरतपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भरतपुर वैर थाना क्षेत्र के गांव गौठरा के नगला में एक दर्दनाक हादसा सामने आया। यहां नींबू की बगीची में काम कर रहे एक श्रमिक युवक पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। हमले से बचने के दौरान युवक असंतुलित होकर बगीची में स्थित कुएं में जा गिरा। हादसे में उसकी मौत हो गई।

अनुसार वैर कस्बा निवासी पूरन प्रजापत गौठरा के नगला में ठेके पर ली गई नींबू की बगीची में नींबू तोड़ने का काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों से बचने के लिए पूरन इधर-उधर भागने लगा। इसी दौरान वह असंतुलित होकर बगीची में स्थित खुले कुएं में गिर गया। युवक के कुएं में गिरने की आवाज सुनकर आसपास की बगीचियों में काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पूरन के परिजनों और वैर थाना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही वैर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से कुएं में गिरे पूरन प्रजापत को बाहर निकाला गया और तत्काल वैर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाया और शव परिजनों को सौंप दिया। हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अचानक हुई इस घटना के बाद मृतक के परिजनों और इलाके में गंभीर माहौल है।

## फिर बारिश का दौर, अगले 3-4 दिन सक्रिय रहेगा मानसून; कई जिलों में यलो अलर्ट

जयपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में बारिश का दौर जारी रहा। शहर के ग्रामीण इलाकों में एक इंच तक बारिश दर्ज की गई। चौमूं में सबसे ज्यादा 41 मिमी, शाहपुरा में 36 मिमी और पावटा में 26 मिमी बारिश हुई। बारिश के चलते तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई और जयपुर का अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

जयपुर के अलावा विराटनगर और जमवारामगढ़ में 20-20 मिमी, आमेर में 12 मिमी, कोटपूतली में 10 मिमी, जयपुर कलेक्ट्रेट पर 4 मिमी तथा किशनगढ़-रेनवाल और कोटखावदा में 3-3 मिमी बारिश दर्ज की गई। चाकसू, कालवाड़ और आंधी में भी बारिश हुई।

मौसम विभाग ने आज राजस्थान के 30 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। सीकर और झुंझुनूं में भारी बारिश की चेतावनी है। वहीं भरतपुर में बीते चार दिनों से भारी बारिश हो रही है। जल भराव की स्थिति देखते हुए जिला प्रशासन ने आज भरतपुर में स्कूलों का अवकाश घोषित कर दिया है। पूर्वी राजस्थान में मानसून की गतिविधियां अगले कुछ दिनों तक जारी रहने की संभावना है।

# डॉक्टर की गैरमौजूदगी में नर्सिंग स्टाफ ने कराई डिलीवरी

## अस्पताल का लाइसेंस रद्द

जयपुर, 8 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में प्रसूताओं की मौत के लगातार सामने आ रहे मामलों के बीच अलवर के निजी अस्पताल में प्रसूता की मौत ने प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। डॉक्टर की गैरमौजूदगी में नर्सिंग स्टाफ द्वारा डिलीवरी कराने के बाद महिला की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा एक्शन लेते हुए निशु अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया है। अस्पताल की सभी गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने के साथ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने मामले में कड़ा एक्शन तो लिया है लेकिन प्रसूताओं की निगरानी के सरकार के तमाम दावे धरातल पर धराशाई नजर आ रहे हैं। राजस्थान में मई के बाद से सरकारी अस्पतालों में प्रसूताओं की मौतों के कई मामले सामने आए हैं। लगभग 33 से ज्यादा प्रसूताओं की मौत के मालले प्रदेश भर के अस्पतालों में अब तक सामने आ चुके है। अलवर की इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया। नागला रायसिस के निशु अस्पताल में हुई इस घटना को गंभीरता से लेते हुए, चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव गायत्री राठौड़ ने अस्पताल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। विभाग की जांच में पता चला कि किसी क्वालिफाइड डॉक्टर की गैर-मौजूदगी में नर्सिंग स्टाफ के एक सदस्य ने डिलीवरी कराई थी, जिससे मरीज की मौत हो गई। यह मामला स्वास्थ्य भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए गायत्री राठौड़ की अध्यक्षता में हुई मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं और मातृ मृत्यु के मामलों की समीक्षा बैठक के दौरान सामने आया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, यह घटना 4 अगस्त को हुई थी, जब साहिल खान की पत्नी अंजुम को डिलीवरी के लिए निशु अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

# कोमटिरेड्डी ने किसानों से धान की खेती से बचने का आग्रह किया

नलगोंडा, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । सड़क एवं भवन एवं सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे किसानों में जागरूकता पैदा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे किसी भी परिस्थिति में धान की खेती न करें। उन्होंने नागार्जुन सागर जलाशय में पानी की भारी कमी और मौजूदा अल नीनो की स्थिति के कारण ऊपरी इलाकों से ताजे पानी के प्रवाह की कम संभावना का हवाला दिया है। मंत्री ने किसानों से सूखी फसलों और कम सिंचाई की आवश्यकता वाली अन्य जल-बचत फसलों को अपनाने का आग्रह किया, यह कहते हुए कि नागार्जुन सागर परियोजना में वर्तमान में उपलब्ध पानी केवल पीने के पानी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा। शनिवार को नालगोंडा कलेक्ट्रेट में जिला सिंचाई सलाहकार बोर्ड की बैठक को संबोधित करते हुए, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि नागार्जुन सागर परियोजना वर्तमान में डेड स्टोरेज लेवल पर है और अगर श्रीशैलम से पानी छोड़ा भी जाता है, तो फसलों के लिए सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने की बहुत कम गुंजाइश होगी। उन्होंने कहा कि नागार्जुन सागर में उपलब्ध पानी जून 2027 तक ही पीने के पानी की जरूरतों को पूरा कर पाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जलाशय के पूर्ण स्तर तक भर जाने पर भी टैंकों को भरना संभव नहीं होगा, जबकि बोरवेल में भूजल स्तर भी घट रहा है। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा, "अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को किसानों को जल-बचत वाली फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित करने और सूखे जैसी स्थितियों के दौरान उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।" फसल विविधीकरण के तहत, नालगोंडा जिले के किसानों ने लगभग 33,000 एकड़ भूमि पर धान की जगह सूखी फसलें उगाना शुरू कर दिया है।मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लक्ष्य को बढ़ाकर 1.5 लाख एकड़ करें और किसानों को जल-बचत वाली फसलों की ओर रुख करने के लिए प्रेरित करने के प्रयासों को तेज करें।उन्होंने सब्जियों और बागवानी फसलों को बढ़ावा देने और किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने का भी आह्वान किया। मंत्री ने दोहराया कि श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग परियोजना अगस्त 2028 तक पूरी हो जाएगी, और कहा कि यह सूखे की स्थिति में भी नालगोंडा को सिंचाई का स्थायी समाधान प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि परियोजना पर काम प्रगति पर है और एएमआरपी, एसएलबीसी और ब्राह्मणा वेल्लामूला परियोजनाओं के संयुक्त कार्यान्वयन से जिले में लगभग चार लाख एकड़ भूमि की सिंचाई हो सकेगी। कोमटिरेड्डी ने कहा, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को एसएलबीसी परियोजना को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी धनराशि खर्च करने का निर्देश दिया है। यहां तक कि सूखे के दौरान भी, यदि श्रीशैलम जलाशय में पर्याप्त जल स्तर न हो, तो एसएलबीसी के माध्यम से सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति की जा सकती है। उन्होंने सिंचाई अधिकारियों को नियमित रूप से खेतों का दौरा करने, मुश्किल समय में किसानों के साथ खड़े रहने, उनमें आत्मविश्वास जगाने और जल-बचत वाली फसलों की खेती की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने का निर्देश दिया। मंत्री ने अधिकारियों को जिला सिंचाई सलाहकार बोर्ड की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने का भी निर्देश दिया।

## टीजीबीआईई ने प्राइवेट जूनियर कॉलेजों

### पर 1 करोड़ रुपये से ज़्यादा का जुर्माना लगाया

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्राइवेट जूनियर कॉलेजों को अपने संस्थानों में किसी भी तरह की लापरवाही के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। तेलंगाना बोर्ड ऑफ़ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजीबीआईई) ने एक महीने से कुछ ज़्यादा समय में नियमों का उल्लंघन करने वाले प्राइवेट कॉलेजों पर 1 करोड़ रुपये से ज़्यादा का जुर्माना लगाया है, जिसमें नकली फायर नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जमा करने का मामला भी शामिल है।

हाल के मामले में, बोर्ड ने 45 प्राइवेट जूनियर कॉलेजों में से प्रत्येक पर 8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इन कॉलेजों ने कथित तौर पर शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए एफिलिएशन पाने के लिए हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड एसेट प्रोटेक्शन एजेंसी की नकली फायर एनओसी जमा की थीं। यह मामला तब सामने आया जब एक व्यक्ति ने हैड्रा से शिकायत की कि एक प्राइवेट जूनियर कॉलेज ने नकली फायर एनओसी जमा की है। कॉलेज मैनेजमेंट के खिलाफ पुलिस केस भी दर्ज किए जा चुके हैं। इसके अलावा, बोर्ड ने नियमों का उल्लंघन करने वाले 95 से ज़्यादा प्राइवेट जूनियर कॉलेजों पर 1 लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक का भारी जुर्माना भी लगाया है।

# कोविड संकट प्रबंधन में साइबराबाद मॉडल को हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की मान्यता

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कोरोना महामारी के दौरान साइबराबाद में संकट प्रबंधन और कारोबार की निरंतरता बनाए रखने के लिए अपनाए गए मॉडल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस और हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग ने हार्वर्ड बिजनेस इम्पैक्ट के माध्यम से ऑपरेशनल एक्सीलेंस इन क्राइसिस: ट्रांसफॉर्मिंग बिजनेस कंटिन्युटी इन साइबराबाद आईटी कॉरिडोर शीर्षक से केस स्टडी प्रकाशित की है। इस केस स्टडी के सह-लेखकों में आईएसबी के प्रोफेसर विजय सुंदर एम., हैदराबाद के पुलिस आयुक्त एवं पूर्व साइबराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार तथा दिति जोशी शामिल हैं।

प्रोफेसर विजय सुंदर एम. आईएसबी में ऑपरेशंस मैनेजमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर (प्रैक्टिस) और एग्जीक्यूटिव एजुकेशन के 'ऑपरेशनल एक्सीलेंस फॉर लीडर्स' कार्यक्रम के निदेशक हैं। केस स्टडी में बताया गया है कि कोरोना महामारी की शुरुआत के दौरान तत्कालीन साइबराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के नेतृत्व में साइबराबाद पुलिस ने एससीएससी, सरकारी विभागों, उद्योग जगत और स्वास्थ्य संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर कुछ ही दिनों में करीब 8 लाख आईटी/आईटीईएस कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम में स्थानांतरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इससे आईटी, आईटीईएस, फार्मा, बैंकिंग-वित्तीय सेवाएं, स्वास्थ्य, विनिर्माण, खुदरा और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में कामकाज जारी रखना संभव हुआ।एससीएससी ने डॉ. कृष्णा येदुला के समन्वय में कोविड रिस्पॉन्स एवं बिजनेस कंटिन्युटी फ्रेमवर्क संचालित किया। इसके तहत आवश्यक कर्मचारियों के आवागमन की अनुमति, सीएक्सओ स्तर पर समन्वय, सरकारी दिशा-निर्देशों का प्रसार और कार्यस्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग किया गया।

महामारी के दौरान व्यावसायिक गतिविधियों को जारी रखने के साथ-साथ मानवीय सहायता के क्षेत्र में भी व्यापक कार्य किए गए। एससीएससी कोविड कंट्रोल रूम, ऑक्सीजन बैंक और ऑक्सीजन केयर सेंटर स्थापित किए गए। इसके अलावा प्लाज्मा डोनेशन अभियान चलाए गए तथा हाईटेक में एक दिन के विशेष टीकाकरण शिविर में करीब 38 हजार नागरिकों का टीकाकरण किया गया। जरूरतमंदों को भोजन, पीपीई किट, दवाइयां और आवश्यक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने के साथ ही पुलिस एवं स्वास्थ्यकर्मियों, प्रवासी मजदूरों और अप्रभावित परिवारों की भी सहायता की गई।

## मूसी प्रोजेक्ट ज़मीन अधिग्रहण पर सुनवाई के लिए फ़्लैट मालिकों को बुलाया गया

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मधु पार्क रिज अपार्टमेंट्स के निवासियों को मूसी रिवर फ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट से जुड़ी ज़मीन अधिग्रहण पर सुनवाई के लिए बुलाया गया है।

राजेंद्रनगर मंडल के ज़मीन अधिग्रहण अधिकारी ने जुलाई में बांडलागुडा में मधु पार्क रिज अपार्टमेंट्स (B-ब्लॉक) के 150 से ज़्यादा मालिकों को नोटिस जारी किए थे, जिसमें मालिकों से 7 जुलाई को पूछताछ में शामिल होकर अपनी बातें और दावे रखने को कहा गया था।

इसके अनुसार, निवासी राजेंद्रनगर डिवीज़न के रेवेन्यू डिवीज़नल ऑफिसर के सामने सुनवाई में शामिल हुए और मूसी प्रोजेक्ट का विरोध करते हुए अपनी आपत्तियां उठाईं।

फ़्लैट मालिकों में से एक, एस सुब्बालक्ष्मी, जो पूछताछ में शामिल हुई थीं, ने बताया ज़्यादातर फ़्लैट मालिक ज़मीन अधिग्रहण प्रक्रिया के खिलाफ थे। हमने विस्तार से बताया कि अगर सरकार अपार्टमेंट्स के परिसर से ज़मीन का अधिग्रहण करती है तो उन्हें क्या समस्याएं होंगी। कुछ फ़्लैट मालिकों ने भावनात्मक रूप से अपार्टमेंट्स के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बताया और प्रोजेक्ट के लिए ज़मीन का अधिग्रहण न करने का आग्रह किया।

खबर है कि एक फ़्लैट मालकिन नोटिस मिलने के बाद पूछताछ में शामिल हुई थीं। नोटिस मिलने के बाद पिछले महीने कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा पड़ने) से उनके पति की मौत हो गई थी, और उन्होंने पूछताछ में उनकी तस्वीरें दिखाईं, यह बताते हुए कि अधिकारियों के दबाव के कारण उनकी मौत हुई।

इस बीच, एक वकील, एन कुमारस्वामी ने ज़मीन अधिग्रहण अधिकारी को कानूनी नोटिस भेजा, जिसमें कहा गया कि ज़मीन अधिग्रहण की कार्यवाही को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका हाई कोर्ट में लंबित है।

## पेद्दापल्ली में कुख्यात चोर गिरफ्तार

पेड्डापल्ली, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जगटियाल के एक कुख्यात चोर को शनिवार को मंथनी शहर में घरों में चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए गोदावरीखानी के एसीपी एम. रमेश ने बताया कि जगटियाल के थारकारामा नगर निवासी वनम रामू को लगातार अपराध करने के आरोप में पकड़ा गया। पुलिस की रात की गश्त के दौरान शहर में संदिग्ध रूप से घूमते हुए उसे पकड़ा गया।

पूछताछ करने पर रामू ने अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अपराध करने की बात कबूल की। उसने माना कि वह बंद घरों को निशाना बनाता था। उसने बताया कि उसने जिले के अलग-अलग हिस्सों में कई घरों से कीमती सामान चुराया था। उसने खुलासा किया कि उसने सोने के गहने गिरवी रख दिए थे। उसने जांचकर्ताओं को बताया कि वह उस पैसे का इस्तेमाल उधार देने और ऐशो-आराम के लिए करता था।

रमेश ने तत्परता दिखाते हुए रामू को पकड़ने के लिए मंथनी के इंस्पेक्टर बी. स्वामी, रामगिरी के एसआई टी. श्रीनिवास, हेड कॉन्स्टेबल भार्गव और कॉन्स्टेबल डी. रमेश, वी. अभिषेक और बी. राज कुमार की तारीफ़ की।

# सूचना भवन में धूमधाम से मनाया गया बोनालू उत्सव

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में मासाब टैंक स्थित सूचना भवन (एफडीसी कॉम्प्लेक्स) के कार्यालय परिसर में श्री कनकदुर्गा अम्मावारी मंदिर में बोनालू उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सूचना विभाग कर्मचारी सांस्कृतिक संघ के नेतृत्व में आयोजित समारोह में शोभायात्रा, बोनालू समर्पण और विशेष पूजा-अर्चना की गई। सूचना विभाग के विशेष आयुक्त मुकुंद रेड्डी ने देवी कनकदुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना की। इसके बाद निकाली गई उत्सव शोभायात्रा में डप्पू वाद्ययंत्रों की गूंज, पोतराजों के पारंपरिक प्रदर्शन और विभिन्न लोक कला रूपों की प्रस्तुतियों ने सभी को आकर्षित किया।

कार्यक्रम में सूचना विभाग के निदेशक एल.एल.आर. किशोर बाबू, अतिरिक्त निदेशक डी.एस. जगन, मीडिया अकादमी के सचिव वेंकटेश्वर राव, संयुक्त निदेशक डी. श्रीनिवास, के. वेंकट रमण एवं सीआईई राधाकिशन, उप निदेशक सी. राजारेड्डी एवं आरआईई जय राममूर्ति, सहायक निदेशक सत्यनारायण रेड्डी एवं बिमल देव, डिप्टी इंफॉर्मेशन इंजीनियर नरसिम्हा गौड़, लेखा अधिकारी पद्मा, टीएनजीओ अध्यक्ष मारम जगदीश्वर, टीजीओ अध्यक्ष येलूरी श्रीनिवास राव सहित टीएनजीओ के नेता अनिल, जितेंद्र और दुर्गाप्रसाद तथा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

# हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने बोनालू जुलूस के लिए ट्रैफिक डायवर्जन का ऐलान किया

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की ट्रैफिक पुलिस ने 9 और 10 अगस्त को कारवान, अंबरपेट और चिलकलगुडा समेत शहर के पुराने हिस्सों में बोनालू उत्सव और जुलूस को देखते हुए बड़े पैमाने पर ट्रैफिक डायवर्जन और पार्किंग का इतज़ाम किया है।

पुराने शहर में, 9 अगस्त को सुबह 6 बजे से जुलूस खत्म होने तक और 10 अगस्त को सुबह 9 बजे से उत्सव खत्म होने तक मुख्य पाबंदियां लागू रहेंगी। जुलूस के दौरान मदीना X रोड्स को गुलज़ार हाउस, चारमीनार, हिम्मतपुरा, नागुलचिंटा और अलीबाद होते हुए इंजन बाउली से जोड़ने वाली सड़क गाड़ियों की आवाजाही के लिए पूरी तरह बंद रहेगी।

लाल दरवाज़ा, चारमीनार, अलीबाद, नागुलचिंटा, गौलीपुरा, मुगलपुरा, मीरचौक, नयापूल और आसपास के इलाकों की ओर जाने वाले कई रूट डायवर्ट किए जाएंगे। पुराने चंद्रयानगुट्टा से छत्रिनाका की ओर आने वाली भारी गाड़ियों को भी संतोषनगर और चंद्रयानगुट्टा की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

पुलिस ने शालीबंडा में देवी प्लाईवुड एरिया, अल्का थिएटर ओपन ग्राउंड, आर्य वैश्य मंदिर, वीपी स्कूल ग्राउंड, मित्रा स्पोर्ट्स क्लब, श्री वेंकटेश्वर मंदिर परिसर, फूलबाग चमन ग्राउंड और चारमीनार बस टर्मिनल जैसी जगहों पर पार्किंग की सुविधा तय की है। जुलूस में शामिल गाड़ियां दिल्ली गेट पर एक लाइन में खड़ी की जाएंगी। अधिकारियों ने बताया कि आरटीसी बसों को चारमीनार, फलकनुमा और नयापुल की ओर जाने की इजाज़त नहीं होगी। ये बसें वैकल्पिक रास्ते लेने से पहले ओल्ड सीबीएस, अफ़ज़लगंज, दारुलशिफ़ा क्रॉस रोड्स, छत्रीनाका और इंजन बाउली जैसी जगहों पर अपनी यात्रा खत्म करेंगी।

श्री-श्री-श्री दरबार मैसम्मा बोनालु उत्सव और सब्जी मंडी, कारवान से नल्ला पोचम्मा मंदिर तक हाथी जुलूस के लिए, 8 अगस्त की रात 9 बजे से 10 अगस्त की सुबह तक ट्रैफिक पर पाबंदियां रहेंगी।

पुरानापुल, जियागुडा, टप्पाचाबुतरा, कारवान और तल्लागड्डा के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जाएगा। दोपहिया वाहनों के लिए सरकारी प्राइमरी और हाई स्कूल ग्राउंड में पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

## बीसी समुदाय के मुद्दों और कल्याण योजनाओं पर नेताओं की बैठक

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर के आवास पर बीसी मंत्रियों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों और प्रमुख नेताओं की बैठक हुई। इसमें बीसी समुदायों से जुड़े मुद्दों, कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और आगामी प्रतिमा अनावरण कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। बैठक में 14 अगस्त को एचएमडीए मैदान के पास महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाओं तथा 18 अगस्त को टैंक बंड पर सरदार सर्वई पापन्ना गौड़ की प्रतिमा के उद्घाटन की तैयारियों पर विचार किया गया। नेताओं ने बीसी उप-योजना, पर्याप्त बजट, बीसी आयोग को मजबूत करने और लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति राशि चरणबद्ध तरीके से जारी करने की मांग पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया। बीसी कल्याण योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और समुदायों के आर्थिक सशक्तीकरण पर भी जोर दिया गया। बैठक में बीसी समुदायों के लिए 'आत्मसम्मान' भवनों के निर्माण तथा कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

## कृषि अधिकारी से वसूली के आरोप में दो फर्जी पत्रकार गिरफ्तार

आसिफाबाद, 8 अगस्त ( स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद डीएसपी बी. अशोक ने बताया कि दो व्यक्तियों को कृषि अधिकारी को धमकाकर अवैध वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बुते देवेंद्र (30), पेशा — पत्रकार , मूल निवासी दहेगांव, आसिफाबाद। डुम्पा सुरेश (30), पेशा — पत्रकार मूल निवासी गंगापुर, चिंतनमानेपल्ली मंडल, आसिफाबाद। आसिफाबाद डीएसपी ने बताया कि 5 अगस्त को कृषि अधिकारी बोरकुट वेंकटि ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। दोनों आरोपी सोशल मीडिया पत्रकार होने का दिखावा कर अधिकारी को धमकाते रहे। पहले 20 लाख की मांग की गई, बाद में 26 जुलाई को 1.30 लाख नकद वसूला गया। व्हाट्सएप चैट्स, वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट सबूत के तौर पर जब्त किए गए। 7 अगस्त को पुलिस टीम ने हैदराबाद में दोनों को पकड़कर आसिफाबाद थाने लाया। डुम्पा सुरेश पर पहले भी पोक्सो केस दर्ज है, जिसमें उसने नाबालिग लड़की से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए थे। पुलिस ने कहा कि दोनों आरोपी पत्रकारिता का दुरुपयोग कर सरकारी अधिकारियों को धमकाकर वसूली करने की कोशिश कर रहे थे। डीएसपी बी. अशोक ने कहा कि डिजिटल सबूत, वित्तीय लेन-देन और कॉल रिकॉर्ड्स की जांच जारी है।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.20इ2026, दि.07-08-2026

भण्डारण मदों की आपूर्ति, ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर प्रदर्शित की गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें & अपने आफर्स को आनलाइन पर प्रस्तुत करें। उक्त वेबसाइट पर निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी दिया गया है। मैन्युएल रुप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य हैं। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की तय तिथि की बंद करने का समय 14.30 बजे है। ''सभी स्वदेशी प्रस्ताव या आफर्स, अग्रधन को, केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइटःwww.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।''

| निविदा सं. | संक्षिप्त कार्य विवरण |
|---|---|
| 66266425A | प्लासर मेक के टीएम स्पेयर्स |
| 66266657 | प्लासर मेक के टीएम स्पेयर्स |
| 29261226 | डब्ल्यूएपी-7 लोको हेतु पिनियन शाफ्ट 20 टीथ |
| 80255027A | हैड्रालिक आयल शेल टेल्लस एस2वी x68 |
| 80261215 | शेल गाडस एस25 वी 42 पी 2.5 ग्रीज |
| 66257118 | टीएम हेतु स्पेयर्स का प्रापण |
| 66266199A | प्लासर मेक के टीएम स्पेयर्स |
| 60265423 | टी-5836 से टी-6068 संबध्द ट्रैप स्वीच स्लीपर्स |
| 77261010 | एनामेल पेन्ट जेन्टियन ब्लू शेड आरएएल-5010 |
| 29261412 | डब्ल्यूएजी9 लोकोज हेतु प्राइमरी एक्सल डैम्पर |
| 77261252 | पेट्रोलियम हैड्रोकार्बन साल्वेन्ट (थिन्नर) |
| 25263459 | पन्टोग्राफ टाइप एएम12 कम्प्लीट |
| 77261145A | पेंट रेडी मिक्स रेड आक्साइड (आइएससी:446)-ब्रशिंग, फिनिशिंग |
| 60267639 | टीड़ब्ल्यूएसइजे स्लीपर्स से टी-8838 |
| 66267047 | प्लासर मेक के टीएम स्पेयर्स |
| 60267551 | 1 इन 12, 60 केजी, टी-4218 हेतु एनसीआर रब्बर पैड्स का प्रापण |
| 29265008 | बिजली से संचालित वाइंड स्क्रीन वाइपर की आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन व कमीशनींग |
| 66267345 | टीएम हेतु वाल्व्ज व पम्प्स की प्रोक्यूरमेंट |
| 66267318 | टीएम हेतु टीसीटीटी का प्रापण |
| 66265850 | टीएम हेतु स्पेयर्स का प्रापण |
| 66266943 | टीएम हेतु स्पेयर्स का प्रापण |
| 45261110 | रेलवे कैरेज फैन ब्रशलेस्स |
| 45261386 | 70एएच, 110वी, वीआरएलए रखरखाव या मेनटेनन्स फ्री बैटरी |
| 45261043 | ब्रशलेस्स आल्टरनेटर 4.5 केडब्ल्यू |
| 42261482 | संबध्द 400ए, 3पीएच, 750वी की जेडएस कपलिन्ग |
| 56261007 | पीवीसी अंडरग्राउंड रेलवे सिग्नल्लिंग केबुल साइज 12 कोरx1.5 स्के.मी. |
| 56261006 | पीवीसी अंडरग्राउंड रेलवे सिग्नल्लिंग केबुल साइज 30 कोरx1.5 स्के.मी. |

टिप्पणीः निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां- क्रम सं.01 से 03 दि.24-08-2026, क्रम सं.04 से 06 दि.25-08-2026, क्रम सं.07 से 08 दि.26-08-2026, क्रम सं.09 से 16 दि.27-08-2026, क्रम सं.17 से 25 दि.28-08-2026, क्रम सं.26 & 27 दि.31-08-2026

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी हैं। विस्तृत विवरण हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट पर जाएं।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.19इ2026, दि.07-08-2026

भण्डारण मदों की आपूर्ति, ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर प्रदर्शित की गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें & अपने आफर्स को आनलाइन पर प्रस्तुत करें। उक्त वेबसाइट पर निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी दिया गया है। मैन्युएल रुप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य हैं। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की तय तिथि की बंद करने का समय 14.30 बजे है। ''सभी स्वदेशी प्रस्ताव या आफर्स, अग्रधन को, केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइटःwww.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।''

| निविदा सं. | संक्षिप्त विवरण |
|---|---|
| 45261191 | एलएचबी टाइप हेतु एलइडी टाइप एमरजेंसी लाइट युनिट |
| 33261436 | फियट बोगी हेतु बोल्स्टर |
| 65265003 | हेवी-ड्यूटी एस्केलेटर |
| 33261090A | संबध्द एलएचबी कोचेस हेतु वाइएडब्ल्यू डैम्पर |
| 30263628A | संबध्द नान-एसबेस्टास आधारित, के, टाइप हाय फ्रिक्शन कम्पोजिट |
| 33261019 | सेफ्टी वायर रोप एस्सेम्बली |
| 33261165A | ब्रेक केलिपर युनिट |
| 43265013 | बैटरिज सहित सीएमएस कियोस्कज आनलाइन युपीएस |
| 38261544 | एयर ब्रेक होज कपलिन्ग पाइप (लंबाई 790एमएम) |
| 38261499A | नान-एसबेस्टास आधारित एल-टाइप कम्पोजिशन ब्रेक ब्लाक 1000एमएम व्हील डाया तत्संबंधित फ्राइट हेतु |
| 45261021 | संबध्द 1100 एएच लीड एसिड बैटरी |
| 33261104 | एलएचबी कोचेस हेतु जनरेटर कार के लिए प्राइमरी स्प्रिन्ग आउटर |
| 30261379 | आईआरएस साइड बफ्फर कैसिंग |
| 33261010 | फियाट बोगिज की मैन्युफैक्चरींग हेतु 25 आयटम्स का सेट |
| 30261385 | स्क्रू कपलिंग एस्सेम्बली |
| 33261321 | जनरेटर कार हेतु प्राइमरी स्प्रिन्ग इन्नर |
| 33261415A | एलएचबी नान एसी&एसी कोचेस हेतु प्राइमरी स्प्रिन्ग (इन्नर) |
| 45261192 | संबध्द 4.5केडब्ल्यू रेगुलेटेड सह एमरजेंसी बैटरी चार्जर |
| 45261073 | संबध्द 120 एएच वीआरएलए बैटरीज का सेट |
| 46261019F | संबध्द पोरसेलेन ब्रैकेट इन्सुलेटर |
| 38261023 | लाकिंग प्लेट कनफार्मिंग |
| 46267001 | कैटेनरी वायर 65 स्के.एमएम |
| 38261543 | एयर बेस होस कपलिंग एस्सेम्बली |
| 38261023 | लाकिंग प्लेट कनफार्मिंग |
| 33261600 | स्फेरो इलास्टिक रब्बर बेयरिंग |
| 33265020 | (पीएपीआयएस) की आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन, परीक्षण व कमीशनींग |
| 56261187 | संबध्द 6 स्कैड केबुल |

नोटः निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां- क्रम सं.01 & 02 दि.24-08-2026, क्रम सं.03 से 07 दि.25-08-2026, क्रम सं.08 दि.26-08-2026, क्रम सं.09 से 17 दि.27-08-2026, क्रम सं.18 से 21 दि.28-08-2026, क्रम सं.22 दि.02-09-2026, क्रम सं.23 दि.31-08-2026, क्रम सं.24 दि.28-08-2026, क्रम सं.25 दि.31-08-2026, क्रम सं.26 दि.03-09-2026, क्रम सं.27 दि.31-08-2026

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी हैं। विस्तृत विवरण हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट पर जाएं।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

A633

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

# श्रावणी महोत्सव 28 अगस्त को

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी ब्राहमण सभा द्वारा श्रावणी उपाकमम महोत्सव 28 अगस्त को मामडपल्ली स्थित श्री वेंकटेशरा बालाजी मंदिर में मनाया जायेगा।

इसी संदर्भ में आज एक बैठक गायत्री मंदिर बेगमबाज़ार पर अध्यक्ष पुरषोत्तम लाला की अध्यक्षता में रखी गई।

महामंत्री रामदेव नागला ने बताया कि 28 अगस्त को 7:30 से 9 बजे तक निशुल्क बस सेवा रामनाथ आश्रम कोलसावाडी से बालाजी मंदिर तक रखी गई है। वेंकटेश्वरा बालाजी मंदिर स्थिथ हरीप्रिया पुष्करणी में गायत्री परिवार शांतिकुंज हरीद्वार के तत्वावधान में गोकुल चन्द उपाध्याय के नेतृत्व में विधिपूर्वक मंत्रोचार के साथ श्रावणी उपाकमम के सभी अनुष्ठान सम्पन्न होंगे|

कायमक्रम सुचारू रूप से चले संयोजक मण्डल की टीम बनाई गई, जिसमें महेश अवस्थी, सुरेश गान्धी, दामोदर जोशी, रामेश्वरा लाल जोशी, प्रभुदयाल पांडीया, मुरलीधर तिवाडी, संदीप जायलवाल, रामनिवास ओझा, घनश्याम तिवाडी, मुकेश सांडील्य, हनलाल , ओमप्रकाश आदि को जोडा गया। श्रावणी उपाकमम में नुनि यज्ञोपप्रवत्र धारक बटुकों को यज्ञोपप्रवत्र दी जायेगी।

## जल अधिकारों से समझौता हुआ तो बड़ा आंदोलन करेगी बीआरएस : केटीआर

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने चेतावनी दी कि तेलंगाना के नदी जल पर राज्य के वैध अधिकारों से किसी भी तरह का समझौता हुआ तो उनकी पार्टी व्यापक आंदोलन करेगी। शनिवार को नंदी नगर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में केटीआर ने आगामी गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) की बैठक के एजेंडे को स्वीकार करने के राज्य सरकार के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी से पूछा कि क्या उन्होंने एजेंडा स्वीकार कर लिया है और बैठक में शामिल होने पर तेलंगाना के हितों को किस तरह सामने रखेंगे।

## सक्षम का आयोजन आरबीआई द्वारा किया गया

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन कोआपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने स्पष्ट किया कि बंजारा हिल्स स्थित लीला होटल में सहकारी बैंकों के लिए आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सक्षम आरबीआई द्वारा आयोजित किया गया था जिसका उद्घाटन आरबीआई के केंद्रीय कार्यालय मुम्बई के डिप्टी गवर्नर जे स्वामीनाथन ने किया था। जे. स्वामीनाथन आरबीआई डिप्टी गवर्नर है न कि उपनिदेशक। जबकि तेलंगाना यूसीबी फेडरेशन के उपाध्यक्ष प्रमोद केडिया फेडरेशन का प्रतिनिधित्व करते हुए उपस्थित थे। साथ ही बेंगलुरु में आरबीआई द्वारा कोई कृषि बैंकिंग कॉलेज संचालित नहीं है। आरबीआई का कृषि बैंकिंग कॉलेज पुणे में स्थित है। अग्रसेन बैंक ने 8 अगस्त को समाचार पत्रों में छपी न्यूज़ का खंडन करते हुए समाचार में हुई त्रुटियों में सुधार करते हुए कहा कि आरबीआई की ओर से कोई प्रेस विज्ञप्ति जारी नहीं की गई थी।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# पंत को जमीन नहीं मिल रही, उत्तराखंड सीएम से गुहार

## वादा याद दिलाया; राज्य के सबसे बड़े टैक्स पेयर, पिछले साल 24 करोड़ चुकाया था

देहरादून, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इस समय श्रीलंका दौरे पर प्रैक्टिस मैच खेल रहे हैं। हालांकि, मैच से इतर वे जमीन खरीदने को लेकर भी परेशान हैं।

पंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से जमीन खरीदने में मदद करने की अपील की है। उन्होंने लिखा- दिल्ली से उत्तराखंड शिफ्ट होकर अपने गृहराज्य में घर बनाना चाहता हूं। मैं 3 साल से परेशान हूं, लेकिन अब तक जमीन नहीं मिल पाई है।

पंत फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के लिए उत्तराखंड में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले व्यक्ति हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने 23.84 करोड़ रुपए का इनकम टैक्स भरा था।

पंत ने एक्स पर लिखा, हैलो सर, आप कैसे हैं? उत्तराखंड का होने के नाते मुझे बहुत समय हो गया है। मैं दिल्ली से उत्तराखंड शिफ्ट होने के लिए जमीन खरीदने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन मुझे नहीं मिल रही।

मुझे अपना उत्तराखंड बहुत पसंद है। मेरी आपसे रिक्वेस्ट है कि प्लीज जमीन खरीदने में मेरी मदद करें। मेरे लिए यह एक बुरा सपना बन गया है। मैंने सब कुछ ताक में रखकर राज्य का प्रमोशन किया था।

मैं उत्तराखंड में लोगों की मदद करने के लिए अपने मूल स्थान पर वापस जाना चाहता हूं। मैं अपने पहाड़ी लोगों के पास लौटना चाहता हूं। प्लीज इस मामले को देखें। 3 साल हो गए हैं, आपके जवाब का इंतजार है, कोई जमीन नहीं मिली।

'सरकार से जमीन खरीदना चाहता हूं'

अपनी पोस्ट पर कमेंट करते हुए पंत ने लिखा, इंटरनेशनल लेवल पर रिप्रेजेंट करने के लिए यह गिफ्ट बहुत अच्छा रहेगा। अगर आप इजाजत दें तो मैं राज्य सरकार से जमीन खरीदना चाहता हूं।

सरकार के रेट पर कम से कम मैं अपने राज्य में अपना पहला घर बनवा सकता हूं। प्लीज हेल्प करें। सच में मुझे नहीं पता था कि यह कैसे करना है।

रुड़की में हुआ जन्म, दिल्ली से शुरू किया प्रोफेशनल सफर

पंत का जन्म उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रुड़की में हुआ था। उन्होंने अपने क्रिकेट का सफर रुड़की से शुरू किया और प्रोफेशनली खेल को आगे बढ़ाने के लिए दिल्ली चले गए। वे घरेलू क्रिकेट में दिल्ली को रिप्रेजेंट करते हैं।

पंत ने आईपीएल में अब तक 139 मैचों में 3,865 रन बनाए हैं। पंत 2016 से 2024 तक 9 सीजन दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले। हालांकि, 2025 मेगा ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी के साथ मतभेद के बाद उन्हें रिलीज कर दिया गया था।

इसके बाद वे 2025 और 2026 सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेले। अब 2027 सीजन में पंत एक बार फिर दिल्ली कैपिटल्स की जर्सी में नजर आएंगे।

# भारत का स्कोर 357/6

## दूसरे दिन पडिक्कल का शतक और जडेजा का अर्धशतक

कोलंबो, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम फिलहाल श्रीलंका दौरे पर है। टीम कोलंबो में श्रीलंका-इलेवन के खिलाफ तीन दिन का वार्म अप मैच खेल रही है। श्रीलंका ने पहले दिन आठ विकेट पर 363 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। दूसरे दिन भारत ने छह विकेट पर 357 रन बनाए। फिलहाल टीम इंडिया मेजबानों से छह रन पीछे है।

भारतीय टीम फिलहाल श्रीलंका दौरे पर है। टीम कोलंबो में श्रीलंका-इलेवन के खिलाफ तीन दिन का वार्म अप मैच खेल रही है। श्रीलंका ने पहले दिन आठ विकेट पर 363 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। दूसरे दिन भारत ने छह विकेट पर 357 रन बनाए। फिलहाल टीम इंडिया मेजबानों से छह रन पीछे है। भारत को पहला झटका यशस्वी जायसवाल के रूप में लगा। वह खाता खोले बिना आउट हुए।

कप्तान केएल राहुल ने 67 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 40 रन की पारी खेली।

नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे देवदत्त पडिक्कल 121 गेंद में 14 चौके की मदद से 103 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए थे। ऋषभ पंत दो रन बनाकर आउट हुए। ध्रुव जुरेल एक रन बना सके।

इसके बाद जडेजा ने मानव सुथार के साथ छठे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी निभाई।

जडेजा 63 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुए। वहीं, सुथार 41 रन बनाकर आउट हुए।

कुलदीप एक रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। सिराज एक रन बना सके।

सिराज के आउट होने पर पडिक्कल फिर से बल्लेबाजी करने आए और वह सारांश के साथ क्रीज पर हैं।

नियमित टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आज बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। उन्हें प्रैक्टिस सेशन के दौरान अंगुली में चोट लगी थी। वह शुक्रवार को फील्डिंग के लिए नहीं उतरे थे। ऐसे में भारत पर एक और चोट का खतरा मंडरा रहा है।

# ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स का आईपीएल 2027 खेलना मुश्किल

## 20 टेस्ट समेत 34 इंटरनेशनल मैच का शेड्यूल; कोच मैकडोनाल्ड बोले- जरूरी हुआ तो मुश्किल फैसले लेंगे

सिडनी, 8 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट खिलाड़ियों के आईपीएल 2027 में खेलने पर सवाल खड़े हो गए हैं। टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलिया को 20 टेस्ट समेत 34 इंटरनेशनल मैच खेलने हैं। ऐसे में खिलाड़ियों के वर्कलोड को देखते हुए आईपीएल को लेकर मुश्किल फैसले लेने पड़ सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया अगले एक साल में बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ कुल 20 टेस्ट खेलेगा। इसके अलावा जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज भी होगी। अगर टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचती है तो एक टेस्ट और जुड़ जाएगा। इसके बाद जून-जुलाई 2027 में इंग्लैंड में एशेज और फिर अक्टूबर-नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाएगा।

मैकडोनाल्ड ने कहा कि आईपीएल ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ियों के विकास और तैयारी का अहम हिस्सा है। दुनिया की बेस्ट टी-20 लीग में खेलने से खिलाड़ियों को फायदा मिलता है। शुरुआत यही होगी कि खिलाड़ी आईपीएल खेल सकते हैं। बाद में परिस्थितियों के हिसाब से फैसला लिया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम मैनेजमेंट की सबसे बड़ी चिंता तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड का वर्कलोड है। तीनों लगातार टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे और एशेज भी सामने होगी।

मैकडोनाल्ड ने कहा कि खिलाड़ियों के शरीर को आराम देना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे पूरे सीजन में अपना बेस्ट प्रदर्शन कर सकें।

कोच ने कहा कि आईपीएल को लेकर कोई फैसला अभी नहीं लिया जाएगा। खिलाड़ियों की फिटनेस, गेंदबाजी का वर्कलोड और मानसिक थकान हर टेस्ट के बाद आंकी जाएगी।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अभी यह नहीं कहा जा सकता कि न्यूजीलैंड सीरीज के चौथे टेस्ट या भारत दौरे के बाद पैट कमिंस या मिचेल स्टार्क की स्थिति क्या होगी। इसलिए फैसला समय आने पर ही लिया जाएगा।

मैकडोनाल्ड ने याद दिलाया कि 2023 में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड ने आईपीएल नहीं खेला था। उन्होंने आराम किया और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप, एशेज और वनडे वर्ल्ड कप जीता।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी खिलाड़ी के खराब प्रदर्शन का कारण सीधे आईपीएल को नहीं माना जा सकता। उन्होंने कैमरन ग्रीन का उदाहरण देते हुए कहा कि इंग्लैंड में उनकी चुनौतियां अनुभव की कमी की वजह से थीं, न कि आईपीएल खेलने की वजह से।

# फीफा विश्वकप के दौरान मेसी को बम से उड़ाने की मिली थी धमकी

## पुलिस डोजियर में चौंकाने वाला खुलासा

न्यूयॉर्क, 8 अगस्त (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 भले ही मैदान पर रोमांचक मुकाबलों और यादगार पलों के लिए जाना गया हो, लेकिन टूर्नामेंट के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के सामने कई गंभीर चुनौतियां भी आईं। अर्जेंटीना के कप्तान और दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को कथित तौर पर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। पुलिस डोजियर में दर्ज घटनाओं का हवाला देते हुए सामने आई एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों, अधिकारियों और उनके परिवारों को निशाना बनाने की कई धमकियां मिली थीं। इनमें मेसी के खिलाफ मिली धमकियां सबसे गंभीर और विशिष्ट बताई गईं। एक मामले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अधिकारियों को फोन कर कहा कि वह दो अन्य लोगों के साथ डलास के स्टेडियम की ओर जा रहा है। उसके पास कथित तौर पर होममेड बम और एआर-15 राइफल थी। उसने पुलिस अधिकारियों और दोनों टीमों के खिलाड़ियों को निशाना बनाने की बात कही और विशेष रूप से मेसी का नाम लिया।

मेसी को लेकर एक और धमकी अर्जेंटीना और मिस्र के बीच सात जुलाई को खेले गए मुकाबले से जुड़ी थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि पोस्ट करने वाला व्यक्ति अटलांटा स्टेडियम में प्रवेश करने वाला है और उसके शरीर पर चार बम बंधे हुए हैं। उस पोस्ट में कथित तौर पर लिखा था, 'मैं अटलांटा स्टेडियम में जाकर अपने शरीर पर बंधे चार बमों से मेसी को उड़ा दूंगा।'

इस पोस्ट के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। स्टेडियम में विस्फोटक विशेषज्ञों, डॉग हैंडलर्स और K-9 यूनिट्स की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। एक अन्य कॉल में स्टेडियम के कूड़ेदानों में तीन बम रखे होने का दावा किया गया था।

सिर्फ मेसी ही नहीं, पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो को लेकर भी कई घटनाएं सामने आईं। 14 जून को फीफा के एक कर्मचारी ने अधिकारियों को सूचना दी कि एक व्यक्ति रोनाल्डो के ठहरने की जगह की जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद ह्यूस्टन पुलिस ने उस होटल से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जहां रोनाल्डो और पुर्तगाल की टीम ठहरी हुई थी। टोरंटो में भी एक अन्य व्यक्ति को रोनाल्डो के साथ लिफ्ट में जाने की कोशिश करने के बाद हिरासत में लिया गया। उसने पुलिस को कथित तौर पर बताया कि वह सिर्फ रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेना चाहता था।

फ्रांस के रेफरी फ्रांस्वा लेटेक्सियर भी सुरक्षा खतरों से अछूते नहीं रहे। डोजियर के मुताबिक, उन्हें व्हाट्सऐप पर 6,000 से ज्यादा धमकी भरे संदेश मिले। विश्व कप के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी एफबीआई और आईपीसीसी यानी सेंटर फॉर इंटरनेशनल पुलिस को-ऑपरेशन के नेतृत्व वाले संयुक्त नेटवर्क ने की। एजेंसियां आतंकवाद संबंधी अलर्ट, खिलाड़ियों की स्टॉकिंग और हिंसा की धमकियों पर नजर रख रही थीं। इन घटनाओं ने दिखाया कि दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों की सुरक्षा मैदान के बाहर भी बड़ी चुनौती बनी रही।

# आशीष यादव ने यू20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सिल्वर जीता

## नीरज चोपड़ा के बाद पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय, 74.09 मीटर थ्रो किया

यूजीन, 8 अगस्त (एजेंसियां)। आशीष यादव ने यूजीन में चल रही अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन मेंस जेवलिन थ्रो इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। भारत के युवा एथलीटआशीष ने तीसरे राउंड में 74.09 मीटर का थ्रो किया, जिससे उन्हें सिल्वर मिला।

इसी फाइनल में शामिल दूसरे भारतीय टी. धरनिधरन 72.35 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे।

19 साल के आशीष इस इवेंट में मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे भारतीय बन गए हैं। दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में हुई चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था। नीरज ने उसी स्पर्धा में 86.48 मीटर का थ्रो किया था, जो अब भी वर्ल्ड जूनियर रिकॉर्ड है।

गोल्ड मेडल साउथ अफ्रीका के जान-हेन्ड्रिक हेमन्स ने जीता। उन्होंने अपने छठे और आखिरी अटेम्प्ट में 80.50 मीटर भाला फेंका। हेमन्स का यह थ्रो इस सीजन का अंडर 20 वर्ल्ड लीड प्रदर्शन रहा।

भारत की पूजा ने चैंपियनशिप में विमेंस हाई जंप के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 1.79 मीटर की ऊंचाई पहले ही प्रयास में पार की। अब पूजा 10 अगस्त को भारतीय समयानुसार रात 1 बजे होने वाले फाइनल में मेडल के लिए चुनौती पेश करेंगी।

# भारत-श्रीलंका टेस्ट मैच में दर्शकों को फ्री इंट्री

## श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का फैसला

## 15 अगस्त से गॉल में पहला मुकाबला

कोलंबो, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज में दर्शकों को फ्री इंट्री मिलेगी। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने नोटिफिकेशन जारी कर इसका ऐलान किया है। भारत इस सीरीज में दो टेस्ट मैच खेलेगा। पहला मुकाबला 15 अगस्त से गॉल में, जबकि दूसरा मैच कोलंबो में 23 अगस्त से खेला जाएगा।

गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में दर्शकों को गेट नंबर-4 से फ्री इंट्री मिलेगी। कोलंबो के एसएससी मैदान में गेट नंबर 3, 4, 5 और 7 से बिना टिकट एंट्री दी जाएगी। बोर्ड ने दर्शकों से अपील की है कि बड़ी संख्या में मैच देखने आएं।

उपमहाद्वीप में पिछले कुछ सालों में दर्शक टेस्ट मैच देखने स्टेडियम नहीं आ रहे। श्रीलंका में भारत के पिछले दौरे और इसी साल भारत-अफगानिस्तान टेस्ट में भी भीड़ नहीं पहुंची थी। इसी वजह से श्रीलंका बोर्ड ने यह पहल की है। भारत फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर है। श्रीलंका छठे नंबर पर है। डब्ल्यूटीसी के लिहाज से दोनों टीमों के लिए यह सीरीज जीतना जरूरी है।

भारत ने 2017 में श्रीलंका के पिछले टेस्ट दौरे पर 3-0 से सीरीज जीती थी। टीम ने गॉल में 304 रन, कोलंबो में पारी और 53 रन से जीत दर्ज की थी। फिर पल्लेकेले में श्रीलंका को पारी और 171 रन से हराया। श्रीलंका पिछला सीरीज हार कर आ रहा है। टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से हार मिली थी।

# शीतल देवी ने संशोधित खेलो इंडिया योजना की सराहना की

## कहा- पैरा खेलों में ला सकती है बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, 8 अगस्त (एजेंसियां)। पैरालंपिक पदक विजेता और विश्व चैंपियन पैरा-कंपाउंड तीरंदाज शीतल देवी ने संशोधित खेलो इंडिया योजना (केआईएस) की सराहना करते हुए कहा है कि यह भारत में पैरा खेलों के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि योजना के जरिए दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को कम उम्र में पहचानकर उन्हें जरूरी प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के एक दूरदराज गांव से निकलकर विश्व स्तर पर पहचान बनाने वाली 18 वर्षीय शीतल ने कहा कि प्रतिभा की कमी के बजाय अवसरों की कमी अक्सर पैरा खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है।

शीतल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि आज उन्हें जो पहचान और सम्मान मिल रहा है, उसके पीछे वर्षों की मेहनत के साथ अच्छे कोच और सहयोग भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि किश्तवाड़ में रहते हुए वह खुद भी एक ऐसी बच्ची थीं, जिसकी प्रतिभा दुनिया से अनजान थी। उन्होंने कहा, मेरी कहानी सफलता की है, लेकिन किसी दूरदराज गांव में मेरे जैसी क्षमता रखने वाला बच्चा शायद यह भी नहीं जानता हो कि पैरा खेल होते हैं। हमारे बीच अंतर अक्सर अवसर का होता है।'

शीतल ने कहा कि उन्हें कोच, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और सरकार सहित कई स्तरों से सहयोग मिला, जिसने उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने का आत्मविश्वास दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनकी कहानी अपवाद नहीं होनी चाहिए। शीतल ने केंद्र सरकार की संशोधित खेलो इंडिया योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत पांच साल के लिए 29,054 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना में प्रतिभा की खोज, कोच और सपोर्ट स्टाफ का विकास, बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनिंग वातावरण तैयार करना जैसे प्रमुख पहलू शामिल हैं।

# 5 हजार इंटरनेशनल मैचों वाला पहला फॉर्मेट बना वनडे

## भारत सबसे ज्यादा खेला, ऑस्ट्रेलिया जीत में आगे; सचिन रनों के बादशाह, कोहली शतकों के किंग

खेल डेस्क8 अगस्त (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार किसी फॉर्मेट में 5 हजार मैच पूरे हो गए हैं। यह उपलब्धि हासिल हुई वनडे को। जिस स्कॉटलैंड में अभी कॉमनवेल्थ गेम्स हुए हैं वहीं 5000वां वनडे मैच भी खेला गया। शुक्रवार को स्कॉटलैंड और कनाडा के बीच हुए इस मुकाबले को स्कॉटलैंड ने 9 रन से जीत लिया। वनडे फॉर्मेट 1971 में वजूद में आया। था। टेस्ट क्रिकेट शुरू होने के 94 साल बाद। टेस्ट अभी 3000 मैचों के आंकड़े तक भी नहीं पहुंचा है और वनडे ने 5 हजार मैचों का सफर पूरा कर लिया है। 1971 से अब तक 55 सालों में 29 देशों ने वनडे खेले। इसी फॉर्मेट से वर्ल्ड कप का कॉन्सेप्ट आया और इसी फॉर्मेट में भारत पहली बार चैंपियन भी बना।

वनडे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा मैच किसने खेला, सबसे ज्यादा जीत किस टीम को मिली, सबसे ज्यादा रन और शतक किसने बनाए, गेंदबाजी में सबसे आगे कौन है? इन सभी सवालों के जवाब आगे मिलेंगे...

**1877 में पहला इंटरनेशनल मैच खेला गया**

क्रिकेट का पहला टेस्ट मैच 1877 में खेला गया था। अब तक 2629 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। वहीं टी-20 की शुरुआत 2004 में हुई थी।

**भारत 575 मैच जीता**

भारत ने 1081 वनडे में 575 मुकाबले जीते। मैचों के मामले में ऑस्ट्रेलिया दूसरे, जबकि जीत के मामले में पहले स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया ने 1025 मैचों में 619 में जीत मिली। पाकिस्तान तीसरे स्थान पर है। उसने 1002 मैच खेले और 529 में जीत दर्ज की।

**पाकिस्तान विदेश में भारत से ज्यादा मैच जीता**

ऑस्ट्रेलिया और भारत ने घर पर सबसे ज्यादा मैच जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया को 298, भारत को 235 मैचों में जीत मिली। हालांकि विदेशों में जीत के मामले भारत, पाकिस्तान से पीछे है। पाकिस्तान ने विदेश में 395, जबकि भारत ने 340 मैच जीते हैं।

**ऑस्ट्रेलिया 6 बार वर्ल्ड कप जीता**

वनडे वर्ल्ड कप के 13 एडिशन खेले जा चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 6 ट्रॉफी जीती हैं। भारत और वेस्टइंडीज के नाम 2-2 खिताब हैं।

**सचिन ने 463 मैच खेले**

सचिन ने वनडे में सबसे ज्यादा 463 वनडे मैच खेले हैं। लिस्ट में श्रीलंका के चार, पाकिस्तान के 3, भारत के 2 और ऑस्ट्रेलिया के एक खिलाड़ी शामिल हैं।

**टॉप-10 रन स्कोरर में चार भारतीय**

वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 खिलाड़ियों में चार भारतीय शामिल हैं। सचिन पहले, कोहली दूसरे, रोहित शर्मा तीसरे और सौरव गांगुली चौथे स्थान पर हैं।

**कोहली, सचिन, रोहित के सबसे ज्यादा शतक**

कोहली ने वनडे में सबसे ज्यादा 54 शतक लगाए हैं। सचिन 49 शतक के साथ दूसरे, जबकि रोहित 34 शतक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रिकी पोंटिंग 30 शतक के साथ चौथे नंबर पर हैं।

मुरलीधरन ने 534 विकेट लिए

श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन ने वनडे में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। उन्होंने 350 मैच में 534 विकेट लिए हैं। सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल का रिकॉर्ड पाकिस्तान के वकार यूनुस के नाम है। उन्होंने 13 बार पारी में 5 या ज्यादा विकेट लिए हैं।

**कप्तानी का रिकॉर्ड रिकी पोंटिंग के नाम**

सबसे ज्यादा वनडे मैचों में कप्तानी का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग के नाम है। उन्होंने बतौर कप्तान 230 वनडे मैच खेले और सबसे ज्यादा 165 मैच जीते हैं।

**रोहित का हाईएस्ट स्कोर, धोनी स्टंपिंग में आगे**

वनडे का हाईएस्ट स्कोर रोहित के नाम हैं। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ एक पारी में 264 रन बनाए थे। वे 3 दोहरा शतक लगाने वाले एकमात्र प्लेयर हैं। सबसे ज्यादा 369 छक्कों का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम हैं।

सचिन ने सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज खिताब जीता। धोनी ने सबसे ज्यादा 123 स्टंपिंग की।

# भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत की शानदार शुरुआत

## तितली माजी ने जीता रजत पदक

चेन्नई, 8 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार शुरुआत की, जब तितली माजी ने महिलाओं के 45 किग्रा वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। तितली ने स्नैच में 65 किग्रा वजन उठाया और इसके बाद क्लीन एवं जर्क में 80 किग्रा का भार उठाया। उन्होंने कुल 145 किग्रा वजन के साथ रजत पदक हासिल किया। इसी स्पर्धा में भारत की पारिश्मिता गोगोई 141 किग्रा के कुल वजन के साथ चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने स्नैच वर्ग में 65 किग्रा वजन उठाकर शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन क्लीन एवं जर्क में 76 किग्रा ही उठा सकीं, जिससे वह पदक से चूक गईं।

# केटीआर पर टीपीसीसी महासचिव गज्जेला कांतम का हमला

## अहंकार की भाषा का देंगे करारा जवाब

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के महासचिव गज्जेला कांतम ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर पर तीखा हमला बोला है। गांधी भवन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि केटीआर अहंकार की भाषा में बात करेंगे तो कांग्रेस भी उन्हें करारा जवाब देना जानती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं ने बिचौलियों और बेनामी लोगों के नाम पर राज्य को लूटा है। गज्जेला कांतम ने कहा कि केटीआर, हरीश राव और आरएस प्रवीन कुमार जिस तरह के बयान दे रहे हैं, उन्हें तेलंगाना आंदोलनकारी और जनता स्वीकार करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के शासन और उनके परिवार की भूमिका से तेलंगाना की जनता अच्छी तरह परिचित है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रश्नपत्र लीक कर विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का काम बीआरएस सरकार के कार्यकाल में हुआ। उन्होंने केटीआर और हरीश राव पर सत्ता के अहंकार में बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि दस साल तक सत्ता में रहने के दौरान बीआरएस ने तेलंगाना के लिए क्या किया, इसका जवाब जनता को देना चाहिए। कांतम ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार द्वारा शुरू किए गए धरणी पोर्टल का लाभ बड़े भू-स्वामियों और प्रभावशाली लोगों को पहुंचा, जबकि दलितों और आदिवासियों को नुकसान उठाना पड़ा।

केटीआर के इस दावे पर भी उन्होंने सवाल उठाया कि उनके पिता ने तेलंगाना राज्य बनाया। उन्होंने पूछा कि तेलंगाना के लिए केसीआर या उनके परिवार के किसी सदस्य ने जेल की सजा काटी है या परिवार के किसी सदस्य ने आंदोलन में जान गंवाई है? उन्होंने बीआरएस नेताओं पर दलितों का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब वे दिवंगत आंदोलनकारी पेद्दी सुदर्शन रेड्डी के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि सुदर्शन रेड्डी इतने बड़े आंदोलनकारी थे तो 2014 में चुनाव हारने के बाद बीआरएस सरकार ने उन्हें राज्यसभा या विधान परिषद में क्यों नहीं भेजा? कांतम ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी तेलंगाना आंदोलनकारियों का सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब केसीआर अस्पताल में भर्ती थे, तब मुख्यमंत्री ने उनसे मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। पेद्दी सुदर्शन रेड्डी के निधन पर सरकार ने राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कराया। इसी तरह दिवंगत जनकवि गद्दर के नाम पर पुरस्कार शुरू किए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि कैंटोनमेंट के छह बार विधायक रहे दिवंगत सायन्ना के निधन के बाद और उनकी बेटी के निधन पर बीआरएस सरकार ने राजकीय सम्मान क्यों नहीं दिया। उन्होंने कहा कि बीआरएस को मजबूत करने वाले साईचंद के निधन पर भी राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार क्यों नहीं किया गया। दलित कवि और तेलंगाना आंदोलन से जुड़े अंदे श्री के निधन का जिक्र करते हुए कांतम ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बड़े बेटे की तरह उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होकर सम्मान दिया।

कांतम ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के लिए कांग्रेस नेताओं ने सोनिया गांधी से मुलाकात कर लगातार संघर्ष किया। उन्होंने सर्वे सत्यनारायण, पोन्नम प्रभाकर और श्रीधर बाबू सहित कई नेताओं के तेलंगाना आंदोलन में योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लिए कोंडा लक्ष्मण बापूजी ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। उनके निधन के बाद उनके परिवार की सुध लेने का भी उन्होंने बीआरएस सरकार पर आरोप लगाया। कांतम ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन के दौरान आत्मबलिदान देने वाले श्रीकांताचारी के परिवार को भी पिछली सरकार ने उचित सम्मान नहीं दिया।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने श्रीकांताचारी की मां शंकरम्मा को महिला आयोग का सदस्य बनाकर सम्मान दिया। कांतम ने कहा कि तेलंगाना के लिए संघर्ष और बलिदान देने वाले आंदोलनकारियों के परिवारों को सम्मान देना कांग्रेस सरकार की प्राथमिकता है।

## रामायमपेट में तीन लड़के लापता

मेडक, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रामायमपेट में गुरुवार रात से स्कूल जाने वाले तीन बच्चे रहस्यमय तरीके से लापता हो गए। केसीआर नगर के रहने वाले धनुष, मनोज और शेख समीर, तीनों की उम्र 13 साल थी। ग्रामीणों के अनुसार, वे गुरुवार को रात 9 बजे तक पड़ोस में दूसरे बच्चों के साथ खेल रहे थे।

हालांकि, वे देर रात तक घर नहीं लौटे, जिससे उनके माता-पिता ने उनकी ज़ोर-शोर से तलाश शुरू कर दी। बाद में उन्होंने शुक्रवार सुबह रामायमपेट पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। लापता बच्चों का पता लगाने के लिए तलाश जारी है।

## 45,000 रुपये की शराब चोरी

निर्मल, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात लोगों ने गुरुवार रात नरसापुर (जी) मंडल केंद्र में एक दुकान के शटर के ताले तोड़कर शराब की बोतलें चुरा लीं। पुलिस ने बताया कि अज्ञात लोगों ने आधी रात को नीलिमा वाइन शॉप से 45,000 रुपये की शराब की बोतलें चुराईं। बदमाशों ने शटर के ताले तोड़कर दुकान में प्रवेश किया। दुकान के मालिक दिनेश रेड्डी से मिली शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। जांच शुरू कर दी गई है।

## बीमारी से बचाव के लिए सावधानी बरती जाए : मंत्री पोन्नम

### मच्छरों की रोकथाम के लिए 11 से 21 अगस्त तक विशेष मानसून ड्राइव

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए जीएचएमसी के एंटोमोलॉजी विभाग की ओर से 11 से 21 अगस्त तक विशेष मानसून ड्राइव चलाया जाएगा। इसके तहत लोगों को मच्छरों से बचाव और आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) अभियान शुरू किया गया है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मिनिस्टर क्वार्टर्स में इस अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान अधिकारियों ने मच्छर नियंत्रण के लिए इस्तेमाल किए जा रहे विभिन्न उपकरणों और उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी मंत्री को दी। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि डेंगू सहित मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए सरकार पहले से ही आवश्यक कदम उठा रही है, लेकिन इसमें जनता की भागीदारी भी बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से प्रत्येक शुक्रवार 'फ्राइडे-ड्राई डे' मनाने और घरों तथा आसपास जमा पानी को हटाने की अपील की, ताकि मच्छरों के लार्वा को पनपने का मौका न मिले। उन्होंने कहा कि बीमारी होने के बाद उपचार कराने से बेहतर है कि बीमारी से बचाव के लिए पहले से ही सावधानी बरती जाए। सरकार के प्रयासों के साथ नागरिक अपने घर और आसपास का वातावरण स्वच्छ रखेंगे, तभी हैदराबाद को स्वस्थ शहर बनाया जा सकेगा।विशेष मानसून ड्राइव के दौरान जीएचएमसी क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। मच्छरों के लार्वा पनपने वाले स्थानों की पहचान कर एंटी-लार्वा अभियान चलाए जाएंगे तथा व्यापक स्तर पर फॉगिंग की जाएगी। इसके अलावा जागरूकता पर्चे बांटे जाएंगे और स्कूलों में विद्यार्थियों को मच्छर नियंत्रण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। हाल की बारिश के बाद विभिन्न स्थानों पर जमा पानी को हटाने के लिए भी नागरिकों को प्रेरित किया जाएगा।

जीएचएमसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमर सिंह नायक ने बताया कि 'फ्राइडे-ड्राई डे' के तहत घर-घर जाकर आईईसी कार्यक्रम चलाया जा रहा है। लोगों को डेंगू, टाइफाइड और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं।

## ईगल फ़ोर्स ने ड्रग नेटवर्क के सात लोगों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ईगल फ़ोर्स ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर राजस्थान और हैदराबाद के बीच चल रहे ड्रग तस्करी के एक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया और दो मामलों में सात लोगों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने 5.15 लाख रुपये मूल्य की 1.031 किलोग्राम अफ़ीम और 7.5 लाख रुपये मूल्य की 25 ग्राम मेफेड्रोन के साथ-साथ अन्य सामग्री ज़ब्त की।

मियापुर मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और पुलिस ने राजस्थान के महेंद्र कुमावत की मुख्य सप्लायर के तौर पर पहचान की। बताया जा रहा है कि यह तस्करी नेटवर्क एक स्कूल के पास चल रहा था, जिससे छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

सैफाबाद मामले में, एमडी की डिलीवरी करते समय राजस्थान के चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जालौर के हरिंदर देवड़ा की मुख्य सरगना के तौर पर पहचान की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने 2023 से राजस्थान से जुड़े ड्रग तस्करी के 78 प्रयासों को रोका है। सप्लायर, फाइनेंसर, ट्रांसपोर्टर और स्थानीय पेडलर्स का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं।

## राष्ट्रीय पुलिस सेमिनार में एआई और ड्रोन तकनीक पर चर्चा

### आधुनिक पुलिसिंग और साइबर अपराध पर मंथन

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लक्ष्यम चैरिटेबल सोसाइटी के तत्वावधान में शनिवार को बंजारा हिल्स स्थित टीजी आईसीसीसी भवन के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में पुलिस बल का आधुनिकीकरण, कानून-व्यवस्था, साइबर अपराध, यातायात प्रबंधन और उभरती चुनौतियां विषय पर राष्ट्रीय पुलिस सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार का उद्घाटन एवं अध्यक्षता हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने की। लक्ष्यम चैरिटेबल सोसाइटी के अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी कपिलवई दिलीप कुमार ने कार्यक्रम के संयोजक की भूमिका निभाई। सेमिनार में देशभर से वरिष्ठ सेवारत एवं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कानून विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। वक्ताओं ने कहा कि अपराध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और पारंपरिक पुलिसिंग तथा जांच के तरीकों से वर्तमान चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करना संभव नहीं है। वक्ताओं ने साइबर अपराध को आधुनिक पुलिसिंग के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी, यूपीआई घोटाले, फिशिंग, डिजिटल अरेस्ट, पहचान की चोरी और ऑनलाइन निवेश के नाम पर होने वाली ठगी के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई गई। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती और अपराधी कुछ ही मिनटों में अलग-अलग राज्यों अथवा देशों में बैठे लोगों को निशाना बना सकते हैं। ऐसे अपराधों से निपटने के लिए विशेष साइबर विशेषज्ञता, अत्याधुनिक डिजिटल फोरेंसिक क्षमता और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर समन्वय की आवश्यकता है। सेमिनार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के पुलिसिंग में बढ़ते उपयोग पर भी विस्तार से चर्चा हुई। चेहरे की पहचान, प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स, स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया में एआई को उपयोगी बताया गया। वहीं डीपफेक, वॉयस क्लोनिंग, स्वचालित फिशिंग और फर्जी पहचान बनाने जैसे अपराधों में एआई के दुरुपयोग को गंभीर खतरा बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि पुलिसिंग में एआई के इस्तेमाल के दौरान पारदर्शिता, नैतिक मानकों और संस्थागत जवाबदेही का विशेष ध्यान रखना होगा। ड्रोन तकनीक के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा गया कि ड्रोन निगरानी, आपदा प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और खोज एवं बचाव अभियानों में उपयोगी हैं, लेकिन इनका इस्तेमाल मादक पदार्थों एवं हथियारों की तस्करी, अवैध निगरानी तथा सीमा पार घुसपैठ के लिए भी किया जा रहा है।

## फर्जी नंबर प्लेट लगाने वालों पर हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस की सख्ती

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जेवाहनों पर फर्जी, छेड़छाड़ की गई अथवा अनधिकृत नंबर प्लेट लगाने की बढ़ती शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने विशेष प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वाहन की पहचान छिपाने, यातायात नियमों से बचने या अन्य अवैध गतिविधियों के लिए फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विशेष अभियान के तहत पिछले एक सप्ताह में फर्जी या धोखाधड़ी से तैयार की गई पंजीकरण नंबर प्लेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों के खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान कई वाहनों की पहचान कर उन्हें जब्त भी किया गया।

ये मामले पंजागुट्टा, चिलकलगुड़ा, कंचनबाग और बंडलागुड़ा पुलिस थानों के अलावा नलगोंडा जिले के डिंडी पुलिस थाने में दर्ज किए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन मालिकों को स्पष्ट किया है कि वाहनों पर केवल सरकार द्वारा अनुमोदित हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट ही लगाई जा सकती है। नंबर प्लेट में किसी तरह का बदलाव करना, अंक हटाना या बदलना तथा अस्थायी स्टिकर के जरिए नंबर प्रदर्शित करना नियमों के विरुद्ध है।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने फर्जी अथवा बदली हुई नंबर प्लेट के मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की चेतावनी दी है। पुलिस के अनुसार ऐसे मामलों में आपराधिक मुकदमा दर्ज करने के साथ वाहन को तत्काल जब्त किया जा सकता है और आरोपियों को गंभीर कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक), हैदराबाद डी. जोएल डेविस, आईपीएस ने वाहन मालिकों से निर्धारित नंबर प्लेट मानकों और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा, कानून का पालन और अपराध की रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए फर्जी नंबर प्लेट के खिलाफ यह अभियान शहरभर में लगातार और व्यवस्थित तरीके से जारी रहेगा।

## भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने की सलाह दी

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने आज भाजपा नेताओं, जन प्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं से तेलंगाना में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू की गई विशेष व्यापक पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दूसरे चरण पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि के रूप में वे खैरताबाद के 'विश्वेश्वरैया भवन' में आयोजित विशेष व्यापक संशोधन (एसआईआर) चरण-2 पर राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्येक पात्र व्यक्ति के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से नए वोटों के पंजीकरण में तेजी लाएं, क्योंकि एसआईआर प्रक्रिया समाप्त होने में केवल दो दिन (10 अगस्त तक) शेष हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समय सीमा के बाद भी, आने वाले दिनों में मसौदा अधिसूचनाओं की समीक्षा, फर्जी वोटों की पहचान और आपत्तियां दर्ज करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य जारी रहेंगे।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने बूथ स्तरीय एजेंट-1 (बीएलए-1) और कानूनी टीमों को निर्देश दिया कि वे फॉर्म-7 (मतों को हटाने) और फॉर्म-8 (मतों में सुधार) को सही ढंग से भरने, उचित सबूतों के साथ नोटिस का कानूनी रूप से जवाब देने और मतदान बूथ युक्तिकरण प्रक्रिया की पूरी तरह से जांच करने के संबंध में लगातार सतर्क रहें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मतदाता सूची में पारदर्शिता लोकतंत्र की रक्षा के लिए सर्वोपरि है और भाजपा प्रतिनिधियों से इस जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से निभाने का आग्रह किया। भाजपा के प्रदेश महासचिव और एसआईआर के प्रदेश संयोजक वेमुला अशोक समेत अन्य लोगों ने कार्यशाला में भाग लिया।

## पुराने मेदक ज़िले में दो सड़क हादसों में चार लोगों की मौत

संगारेड्डी, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात पुराने मेदक ज़िले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार रात मेदक ज़िले के मनोहरबाद मंडल के डंडुपल्ली में एक डीसीएम के दो-पहिया वाहन को टक्कर मारने से दो प्रवासी मज़दूरों की मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश के रहने वाले ये दो प्रवासी मज़दूर, तन्मन (20) और कमलेश (22), एक स्थानीय उद्योग में काम करते थे। इस हादसे में विशाल नाम के एक अन्य व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं।

एक अन्य हादसे में, संगारेड्डी ज़िले के कोहिर मंडल के मनियारपल्ली में एक पैसेंजर ऑटो के दो-पहिया वाहन से टकराने से एक महिला और एक युवक की मौत हो गई। मरने वालों में पैसेंजर ऑटो में सवार पद्मा (50) और बाइक सवार जगन्नाथ (22) शामिल थे। पद्मा और उनके परिवार के अन्य सदस्य एक करीबी रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद अपने पैतृक गाँव लौट रहे थे। ऑटो में बैठे कई लोगों को भी गंभीर चोटें आईं।

## बंजारा हिल्स की बिल्डिंग के बेसमेंट में आग लगी, 11 लोगों को बचाया गया

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार सुबह बंजारा हिल्स में रोड नंबर 10 पर स्थित एक बिल्डिंग के बेसमेंट में आग लग गई, जिससे आग बुझाने और बचाव का एक बड़ा ऑपरेशन शुरू हुआ जो लगभग छह घंटे तक चला। सूचना मिलने पर, फायर और इमरजेंसी सर्विस के कर्मचारी, हैड्रा की टीमों के साथ मौके पर पहुंचे और बिल्डिंग से 11 लोगों को बचाया। आग पर काबू पाने के लिए छह फायर टेंडर और लगभग 50 फायरफाइटर्स को तैनात किया गया था।

डिस्ट्रिक्ट फायर ऑफिसर के. वेंकन्ना ने बताया कि बेसमेंट में शराब की दुकान का गोदाम था और वहां घना धुआं भरा हुआ था, जिससे फायरफाइटर्स के लिए अंदर घुसना और आग के स्रोत तक पहुंचना मुश्किल हो रहा था। फायरफाइटर्स ने धुएं से भरे बेसमेंट में घुसने के लिए ब्रीदिंग अपैरेटस का इस्तेमाल किया, जबकि धुएं को बाहर निकालने और आग बुझाने के ऑपरेशन को आसान बनाने के लिए स्मोक एग्जॉस्टर लगाए गए। बेसमेंट में खड़ी दो इलेक्ट्रिक बाइक और एक चार-पहिया वाहन आग में क्षतिग्रस्त हो गए। बेसमेंट में रखा कुछ सामान भी जलकर खाक हो गया। तेज धुएं के कारण आग बुझाने के काम में बाधा आई, और स्थिति पर काबू पाने से पहले कर्मचारियों को कई घंटों तक सावधानी से काम करना पड़ा। आग लगने के कारण और नुकसान की कुल सीमा का पता लगाया जा रहा है।

## आरटीसी इलेक्ट्रिक बस सड़क से उतरकर पेड़ों के झुंड में जा घुसी; यात्री सुरक्षित

भूपालपल्ली, 8 अगस्त ( स्वतंत्र वार्ता )। शनिवार को ज़िले में आरटीसी की एक इलेक्ट्रिक बस का ड्राइवर कंट्रोल खो बैठा और बस सड़क के किनारे पेड़ों के झुंड में जा घुसी, जिससे उसमें सवार 25 यात्री बाल-बाल बच गए।

यह घटना महादेवपुर और कतारम मंडलों के बीच नेशनल हाईवे पर हुई, जब वारंगल डिपो की बस कालेश्वरम से लौट रही थी। जब बस अचानक बेकाबू होकर सड़क से उतरी, तो यात्री घबरा गए।

हालांकि, किसी को चोट नहीं आई क्योंकि बस ड्राइवर ने गाड़ी को कंट्रोल में कर लिया। यात्रियों को दूसरी बसों से उनकी मंज़िल तक भेजा गया। घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

## भारी बारिश से गड्ढों वाली सडकों पर पानी भरा

हैदराबाद, 8 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और उसके आसपास के इलाकों का प्रशासन संभालने वाले तीन नगर निकायों के तहत, मानसून के बीच यात्रियों को गड्ढों वाली और पानी से भरी सड़कों से गुजरने में काफी परेशानी हो रही है।

नगर निकायों के अनुमान के मुताबिक, पानी भरने वाली लगभग 1,000 जगहों की पहचान की गई है, जबकि ऐसी कई और जगहें हो सकती हैं जिन पर सर्वे करने वालों का ध्यान नहीं गया, जिससे रोज़ाना सफर करने वालों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। पानी से भरे इलाकों, खतरनाक गड्ढों और खराब सड़कों से सावधानीपूर्वक गाड़ी चलानी पड़ती है, जिससे ट्रैफिक धीमा हो जाता है और कई जगहों पर यात्री ट्रैफिक जाम में फंस जाते हैं।

असल में, साइबराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (सीएमसी) ने अपने ज़ोन में पानी भरने वाली लगभग 300 से 400 जगहों की पहचान की है, जो मुख्य रूप से आईटी कॉरिडोर के चौराहों पर हैं। यात्रियों का कहना है कि लगातार पानी भरे रहने के कारण आईआईआईटी जंक्शन, गाचीबोवली, माधापुर, बायोडायवर्सिटी, मियापुर और लिंगमपल्ली जैसे अहम रास्तों पर गहरे गड्ढे छिप जाते हैं।

अधिकारियों का मानना है कि 30 से 40 प्रतिशत से ज़्यादा सड़कें खराब हालत में हैं। कमिश्नर जी. श्रीजाना ने यात्रियों को भरोसा दिलाया, बारिश का मौसम खत्म होने के बाद गड्ढे भरे जाएंगे। हम पहले दो-तीन शहरों में गड्ढे भरने के तरीकों का अध्ययन करेंगे और फिर मरम्मत का काम करेंगे।

इस बीच, मलकजगिरी म्युनिसिपल कॉरपोरेशन की टीमों ने अपने अधिकार क्षेत्र में पानी भरने वाली लगभग 188 से 200 जगहों की पहचान की है, जिनमें सभी ज़ोन की मुख्य समस्या वाली जगहें शामिल हैं। मल्काजगिरी, आनंदबाग, सफिलगुडा, उप्पल, एलबी नगर और हयात नगर जैसे अहम रास्तों पर पानी भरने और ट्रैफिक धीमा होने की वजह से लोगों को काम की डेडलाइन और सुबह ज़रूरी लॉग-इन में काफी नुकसान उठाना पड़ता है।

नगर निकाय के अधिकारियों द्वारा बिना किसी योजना के स्टॉर्मवॉटर ड्रेन और सड़क निर्माण जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर के काम शुरू करने को लेकर लोगों में नाराज़गी है। लोगों का कहना है कि इन कामों ने मुख्य सड़कों पर चलने वालों के लिए मॉनसून की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

इस बीच, जीएचएमसी ने सभी छह ज़ोन में पानी जमा होने वाली 200 से 300 जगहों की पहचान की है। ऑफिस जाने वालों समेत मुख्य रास्तों पर यात्रा करने वाले लोगों को पीक आवर्स में बारिश के दौरान तनाव का सामना करना पड़ता है। केबीआर पार्क, पंजागुट्टा, मसाब् टैंक, मेहदीपटनम, खैरताबाद, लकड़ी-का-पुल, आबिड्स, सिकंदराबाद और टैंक बंड जैसे अहम रास्तों पर भारी ट्रैफिक की समस्या देखी जा सकती है।

इन समस्याओं को दूर करने के लिए, जीएचएमसी की इंजीनियरिंग टीमों को 11 से 21 अगस्त तक सभी 150 वार्डों में 10 दिन के विशेष अभियान के तहत गड्ढे भरने और मरम्मत का काम करने का निर्देश दिया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.